डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
रविवार
04.09.2022
भाद्रपद शुक्ल पक्ष 08
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह
सबसे मुश्किल रास्ता वह है जिस पर आपको हमेशा अकेले चलना पड़ता है, असल में वही रास्ता जिंदगी में आपको मजबूत बनाता है।

www.rastriyanaveenmail.com | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | वर्ष-29 अंक-316 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

न्यूज गैलरी

जिला परिषद् सदस्य व मुखिया ने किया धोती,साड़ी लूंगी का वितरण

पाटन। ग्राम सतहे में झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सोना सोबरन, धोती योजना के तहत ज़िला परिषद सदस्य जयशंकर कुमार सिंह उर्फ संग्राम सिंह ने गरीब बुजुर्ग लाभुक के बीच धोती साड़ी का वितरण किया । उन्होंने कहा कि ये सरकार की कल्याणकारी योजना है । पूरे प्रखंड में जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों द्वारा दिया जा रहा है। वितरण करने में मुखिया अखिलेश पासवान,उप मुखिया विवेक सिंह,मंडल अध्यक्ष संजय कुमार सिंह उपस्थित थे।

सासंद ने बंद रास्ते को लेकर डीआरएम को लिखा पत्र

मोहम्मदगंज। पलामू सांसद वीडी राम ने कोसियारा-मोहम्मदगंज स्टेशन के बीच थर्ड लाइन विस्तारीकरण से मोहम्मदगंज प्रखंड क्षेत्र के माली,डाली,सिड़हा और पंचपोखरी गांवों में आने-जाने के लिए बंद हो गये रास्ते को पुनः चालू करने का आग्रह पं. दीनदयाल उपाध्याय मंडल के डीआरएम से किया है। इस संबंध उन्होंने डीआरएम को पत्र भी लिखा है। जिसमें उन्होंने ग्रामीणों के द्वारा मिली जानकारी के अनुसार बताया कि मोहम्मदगंज प्रखंड अंतर्गत बीडी सेक्शन रेलखंड में कोसीआरा-मोहम्मदगंज स्टेशनों के बीच 53/ एलसी गेट से पोल संख्या 350/25 तक रास्ता पूर्ण रूप से बंद हो गया है। जबकि उक्त रास्ता से 100 साल से ग्रामीणो का आवागमन का एकमात्र रास्ता था। जिससे उक्त गांवों के ग्रामीण आना-जाना करते थे। परंतु थर्ड लाइन विस्तरीकरण का कार्य होने से ग्रामीणों को पैदल चलना और आपात स्थिति में किसी प्रकार की सवारी गाड़ी की सुविधा प्राप्त करना असंभव हो गया है। खासकर, मरीजों को ले जाने के लिए। इसकी जानकारी देते हुए सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि सांसद की इस पहल से ग्रामीणों को उक्त समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है।

डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चे शैक्षणिक भ्रमण पर निकले

हरिहरगंज। प्रखंड के कौवाखोह पिरोजी स्थित डीएवी मनोज पब्लिक स्कूल के 80 विद्यार्थी सुरक्षित वाहन से एक दिनी शैक्षणिक भ्रमण पर निकले। इस संबंध में स्कूल के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों को राजगीर, नालंदा तथा बोधगया का भ्रमण कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों का बौद्धिक व मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि स्कूल के छात्र-छात्राओं को ऐतिहासिक स्थलों के बारे में विस्तार से बताया जायेगा। मौके पर निदेशक डॉ. मनोज कुमार, प्रधानाचार्य भीमसेन प्रसाद, शिक्षक पंकज कुमार, पप्पू कुमार, समीर कीरो, अमिताभ कुमार, पूनम वर्मा, पूनम शर्मा, मंजू शर्मा, मंजू गुप्ता, शिखा कुमारी, रीमा कुमारी, ज्योति कुमारी के अलावे घर की शिक्षक बिंदेश्वरी राम, सेवानिवृत्त शिक्षक रामजीवन महतो, बीएसपी प्रखंड अध्यक्ष सूरजमल कुमार रवि, शिक्षक सूरज यादव, आजसू प्रखंड अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह सहित कई विद्यार्थी शामिल थे।

फेमिना ने किया डांडिया महोत्सव का आयोजन

मेदिनीनगर। लायंस क्लब ऑफ डालटनगंज फेमिना के द्वारा शनिबार को गुरु तेग बहादुर मेमोरियल हॉल में डांडिया महोत्सव का आयोजन कराया गया। इसका उद्घाटन फेमिना की अध्यक्ष बिंदु तुलस्यान, सचिव रेखा शर्मा, कोषाध्यक्ष उमा केजरीवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष श्रीमती तुलस्यान ने कहा कि विगत कई वर्षो से फेमिना के द्वारा डांडिया का आयोजन कराया जाता रहा है। नवरात्रि में डांडिया का विशेष महत्व है। इसलिए इस समय इसका आयोजन किया जाता है। शहर की महिलाएं डांडिया नृत्य के माध्यम से खुशियां मनाती है। फेमिना की सचिव श्रीमती शर्मा ने कहा कि डांडिया के मौके पर महिलाओं को अपनी छुपी हुई प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। घर में जो महिलाएं रोज दिन काम करती है । उनमे भी काफी प्रतिभा होती है। डांडिया का आयोजन कर फेमिना उन्हें एक मंच प्रदान करती है। फेमिना की पूर्व अध्यक्ष राज लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम में करीब 350 महिलाओं ने पारम्परिक ड्रेस पहन कर डांडिया में भाग लिया। उन्हें उनके प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगीता शंकर, अंजू सांगा, भावना मल्होत्रा, आशा साहनी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

मुसहर जाति को पुर्नवास नीति के तहत सामाजिक व्यवस्था प्रदान करें सरकारः संजय

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिला के पांडु प्रखंड अंतर्गत ग्राम मुरुमातू में बेघर किये गये महादलित (मुसहर) परिवार से मिलने ब्रिगेड हुसैनाबाद के अध्यक्ष राजकुमार (उर्फ सुगी मुसहर) के साथ काफी संख्या में मुसहर समुदाय के लोगों ने कर्नल संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में पाण्डु पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर घटना स्थल के दौरे पर पहुंचे । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश व आदित्य साहू को मुसहर जाति के विकास हेतु एक ज्ञापन सौंप कर न्याय दिलाने का गुहार लगाया। मौके पर सभी मुसहरों ने दीपक प्रकाश से कहा कि मुसहरों के ऊपर अत्याचार और जबरदस्ती विस्थापन की घटना से हम सभी मुसहर जाति के लोग वर्तमान

सरकार की व्यवस्था में डरे और सहमे हुए जिंदगी बसर कर रहे हैं। इसके संरक्षक कर्नल संजय सिंह ने कहा कि नब्बे के दशक में तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा जो गैरमजरुआ भूमि का आवंटन पट्टा तो मिला। परन्तु उसका ना ही भौतिक स्थानांतरण किया गया ना ही खूंटागड़ी कर इन्हें उक्त भूमि का पोजीशन दिलाया गया। इसके बाद मुसहर के लगभग पचास परिवारों को प्रशासन ने पांडू के पुराने थाने भवन में शिफ्ट कर दिया है। इस घटना के बाद से लगातार विभिन्न राजनीतिक संगठन के लोग वहां पहुंच रहे हैं और मुसहरों की आपबीती सुन रहे हैं। कर्नल संजय सिंह ने भी विस्थापित मुसहर परिवारों से मिलकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। जानकारी लेने के क्रम में उन्होंने इस पूरी घटना के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि महादलितों के ऊपर हो रहे अत्याचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। प्रभावित मुसहर परिवारों को आश्वस्त किया कि उन्हें जहां से उजाड़ा गया है। उन्हें पुनः वहीं बसाया जायेगा। मौके पर पूर्व मुखिया लालधन ठाकुर, अजय गुप्ता, विनय सिंह, मनोज सिंह, शिव चन्द्र पाठक, पचासा मुसहर, प्रमोद मुसहर, शारदा मुसहर, विमला मुसहर, रूना मुसहर, नगीना मुसहर सहित कई लोग मौजूद थे।

चरवाहे को दबंग युवक ने बेरहमी से पीटा, घायल

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के हैदरनगर में भेड़ चरा रहे चरवाहा को एक दबंग युवक ने लाठी डंडों से पिटाई कर दी। जिससे भेड़ चरवाहा गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद पतरिया, गोलहना व संडेया गांव के ग्रामीण व जनप्रतिनिधियों में आक्रोश उमड़ पड़ा। हैदरनगर पूर्वी पंचायत के मुखिया संतोष कुमार सिंह, बभंडी पंचायत के मुखिया जितेंद्र सिंह, उपप्रमुख पप्पू कुमार पासवान, लालू सिंह, अरविंद सिंह सहित दर्जनों लोग की मदद से भेड़ चरवाहे ने शनिवार को हैदरनगर थाने में जाकर दबंग युवक के खिलाफ प्राथमिक दर्ज कराकर दोषी युवक को अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। घटना शुक्रवार के दोपहर की है। हैदरनगर के संडेया गांव निवासी जयराम पाल (45) गोलहना व बंशीपुर गांव के बीच खेत में अपनी भेड़ चरा रहे थे। इस दौरान बंशीपुर गांव के ही सद्दाम अंसारी पिता इसहाक अंसारी ने जयराम पाल को गाली गलौज शुरू कर दी और कहा कि खेत मे भेड़ क्यों चरा रहा है। जातिसूचक शब्द बोलते हुए कहा कि तुरंत यहां से भेड़ लेकर भागों। इसके बाद सद्दाम अंसारी चरवाहे का डंडा छीनकर लाठी डंडों से पिटाई कर दी। चरवाहा खेत मे जान बचाने के लिए भागने लगा लेकिन सनकी युवक ने उसे दौड़ा दौड़ाकर पिटाई करता रहा। उसे गोलहना गांव के ग्रामीण उमेश सिंह व अरविंद सिंह ने बचाया। दूसरी बार भेड़ लेने जाने के क्रम में चरवाहे पर सद्दाम ने दुबारा हमला बोल दिया और लाठी से पुनः पिटाई शुरू कर दी। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। उसके दोनों हाथ टूटने के अलावे कई भागों में चोट आई है।

पांकी पूर्वी मुखिया ने स्कूल का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। शिक्षा के क्षेत्र में पांकी पूर्वी पंचायत के बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैया कराने को लेकर पांकी पूर्वी मुखिया प्रेम प्रसाद ने शनिवार को पांकी पूर्वी पंचायत के स्कूलों का निरीक्षण करने निकले। जिसमें पांकी पूर्वी पंचायत दरजाही के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों की संख्या कम होने पर नाराजगी जताई, और उन्होंने शिक्षक, शिक्षक कर्मी एवं अभिभावक के साथ बैठक कर बच्चों की पढ़ाई करने के लिए ज्यादा से ज्यादा उपस्थिति दर्ज कराने को लेकर कहा। मौके पर उपस्थित बच्चों से पांकी पूर्वी मुखिया प्रेम प्रसाद ने सवाल किया तो बच्चे ने सही तरीके से जवाब दिया। इस पर मुखिया ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र को हर हाल में पटरी पर लाना होगा और यह मेरी पहली प्राथमिकता भी है। उन्होंने कहा कि अपने पंचायत के छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों से लगातार मिल रही शिकायतों पर विद्यालय का निरीक्षण किया जा रहा है। बुद्धिजीवी ग्रामीणों के सहयोग से एक टीम बनाकर निरीक्षण कर रहा हूं । जिसकी रिपोर्ट को मेरे द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारियों को उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने कहा कि आज शिक्षक पठन-पाठन को छोड़ खिचड़ी बनवाने की ओर ज्यादा ध्यान दे रहे है। उन्होंने जिलाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी से अपने पंचायत में सभी विद्यालयों की नियमित जांच की मांग की है। जिससे इस पिछड़े पंचायत में बेहतर शैक्षणिक माहौल बने और शिक्षक-शिक्षिकाएं अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी पूर्वक निभाएं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल कॉलेज सड़मा, छत्तरपुर के परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन नीलाम्बर पीताम्बर विश्वविद्यालय, मेदिनीनगर के प्रतिकुलपति प्रो. (डॉ) दीपनारायण यादव , कॉलेज के संस्थापक सचिव सत्यदेव प्रसाद अग्रवाल एवं शासी निकाय के सदस्य सुमित्रों भटाचार्या एवं प्रभारी प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। स्वागत भाषण प्रभारी प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने कार्यक्रम का विषय परिवेश प्रभारी प्रो. मुन्नी देवी ने किया। वही कॉलेज के छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं गीता देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अकलेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो

राजकिशोर लाल, वाणिज्य विभाग द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में स्लाइड शो दिखा कर विधिवत जानकारी दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो डॉक्टर दीपनारायण यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा प्रत्येक व्यक्ति के राष्ट्र के योगदान को निश्चित किया जाना है और गुणवत्ता पूरक शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति को मिले । साथ ही शिक्षा के लिए मूलभूत सुविधाएं देनी होंगी और राष्ट्र स्तर पर भारतीय उच्च शिक्षा सेवा आयोग बनाने का सुझाव दिया। नई शिक्षा नीति में वोकेशनल एवं टेक्निकल शिक्षा पर जोर दिया गया है । कॉलेज के संस्थापक सचिव श्री अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले समय में हमें स्किल युवाओं की आवश्यकता है। इसी के मध्य नजर रखते हुए नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन किया गया। जिससे रोजगार एवं नॉलेजेबल इकोनामी की स्थापना की जा सके एवं सांस्कृतिक पहचान मिल सके। मौके पर शासी निकाय सदस्य सौमित्रो भट्टाचार्य, प्रो. अमित कुमार सिंह, प्रो. अपराजिता प्रकाश, प्रो. इंदु कुमारी, प्रो. राजमोहन, प्रो. अशोक कुमार अग्रवाल, प्रो. सूर्योदय कुमार, योगेंद्र विश्वकर्मा, सफल कुमार, पंचम कुमार, अरविंद कुमार, संध्या कुमारी, सतेंद्र कुमार, बबलू शिव, आनंद तथा कॉलेज के काफी संख्या में छात्र छात्राएं एवं कॉलेज कर्मी उपस्थित रहे।

मामा ने भगिनी की हत्या का लगाया आरोप लातेहार एसपी से की कार्रवाई की मांग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के तरहसी थाना क्षेत्र निवासी गुड्डू यादव ने अपनी भगिनी छोटी देवी की हत्या करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में गुड्डू यादव ने एसपी को आवेदन देकर छोटी के ससुराल पक्ष पर कार्रवाई करने की मांग की है। गुड्डू यादव ने बताया कि 13 मई 2022 को लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के नावा टोली निवासी आदित्य यादव पिता पवित्र यादव से उसकी भगिनी की शादी हुई थी। लेकिन कुछ महीने बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने फोन के माध्यम से बताया कि छोटी ने आत्महत्या कर ली है। गुड्डू यादव का आरोप है कि पहले भी उसकी भगिनी छोटी को ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर जान से मारने की धमकी देते थे। गुड्डू का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने ही उसकी भगिनी की हत्या की है। लेकिन उसे आत्महत्या करार दिया जा रहा है। स्थानीय पुलिस इस पूरे मामले पर टालमटोल कर रही है। लिहाजा इसकी लिखित शिकायत देकर लातेहार एसपी अंजनी अंजन से इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

हैदरनगर राजद के प्रखंड अध्यक्ष बने रिजवान

हुसैनाबाद। पलामू जिला राजद कार्यकारणी के निर्देश पर हैदरनगर प्रखंड कमेटी का पुनर्गठन किया गया। जिसमे बतौर पर्यवेक्षक मदन पासवान व सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति में चुनाव प्रक्रिया के शुरू से अंत तक प्रखंड अध्यक्ष के लिये एकमात्र कार्यकर्ता ने नामांकन दाखिल किया। जिसमें रिजवान खान को इस पद के लिए मनोनीत किया गया। उन्हें प्रमाण पत्र भी पर्यवेक्षक ने प्रदान कर दिया है। प्रखंड कमेटी का नये सिरे से गठन व विस्तार कर उनकी सूची यथाशीघ्र जिला कार्यालय को सौंपने का निर्देश दिया गया है।

बच्चों को लोहे की रॉड से दागने के मामले में पुलिस ने शुरू की अनुसंधान

मामला हुसैनाबाद नगर पंचायत के एक प्राइवेट प्ले स्कूल का

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद नगर पंचायत के एक प्राईवेट स्कूल के प्राचार्य द्वारा स्कूल के कई मासूम बच्चें व बच्चियों को बेहरमी से लोहे की रॉड से दागने को लेकर पुलिस ने अपनी अनुसंधान शुरू कर दी है। शुक्रवार को हुसैनाबाद अंचल पुलिस निरीक्षक दीपक कुमार ने स्कूल पहुंचकर घटना स्थल का मुआयना किया और स्कूल के कार्यालय से शिक्षकों और बच्चों की उपस्थिति पंजी के साथ कोयला और लोहे की रॉड को भी जब्त किया है। इस संबंध में पुलिस निरीक्षक ने बताया कि घटना के दिन स्कूल में 16 शिक्षकों की उपस्थिति हाजरी पंजी में दर्ज है। वहीं स्कूल में करीब 200 बालक बालिका पढ़ते है। उन्होंने कहा कि अब तक बाल संरक्षण थाना में पांच अभिभावकों ने प्राचार्य द्वारा लोहे की रॉड से दागने की शिकायत मिली है। इस घटना में स्कूल के अन्य शिक्षक- शिक्षिकाओं की भी संलिप्तता सामने आ रही है। पुलिस हर बिंदुओं पर गहराई से अनुसंधान कर रही है। मालूम हो कि हुसैनाबाद शहर में स्थित लक्ष्मी शिशु वाटिका प्ले स्कूल के व्यवस्थापक सह प्राचार्य शशिकेश कश्यप ने गत 30 अगस्त को स्कूल में पढ़ने वाले एक छात्र को बेहरमी से लोहे की रॉड से कमर के नीचे दाग दिया था। इस घटना के बाद उक्त बच्चा काफी डर गया था और इसकी जानकारी अपने घर वालों को दी। अभिभावक ने इस मामले को लेकर प्राचार्य के खिलाफ हुसैनाबाद महिला एवं बाल संरक्षण थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी थी। जिसका कांड संख्या- 12/ 022 है। उधर पलामू पुलिस अधीक्षक और हुसैनाबाद एसडीपीओ के निर्देश पर उक्त आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उन्होंने बताया कि इसकी लिखित जानकारी शिक्षा अधीक्षक व अन्य उच्च पदाधिकारियों को अवगत कराया जायेगा। साथ ही बच्चियों को भी नहीं छोड़ा गया है,जो पोस्को एक्ट का मामला बनता है। अन्य छात्रों से भी पूछताछ की जायेगी। **स्कूल प्रबंधक के खिलाफ लोगों मे आक्रोश :** इस स्कूल के प्राचार्य द्वारा दर्जनों बच्चों के साथ इस घिनौना हरकत को लेकर स्थानीय लोगों के साथ अभिवावकों में भी काफी आक्रोश है। कई लोगों ने पलामू उपायुक्त से इस घटना की जांच कर स्कूल बंद कराने की मांग की है।

झारखंड की सभी व्यवस्था पस्त हेमंत सोरेन सरकार बचाने में व्यस्त : रविन्द्र

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। झारखंड में कानून व्यवस्था के साथ सरकार की सभी व्यवस्था पस्त है। वहीं हेमंत सोरेन अपनी सरकार बचाने में व्यस्त है। उन्हें राज्य की जनता व किसानों की कोई परवाह नहीं है। उक्त बातें भाजपा प्रदेश कार्यसमिती सदस्य रविंद्र कुमार सिंह, त्रिपुरा राज्य प्रभारी व झारखंड के वरिष्ठ नेता अशोक सिंह, उद्ववार मंडल अध्यक्ष रामराज मेहता ने आयोजित प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पलामू जिला के साथ साथ हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र जिसे चावल की कटोरी के रूप में जाना जाता है। यहां के किसान छात्र, युवा मजदूर किसान कृषि आधरित कार्यो पर जिंदा है। रोजी रोजगार के लिए लोगों का पलायन हो रहा है। उन्होंने कहा कि हुसैनाबाद अनुमंडल को सूखाड़ क्षेत्र घोषित करने साहित अन्य मुद्दों को लेकर भाजपा अगामी 5 सितंबर को प्रखंड कार्यालय में एक दिवसीय धरना के माध्यम से तत्काल सरकार से अकाल क्षेत्र घोषित कराकर राहत कार्य चलाने की मांग करेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्य अथिति के रूप में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू, विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष सचितनन्द पाठक, पूर्व सांसद मनोज भुइयां, प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह, मंगल सिंह आदि उपस्थित रहेंगे।

काथलिक मध्य विद्यालय, कैमो लोहरदगा (झारखंड)
पो+थाना - लोहरदगा, जिला - लोहरदगा
प्रखंड- लोहरदगा, पिन - 835302

सूचना

सरकार के सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (प्राथमिक शिक्षा निदेशालय) झारखंड सरकार के पत्रांक - 2012 दिनांक 30.08.2022 के आलोक में काथलिक मध्य विद्यालय, कैमो लोहरदगा में शिक्षकों की नियुक्ति हेतु दिनांक 20.08.2022 को दैनिक समाचार पत्र 'राष्ट्रीय नवीन मेल' में प्रकाशित विज्ञापन को रद्द किया जाता है।

ह०/सचिव

आर.सी.प्रा. विद्यालय, हुआहार, बानपुर
प्रखंड - किस्को, जिला - लोहरदगा, पिन - 835302

सूचना

सरकार के सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (प्राथमिक शिक्षा निदेशालय) झारखंड सरकार के पत्रांक - 2012 दिनांक 30.08.2022 के आलोक में आर.सी.प्रा. विद्यालय, हुआहार, बानपुर, प्रखंड - किस्को, जिला - लोहरदगा में शिक्षक/शिक्षिका की नियुक्ति हेतु दिनांक 20.08.2022 को दैनिक समाचार पत्र 'राष्ट्रीय नवीन मेल' में प्रकाशित विज्ञापन को रद्द किया जाता है।

ह०/सचिव

समाहरणालय, गढ़वा।
(जिला भू-अर्जन शाखा)

-: कार्यालय आदेश :-

कनहर सिंचाई परियोजना अमवार (उत्तर प्रदेश) अन्तर्गत प्रभावित रैयतों को सूचित किया जाता है कि निम्न ग्रामों में शिविर का आयोजन कर मुआवजा राशि की भुगतान से संबंधित वांछित विभिन्न राजस्व कागजात प्राप्त किया जाना है। संबंधित ग्रामों के रैयतों से अनुरोध है कि निम्न तिथि को आयोजित स्थान पर उपस्थित होकर अपना वांछित राजस्व कागजात जमा करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही भूमि स्वामित्व प्रमाण एवं वंशावली प्रमाण पत्र कैंप लगाकर संकलन किया जाना है। शिविर की समयसारणी इस प्रकार है :-

क्रं0 सं0	ग्राम का नाम	अंचल का नाम	थाना सं0	स्थान	दिनांक	समय
1	2	3	4	5	6	7
1.	भुमफोर	धुरकी	159	पंचायत भवन, खुटिया	05.09.2022	11:00 AM to 03:00 PM
2.	मण्डेर उर्फ फेफसा	धुरकी	160			
3.	सामो उर्फ शुरू	धुरकी	161			
4.	लिबरा उर्फ परासपानी कलां	धुरकी	164			

कनहर सिंचाई परियोजना अमवार (उत्तर प्रदेश) संबंधित रैयतों से अनुरोध है कि भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र, वंशावली एवं किसी भी प्रकार की आपत्ति के निराकरण हेतु उक्त स्थल पर ससमय निम्न आवश्यक कागजात के साथ उपस्थित हों।

आवश्यक कागजात :- खतियान अथवा केवाला, अद्यतन लगान रसीद, पासबुक की छाया प्रति, आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, शपथ पत्र/क्षतिपूर्ति बॉण्ड (कार्यपालक दण्डाधिकारी द्वारा निर्गत), सह-हिस्सेदारों का सहमति पत्र, दो कलर फोटो एवं तीन रेभ्न्यु टिकट के साथ-साथ यदि भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र एवं वंशावली (अंचल से निर्गत) हो तो।

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी,
गढ़वा।

PR 276998 (District) 22-23 (D)

कार्यालय जिला परिषद, पलामू

जिला परिषदीय दुकानों के बकायेदार हेतु आवश्यक सूचना

दिनांक 14.07.2021 को सम्पन्न कार्यकारी समिति, जिला परिषद, पलामू की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में कार्यालय ज्ञापांक 633/दिनांक 29.10.2021 एवं ज्ञापांक 705/दिनांक 07.12.2021 द्वारा हुसैनाबाद प्रखण्ड अंतर्गत सैरात के सभी बकायेदारों को सम्पूर्ण बकाया राशि जमा करने हेतु प्रेस नोटिस निर्गत किया गया है। परन्तु कुछ बकायेदारों द्वारा कोई रूची नहीं ली गई। इससे स्पष्ट होता है कि बकाया किराया जमा करने हेतु इनकी कोई मंशा नहीं है।

अतः बाध्य होकर अधिकतम राशि के बकायेदारों को अंतिम नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि दिनांक 07.09.2022 तक अपना संपूर्ण बकाया किराया जमा कर दें अन्यथा संबंधित दुकानों को सील कर नये आवेदकों को आवंटित कर दिया जायेगा एवं आपके विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

प्रखण्ड हुसैनाबाद अन्तर्गत अधिकतम राशि के बकायेदारों की सूची निम्नवत है :-

प्रखण्ड - हुसैनाबाद

क्र0 सं0	दुकान नम्बर	आवंटी का नाम	बकाया अवधि	कुल माह	बकाया राशि
1	2	3	4	5	6
1	A-10	सुरभी कुमारी पति विपुल कुमार द्विवेदी	अप्रैल 2020 से अगस्त 2022 तक	29	22272.00
2	B-07	हलीम अंसारी पिता बसीर अंसारी	जुलाई 2020 से अगस्त 2022 तक	26	39000.00
3	B-23	हरिश्चन्द्र प्रसाद	जुलाई 2020 से अगस्त 2022 तक	26	19968.00
4	B-34	टिपु सुलतान पिता मो0 गयासुद्दीन	मई 2020 से अगस्त 2022 तक	28	28000.00
5	B-37	प्रदीप कुमार मेहता पिता सुदामा मेहता	जुलाई 2019 से अगस्त 2022 तक	38	38000.00
6	D-03	राजेश कुमार वर्मा	मई 2020 से अगस्त 2022 तक	28	42000.00
7	D-08	अरूण प्रसाद	सितम्बर 2019 से अगस्त 2022 तक	36	51840.00
8	D-12	मो0 वशीम अंसारी पिता मो0 नईमुद्दीन अंसारी	अक्टूबर 2020 से अगस्त 2022 तक	23	33120.00
9	F-04	केदार प्रसाद मेहता	सितम्बर 2020 से अगस्त 2022 तक	24	36000.00

ह0/-
कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, पलामू

PR 276985 (District)22-23*D

डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
रविवार
04.09.2022
भाद्रपद शुक्ल पक्ष 08
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-29 अंक-316 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

रश्मि प्रवाह

सबसे मुश्किल रास्ता वह है जिस पर आपको हमेशा अकेले चलना पड़ता है, असल में वही रास्ता जिंदगी में आपको मजबूत बनाता है।

पेंशन विजय सह अभिनंदन समारोह में राज्यकर्मियों ने सीएम से मिलकर जताया आभार

रिटायरमेंट के बाद जीवन सुखमय तरीके से व्यतीत हो, इसके लिए पेंशन बड़ा सहारा : हेमंत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को हमारी सरकार से काफी अपेक्षाएं हैं। हरेक वर्ग-सामुदाय की समस्याओं का निदान करने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। हमारी सरकार की ताकत राज्य की सवा तीन करोड़ जनता है। प्रत्येक राज्यवासी के चेहरे पर मुस्कान हो, इस उद्देश्य के साथ राज्य सरकार योजनाबद्ध तरीके से झारखंड को आगे बढ़ाने का काम रही है। वर्तमान सरकार ने राज्य सरकार के कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना की सौगात दी है। आप सभी कर्मी सरकार के अभिन्न अंग हैं। आप अपने भविष्य की चिंता न करें, बल्कि राज्य की सवा तीन करोड़ जनता की चिंता करें। आपके भविष्य की चिंता राज्य सरकार कर रही है। आप सभी

सरकार के कर्मी राज्य के सर्वांगीण विकास में अपना पूरा योगदान समर्पित तथा निस्वार्थ भाव से दें। जब आप राज्य सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर जनहित का कार्य करेंगे, तब एक समय ऐसा भी आयेगा जब अन्य संस्थाओं की तरह राज्य सरकार भी आप को पर्व-त्योहारों में बोनस देने का काम करेगी। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को कांके रोड रांची स्थित अपने आवासीय परिसर में नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्किम, झारखंड के बैनर तले सरकारी कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित आभार एवं पेंशन विजय यात्रा-सह-अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी लोग पेंशन के महत्व को समझते हैं। रिटायरमेंट के बाद आपका जीवन सुखमय तरीके से कटे इसका ख्याल रखने का कार्य राज्य सरकार ने किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी लोग देख रहे हैं कि पूरे देश में सरकारी कर्मी पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने के लिए आंदोलनरत हैं। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

यूनिवर्सल पेंशन लागू करनेवाला झारखंड पहला राज्य

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन योजना से जुड़नेवाले पात्र लोगों के लिए यूनिवर्सल पेंशन योजना लागू करने का काम हमारी सरकार ने किया है। झारखंड देश का पहला राज्य है जहां सर्वजन पेंशन योजना लागू की गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था वर्तमान में कैसी है यह हम सभी लोग देख रहे हैं। राज्य में कर्मचारी, आम जनता, किसान, मजदूर, चाहे व्यापारी सभी वर्ग के भविष्य की चिंता हमारी सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सरकार गठन के बाद ही वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण ने सभी को काफी डराया। सीमित संसाधनों के बावजूद हमारी सरकार ने कोरोना काल में जो कार्य कर दिखाया वह पूरे देश के लिए मिसाल रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में सरकार ने जो काम किया उसका श्रेय सिर्फ सरकार को ही नहीं बल्कि आप सभी कर्मियों को भी जाता है। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

नाबालिग लड़की से रेप, फिर पेड़ से लटकती मिली लाश, आरोपी गिरफ्तार

दुमका। झारखंड के दुमका में अंकिता हत्याकांड को लेकर बवाल अभी थमा भी नहीं था, इसी बीच एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। 14 साल की आदिवासी लड़की की पेड़ से लटकती लाश मिली है। जानकारी के मुताबिक, अरमान अंसारी नाम के शख्स पर यौन शोषण के बाद नाबालिग की हत्या कर पेड़ से लटकाने के आरोप लगे हैं। घटना सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं, सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच तेज कर दी है। आरोपी अरमान अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है। आरोप है कि गिरफ्तार अरमान अंसारी ने पहले नाबालिग का यौन शोषण किया, उसके बाद उसकी हत्या कर दी। मृतका चार महीने की गर्भवती बताई जा रही। वहीं, आरोपी अरमान अंसारी राज मिस्त्री का काम करता है। पुलिस के मुताबिक, सिदो-कान्हू विश्वविद्यालय दिग्घी थाना इलाके से किशोरी का पेड़ से लटकता शव मिला है। किशोरी की उम्र 14 साल के आसपास बतायी जा रही है। आरोपी अरमान अंसारी को गिरफ्तार किया जा चुका है और उससे आगे की पूछताछ की जा रही है। सनसनीखेज कांड को लेकर घमासान तेज : वहीं, दुमका में इस सन्न कर देनेवाले मामले के बाद विपक्षी पार्टी बीजेपी ने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर पलटवार किया है। बाबूलाल मरांडी ने एक के बाद एक कई ट्वीट करके दुमका की घटना पर हेमंत सरकार को घेरा है। उन्होंने ट्वीट में लिखा, दुमका से यह खबर खून खौला देनेवाली है। आरोप है कि आदिवासी युवती को अरमान अंसारी नाम के युवक ने बलात्कार के बाद हत्या कर पेड़ पर लटका दिया है? अरमान की गिरफ्तारी हो गयी है, और कितनी आदिवासी युवतियां ऐसे दरिंदों का शिकार होगी झारखंड में? वहीं, अगले ट्वीट में बाबूलाल मरांडी ने लिखा, जेहादी एक संताल आदिवासी लड़की का रेप कर लाश लटका गये वो भी दुमका में ही.. किसको बचा रहे हैं आप हेमंत सोरेन शर्म करिये। आप और आपकी पुलिस जितना भी छुपा लें, हम इंसाफ दिलायेंगे।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार को लेकर कार्यशाला आयोजित

सतत कार्य करने से विकास के सभी प्रक्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति की ओर बढ़ा जा सकता है : निदेशक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को पंचायती राज विभाग के केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, हेहल, रांची में संशोधित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2023 के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पंचायती राज निदेशालय की निदेशक राजेश्वरी बी ने सतत विकास के लक्ष्यों के स्थानीयकरण के तहत चिह्नित नौ विषयों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। सभी प्रतिभागियों से जिला स्तर, प्रखंड स्तर, ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायतों पुरस्कारों के आंकड़ों को ससमय प्रविष्टि कराने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन

दिया। उन्होंने बताया कि सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के तहत चिह्नित नौ विषयों पर सतत कार्य करने से विकास के सभी प्रक्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति की ओर बढ़ा जा सकता है। साथ ही ग्राम पंचायतों द्वारा सम्पादित अच्छे कार्यों एवं उपलब्धियों से राज्य एवं देश के अन्य सहभागियों के साथ साझा किया जा सकता है। यह हमें अपने कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर दिखाने का अवसर प्रदान करता है, जिससे राज्य का नाम रौशन हो सकता है। बता दें कि पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों को राष्ट्रीय पंचायत ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

एससी-एसटी आयोग के उपाध्यक्ष व पूर्व मंत्री पहुंचे मुरूमातु

कानून को हाथ में लेने का किसी को अधिकार नहीं : हलधर

नवीन मेल संवाददाता

पांडू। पलामू में एससी-एसटी आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण हलधर एवं पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी ने शनिवार को मुरूमातु पहुंचकर विवादित स्थल का निरीक्षण किया। वहीं पुराने भवन में रह रहे पीड़ित मुसहर परिवार में मिलकर घटना की पूरी जानकारी ली। मौके पर अरुण हलधर ने कहा कि इस देश में कानून को हाथ में लेना का किसी को अधिकार नहीं है। मुरुमातु में घटित घटना काफी शर्मनाक है। जिले के आला प्रशासनिक पदाधिकारियों को आरोपी ग्रामीणों ने कैसे भगाया यह सोचनीय विषय है। एससी - एसटी आयोग कभी भी गरीब परिवार का शोषण नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि किसी भी वर्ग या जाति के लोग हों उन्हें न्याय मिलनी चाहिए। वहीं इस घटना में झारखंड के पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि मुरुमातु में मुसहर परिवार के साथ घटित घटना शर्मशार करने वाली है। यह घटना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं है। उन्होंने घटना की जानकारी लेने के बाद कहा कि गरीब व असहाय होने के कारण दबंग समुदायों के लोगों ने इस कमजोर परिवार के घर को ध्वस्त कर बेघर कर दिया और यहां की प्रशासन मूकदर्शक बनी रही। उन्होंने कहा कि तत्काल विस्थापित मुसहर ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मुरुमातु में ही मुसहर परिवार को बसाया जायेगा : अमर बाउरी

विशेष सत्र में कई अहम मुद्दों पर सदन में होगी चर्चा : आलमगीर आलम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि पांच सितम्बर को झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। इसमें सरकार बहुमत साबित करेगी और राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा के साथ कई अहम फैसले लिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ नेताओं के द्वारा ट्वीट कर अजीब-अजीब तरह की बातों को उछाल दिया जाता है। इससे राज्य में उहापोह की स्थिति बनी हुई है। सरकार के प्रति राजभवन का रवैया भी ठीक नहीं है। यूपीए का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला तो, उन्होंने 4-5 दिन में मामला शॉट आउट करने की बात कही। इसलिए अब हमलोग विधानसभा में अपनी बात रखेंगे। आलमगीर आलम ने एयरपोर्ट पर यह बातें कही। वह दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को महंगाई के खिलाफ होनेवाले प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना हो रहे थे। आलमगीर के साथ दिल्ली जा रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि प्रदेश में राजनीति बहुत घिनौना हो गया है। राजनीति में लंघी मारी जाती है, लेकिन यहां तो संवैधानिक संस्थाओं को एक्सपोज कर प्रेशर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान के पांचवें शिड्यूल के तहत झारखंड के राज्यपाल को विशेष अधिकार मिले हैं, लेकिन इस पूरे प्रकरण पर राज्यपाल का रुख बेहद दुखद है।

स्मार्ट सिटी में घर तोड़े जाने की स्थानीय लोगों ने दी जानकारी, सीएम ने कहा

25 परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था तक नहीं टूटेगा घर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची स्मार्ट सिटी क्षेत्र के मूसा टोली निवासी सुहानी सांगा एवं डेविड आइंद ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री को सुहानी सांगा एवं डेविड आइंद ने रांची प्रशासन द्वारा उनके मूसा टोली स्थित घर को ध्वस्त कर दिये जाने की पूरी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार की समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए उन्हें तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराये जाने का भरोसा दिया। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि मूसा टोली में निवास करनेवाले अन्य 25 घरों को फिलहाल ध्वस्त नहीं किया जायेगा जब तक उन 25 परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था नहीं होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होने देगी। मौके पर पीड़ित परिवार के अन्य सदस्य सहित झारखंड मुक्ति मोर्चा रांची जिला समिति के अध्यक्ष मुस्ताक आलम, सचिव डॉ. हेमलाल कुमार मेहता, उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, सदस्य विनय लिंडा एवं दीपक मुंडा उपस्थित थे।

बॉडीगार्ड की हत्या और हथियार लूट मामले में एनआईए ने तेज की जांच

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भाजपा के पूर्व विधायक गुरुचरण नायक के दो बॉडीगार्ड की हत्या और हथियार लूटने के मामले की जांच तेज कर दी है। इस घटना में शामिल चार नक्सलियों से शनिवार को पूछताछ की गयी। एनआईए रांची ब्रांच शैलेंद्र बहांदा, पुसा लुगून, प्रधान कोडाह और किस्मत कोडाह को कस्टडी में लेकर पूछताछ कर रही है। एनआईए ने इस मामले को टेकओवर करते हुए कांड संख्या आरसी 03/2022 दर्ज किया था। एनआईए ने इस मामले को टेकओवर करते हुए एक करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा, रघु, अश्विन, चंदन, मोछू, सुशांत, सागेन, कांडे होनहागा और सोनाराम होनहागा सहित अन्य पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एनआईए के इंस्पेक्टर सचिता नंद इस मामले की जांच कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बीते चार जनवरी की शाम करीब 6.15 बजे पश्चिमी सिंहभूम के झीलरुआ हाई स्कूल मैदान में खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान नक्सलियों ने पूर्व विधायक गुरुचरण नायक पर हमला कर दिया था। पूर्व विधायक भीड़ में शामिल होकर जान बचायी थी। नक्सलियों ने मैदान में मौजूद पूर्व विधायक के ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

अल्जाइमर से बचाव के लिए खायें पत्ते वाली सब्जी

सूखे मेवे और जामुन भी खायें, टहलने के साथ कसरत व योग भी करें

- आरपी सिंह

नयी दिल्ली। उम्र बढ़ने के साथ लोग भूलने लगते हैं, हाथ-पांव कांपने लगते हैं। यह अल्जाइमर रोग के कारण होता है। धीरे-धीरे यह समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग अपने जरूरी काम भी भूल जाते हैं। इस अल्जाइमर बीमारी में दिमाग की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। इस कारण से चीजों को याद रखना रखना मुश्किल हो जाता है। सिर की चोट, मधुमेह, अनियमित जीवनशैली, खान-पान को भी इस बीमारी का कारण माना जाता है। अब तक इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं है। पर यदि इस बीमारी से पीड़ित मरीज अपने खान-पान, जीवन चर्या का ध्यान रखें, तो कुछ हद तक इस बीमारी को ठीक किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अल्जाइमर के मरीजों में

कई तरह के लक्षण दिखने लगते हैं। जिसमें लक्षणों में याददाश्त में कमी, महत्वपूर्ण चीजों को भूल जाना, किसी समस्या को हल करने में परेशानी, मूड में बदलाव और बोलने और लिखने में कठिनाई महसूस होना शामिल है।

इस बीमारी में क्या खायें : -

हरी व पत्ते वाली सब्जियां : बढ़ती उम्र में हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसी तरह हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन भी अल्जाइमर के मरीजों के लिए फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि, इस तरह की सब्जियों में प्रोटीन, विटामिन और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं। ऐसा करने से दिमागी सेहत में सुधार होता है और अल्जाइमर का खतरा भी कम होता है।

सूखे मेवे : याददाश्त बढ़ाने के लिए सूखे मेवों का सेवन जरूरी माना जाता है। विशेषकर बादाम व अखरोट का सेवन दिमाग को एक्टिव रखने के साथ-साथ याददाश्त बढ़ाने में भी मदद करता है। इसलिए अल्जाइमर के मरीजों को रोजाना इन दो सूखे मेवों का सेवन करना चाहिए।

जामुन : जामुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान होने से बचाते हैं। इसलिए वृद्ध लोगों को जामुन खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा जामुन खाने से बढ़ती उम्र में याददाश्त कम होने पर रोक लगती है।

जीवन शैली : जो अल्जाइमर के मरीज बढ़ती ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री व सांसद निशिकांत दुबे फिर आमने-सामने

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। अपने बयानों और ट्वीट के जरिये चर्चा में रहनेवाले गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे और देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री के बीच एक बार खींचतान शुरू हो गयी है। मामला बीते 31 अगस्त की शाम का है। देवघर एयरपोर्ट पर सांसद निशिकांत दूबे, मनोज तिवारी समेत अन्य लोगों के बगैर इजाजत एटीसी बिल्डिंग में जाने का आरोप है। इस दौरान जबरन दिल्ली के लिए उड़ान

भरने से संबंधित क्लियरेंस का आरोप भी लगा है। इसको लेकर एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात अधिकारी ने सांसद समेत नौ लोगों के खिलाफ देवघर के कुंडा थाना में लिखित शिकायत दर्ज करायी है। शिकायत की कॉपी मीडिया में जारी होते ही निशिकांत दूबे ने भी देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ दिल्ली में केस दर्ज करा दिया।

फिर खिंची सांसद और देवघर डीसी के बीच तलवार : बात इतने पर ही खत्म नहीं हुई, अभी निशिकांत दूबे ट्विटर पर डीसी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ भड़ास निकाल ही रहे थे कि जिलाधिकारी भी ट्विटर वॉर में कूद गये। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के बीच खुलेआम जमकर बहस का दौर शुरू हो गया। इस दौरान सोशल मीडिया साइट पर दोनों अपना-अपना पक्ष रखते नजर आये। यहां यह जानना भी जरूरी है कि देवघर के कुंडा थाने में दर्ज करायी गयी शिकायत में सांसद निशिकांत दूबे और उनके दोनों बेटे समेत सांसद मनोज तिवारी, पायलट, एयरपोर्ट के डायरेक्टर संदीप ढींगरा समेत कुल नौ लोगों पर गैरकानूनी तरीके से जबरन एटीसी बिल्डिंग में दाखिल होकर, उड़ान भरने के लिए क्लियरेंस लेने का दवाब बनाने का आरोप लगाया गया है।

सांसद निशिकांत दूबे ने दी सफाई : इस मामले में निशिकांत दूबे ने सफाई देते हुए कहा है कि वह सांसद होने के नाते देवघर एयरपोर्ट के चैयरमैन भी हैं और मनोज तिवारी एविएशन मंत्रालय में एडवाइजरी कमेटी के सदस्य हैं। इस नाते वह नाइट लैंडिंग को लेकर जानकारी हासिल करने के मकसद से एयरपोर्ट डायरेक्टर से मुलाकात कर कुछ बातचीत करने जा रहे थे। इसी बीच उनके बेटे उनकी चप्पल हाथ में लेकर पीछे आ गये, ऐसे में उन्होंने किसी भी तरह किसी भी नियम का उलंघन नहीं किया है।

डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने भी दागे सवाल : सांसद की इस दलील पर सवालिया निशान लगते हुए ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

न्यूज गैलरी

अपनी मांगों को लेकर राजस्व निरीक्षकों ने निकाला मशाल जुलूस

गढ़वा। झारखंड राज्य राजस्व उप निरीक्षक संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर पूर्व नियोजित कार्यक्रम राजस्व निरीक्षक संघ के बैनर तले गढ़वा जिले के सभी राजस्व निरीक्षक मशाल जुलूस निकालकर 8 सूत्री मांगों को ले मशाल जुलूस निकाले राजस्व निरीक्षक संघ के गढ़वा जिला अध्यक्ष बिंदेश्वर पासवान के नेतृत्व में मशाल जुलूस शहर के टाउन हॉल से शुरू होकर रंका मोड़ तक जा कर जहां सभा में तब्दील हो गया सभा को संबोधित करते हुए बिंदेश्वर पासवान ने कहा कि सरकार राजस्व निरीक्षक के द्वारा सौतेला व्यवहार कर रही है हम सभी के 8 सूत्री मांगों पर सरकार कोई विचार नहीं कर रही है जो हम सभी के साथ धोखा है हमारी मांगे सरकार को माननी होगी इसी निमित्त आज हम सभी मशाल जुलूस निकाले हैं और अगले 8 सितंबर को उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपेंगे। मशाल जुलूस में दशरथ पासवान नथुनी राम ब्रजेन्द्र उपाध्याय अजीत दुबे दिवाकर सिंह अरविंद महली शिवम पांडे शंभू सिंह नीरज तिवारी सहित जिले के अन्य राजस्व निरीक्षक सम्मिलित थे।

बाल विकास परियोजना द्वारा के पोषण जागरूकता रैली निकाला गया

श्री बंशीधर नगर। बाल विकास परियोजना द्वारा एक सितम्बर से आगामी 30 सितम्बर तक चलने वाले पोषण माह के तहत शनिवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर से आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा पोषण रैली निकाली गई.पोषण रैली का शुभारंभ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी श्रवण राम व बाल विकास परियोजना पदाधिकारी रीना साहू ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में शामिल सेविकाएं नेनुआ,करेला खाएंगे-शरीर को स्वस्थ्य बनाएंगे, महुआ,मकई खाना है-सही पोषण पाना है आदि नारे लगा रहे थे। रैली बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर से निकलकर मुख्यमार्ग से होते हुये हनुमान मंदिर तक गया तथा पुनः बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर पहुंचकर सम्पन्न हो गया.रैली में पर्यवेक्षिका आरती कुमारी,शोभा कुमारी सहित आंगनबाड़ी सेविकाएं शामिल थीं।

वज्रपात की चपेट में आने से आदमी जनजाति के एक युवक की मौत

धुरकी। शनिवार को तेज बारिश के साथ हुई वज्रपात की चपेट में आने से आदमी जनजाति के एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक खुटीया पंचायत के चटकहवा टोला के निवासी किरण कोरवा की 20 वर्षीय पुत्र मुकेश कोरवा है। हालांकि घटना के बाद स्वजनों ने आनन-फानन में स्थानीय चिकित्सक से दिखाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। वही सूचना पर पहुंचे धुरकी थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने धटना स्थल पर पहुँच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढवा भेज दिया। वहीं घटना से मिली जानकारी के मुताबिक मुकेश कोरवा ने खाना खा कर अपने आगंन के दखिन तरफ लगे दरवाजे से खेत में पानी बाधने जा रहे थे। इसी क्रम में हुई बज्रपात के चपेट में आकर घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वही मौके पर मुखिया प्रतिनिधि इसलाम खान,उपमुखिया धिरेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी,कमलेश सिंह गोड,एक राम खान,समाज सेवी अमरेश यादव,सयाम सुंदर कोरवा,लखा प्रसाद यादव,राम प्रवेश यादव सहित सभी ग्रामीण मौजूद थे।

सैंकड़ों छात्रों ने किया हवन

भवनाथपुर(गढ़वा)। राहुल फिजिकल एकेडमी के तत्वधान में सेल ग्राउंड टाउनशिप मे शनिवार को राहुल एकेडमी में प्रशिक्षण ले रहे सैकडो छात्रो के द्वारा 08 सितम्बर 2022 को होने वाले अग्नीवीर भर्ती के लिए हवन किया गया एवं 1600 मीटर का दौड प्रतियोगीता कराया गया साथ हि बिहार के गया से आए हुए प्रशिक्षक के द्वारा छात्रो का उत्साह वर्धन करते हुए पुरस्कृत किया गया । जिसमें पुरूष वर्ग में प्रथम पुरस्कार राहुल कु0 यादव, द्वितिय दिपक पाल, तृतिय ओमप्रकाश सिंह और महिला वर्ग में प्रथम सिमल कुमारी, द्वितिय माही गुप्ता, तृतिय अंजली कुमारी रही। मौके पर निर्देशक ब्रजेश दुबे,सागर कुमार,राहुल यादव (टेनर),अभिजित सिंह,वैश खान,मनु उपाध्याय, लल्लु गुप्ता, सतिश मिश्रा, राहुल मिश्रा, रोहित यादव, रंजित पटेल, आशिष, शिव, सुमन चन्द्रवंशी, हंसराज, आजेश, लव कु0, नितिश, दिनेश सहित अन्य उपस्थित थे।

अभ्यर्थियों ने बीडीओ को आवेदन देकर मुखिया पर कार्रवाई की मांग की

केतार। प्रखंड क्षेत्र के परती कुशवानी गांव के अग्निवीर के अभ्यर्थियों ने पंचायत के मुखिया मुन्नी देवी पर अविवाहित प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करने का आरोप लगाया है। इस सम्बन्ध में रंजन कुमार, रविन्द्र कुमार, विकास बैठा, मनीष कुमार ने प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश मछुआ को आवेदन देकर करवाई की मांग किया है। अग्नि वीर अभ्यर्थियों ने कहा की मुखिया ने हमलोग को पंचायत चुनाव में उनके प्रतिद्वंद्वी दूसरे प्रत्याशी का समर्थन करने के कारण अविवाहित प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर नहीं की है। बताया की आठ सितंबर को रांची में रैली भर्ती है। मुखिया द्वारा हस्ताक्षर नहीं करने पर अविवाहित प्रमाण पत्र समय पर नहीं बन पाएगा और हमलोग भर्ती में जाने से वंचित हो जाएंगे।

दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाने को लेकर बैठक आयोजित

मंझिआंव/गढ़वा। प्रखंड क्षेत्र के बुढ़िखांड मे बजरंग क्लब नव युवक संघ बुढ़िखांड के द्वारा दुर्गा पूजा मनाने को लेकर नव निर्मित देवी मंदिर परिसर में ग्रामीणों की बैठक हुई ।बैठक की अध्यक्षता राजेश मेहता ने किया ।बैठक में दुर्गा पूजा धूम धाम से मनाने को लेकर निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा नव युवकों का मुख्य विषय था की इस वर्ष नवरात्रि के पूजा अर्चना एकम से ही प्रारंभ किया जाय लेकिन ग्रामीणों ने यह उचित निष्कर्स दिया की इस वर्ष पूजा सप्तमी से होनी चाहिए क्योकि देवी मंदिर का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है अगले वर्ष तक मंदिर का कार्य पूर्ण हो जाने के ततपश्चात दुर्गा पूजा धूम धाम एकम से होगी । पूजा के सफल संचालन के लिए दुर्गा पूजा समिति का गठन किया गया जिसमें सर्व समिति से सुधीर यादव को अध्यक्ष , सदैव पासवान को सचिव और मुन्ना चौधरी को कोषा अध्यक्ष बनाया गया। मौके पर अशोक यादव मुकेश यादव उक्त्र्ऋ प्रमोद यादव, हरिओम पासवान, नन्दलाल मेहता, प्रदीप मेहता, दीपक माली सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चिनियां में हाथियों का आतंक जारी, कई एकड़ में लगे फसलों का रौंद डाला, ग्रामीण आक्रोशित

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। प्रतिनिधि थाना थाना क्षेत्र के बेता गांव के जोरीकरम टोली में जंगली हाथियों का झुंड शुक्रवार की रात्रि जमकर उत्पात मचाया जोरीकरम टोली में रामचंद्र सिंह के खेत में लगे लगभग 20 कट्ठा मकई के फसल सफाचट करें गए। वही जोगिंदर सिंह के लगभग 20 कट्ठे में लगे मकई की फसल को भी हाथियों ने रौद दिया। विनोद सिंह के मकई तिल धान के फसल, भोला सिंह के धान-मकई, विजय सिंह के धान, मकई महावीर सिंह के धान मकई, सुदर्शन सिंह के धान, सोहर सिंह के धान, धर्मदेव सिंह के धान, बदाम सुरेश सिंह के बदाम-मकई, पूरन सिंह के मकई, किस्मतिया देवी के मकई सीताराम सिंह के मकई की फसल को जंगली हाथियों ने कई एकड़ में लगे फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है।

क्या कहते है स्थानीय ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि रात्रि लगभग 8:00 बजे ही गांव में जंगली हाथियों का झुंड पहुंच गया और रात भर गांव में किसानों का फसल बर्बाद करते रहे जंगली हाथियों द्वारा किसानों को हुए नुकसान के मामले में वनपाल अनिमेष कुमार ने बताया कि जानकारी मिली है किसानों के हुए फसलों के नुकसान के जायजा लिया जा रहा है।

सरकारी प्रावधान के अनुसार उचित मुआवजा दिया जाएगा ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों के झुंड में चार पांच बच्चे हैं और शुक्रवार की रात्रि लगभग 20 के संख्या में हाथियों को देखा गया है बताते चले कि पूर्व में लगभग आधे दर्जन हाथी थे। अब हाथियों की संख्या बढ़ गई है। वर्षा सही नहीं होने कारण कुछ-कुछ खेतों में सिर्फ मकई के फसल ही लगे थे। जिसे हाथियों द्वारा बर्बाद किया जा रहा है किसानों को दोहरा नुकसान हो रहा है। एक तरफ तो वर्षा नहीं हुई इधर जंगली हाथियों फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बताते चलें कि पिछले 15 दिनों से क्षेत्र के चिनिया चिरका विलैतीखैर बेता सीदे पाल्हे तहले के क्षेत्रों में जंगली हाथियों का आतंक जारी है। ग्रामीणों मे भारी आक्रोश है। वन विभाग से जंगली हाथी को भगाने की मांग की है 15 दिनों में जंगली हाथियों का झुंड किसानों के कई लाख रुपए के फसलों को नुकसान पहुंचा चुके हैं। रात्रि में जंगली हाथी गांव में पहुंच जा रहे हैं और सुबह होते ही जंगल की ओर चले जाते हैं।

मझियां मोड़ के समीप अतिक्रमण किये गये तीन घरों को किया ध्वस्त

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। शहर में नदियों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से चल रहे अभियान के दूसरे दिन मझियां मोड़ समीप तीन घर को ध्वस्त किया वहीं तीन लोग खुद से अतिक्रमण हटाया। अतिक्रमण हटाने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम देखा गया। सीओ मयंक भूषण ने बताया कि अभियान के पहले दिन चार घर को ध्वस्त किया गया था। दूसरे दिन भी करीब आधा दर्जन घर को ध्वस्त किया गया है आज तीसरा दिन अतिक्रमण हटाया गया है। उन्होंने कहा कि सरस्वती नदी में काफी लोगों ने अपना अतिक्रमण किया है, वैसे सभी लोगों को चिन्हित कर उन्हें नोटिस भेजा गया है, कुछ लोग खुद से अतिक्रमण हटा भी रहे हैं, लेकिन कुछ लोग प्रशासन के निर्देश का पालन नहीं कर रहे हैं। वैसे लोगों पर बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिनका भी घर अतिक्रमण में है और वे खुद से नहीं हटाते हैं तो प्रशासन बलपूर्वक अतिक्रमण को हटाया जायेगा और हटाने में लगे खर्च को भी संबंधित लोगों से लिया जायेगा। मौके पर राजस्व कर्मचारी संदीप गुप्ता अंचल अमीन शुक्रण सिंह, कृष्ण कुमार सहित पुलिस बल तैनात थे।

पुरानी पेंशन लागू होने पर शिक्षकों में हर्ष व्याप्त, सीएम के प्रति जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

मंझिआंव ।गढ़वा। झारखंड के मौजूदा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा विधानसभा में जनहित से जुड़ी कई अहम घोषणाएं किया गया। जिसमें सभी अन्य घोषणाओं में से सर्वोत्तम पुराना पेंशन लागू झारखंड के सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं शिक्षकों के लिए सर्वोपरि है। गौरतलब है की आखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद उमेश मिश्रा, रामप्रवेश राम, के सैकड़ों सदस्यों ने शिक्षकों के पुराना पेंशन लागू होने के अवसर पर प्रखंड कार्यालय सभागार कक्ष में खुशी का इजहार किया। वहीं शिक्षकों को पुराना पेंशन लागू होने पर खुशी का संचार उमड़ पड़ा। प्रखंड कार्यालय सभागार कक्ष में खुशी का इजहार करते हुए शिक्षकों ने एक दूसरे को मिठाइयां खिलाई एवं गले मिले। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद ने कहा कि झारखंड के वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने मेनिफेस्टो में चुनाव के दौरान किए गए वादे पर खरा उतरे। हम सभी शिक्षक संघ उनका आभार व्यक्त करते हैं। वही सभी शिक्षकों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी नीतीश कुमार भास्कर एवं अंचलाधिकारी रामजी प्रसाद गुप्ता को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। वही दोनों प्रखंड के आला अधिकारियों ने पेंशन से लाभान्वित सभी शिक्षकों एवं अन्य कर्मियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दिया।

ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष ने खरौंधी प्रमुख पर लगाये कई गंभीर आरोप

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर(गढ़वा)। शनिवार को झारखंड ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष गोरखनाथ चौधरी ने एक प्रेस वार्ता आयोजित किया। प्रेस वार्ता में गोरखनाथ चौधरी जी ने कहा कि खरौंधी प्रमुख आभा रानी अनावश्यक खरौंधी प्रखंड विकास पदाधिकारी गणेश महतो को प्रताड़ित कर रही है। आभा रानी पिछड़ा विरोधी मानसिकता की है। जबसे प्रमुख बनी है खरौंधी प्रखंड विकास पदाधिकारी गणेश महतो सहित अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों के साथ इनका व्यवहार अच्छा नहीं रहता है। हमेशा पिछड़े वर्ग के लोगों को प्रताड़ित करती रहती हैं ।प्रखंड को अपने मर्जी से चलाना चाहती हैं। बात नहीं मानने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देती हैं। शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी के कार्यालय में घुसकर बीडीओ गणेश महतो को देख लेने एवं हरिजन एक्ट में फंसाने की धमकी दी हैं । अगर मेरा बात नहीं माने तो हम हरिजन हैं हरिजन एक्ट में फंसा देंगे। ऐसी मानसिकता की प्रमुख क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए हानिकारक है। झारखंड ओबीसी मोर्चा सरकार से मांग करती है की इनकी सदस्यता रद्द करते हुए इनके ऊपर उचित कार्रवाई की जाए।अन्यथा पूरे पिछड़ा समाज को गोलबंद कर झारखंड ओबीसी मोर्चा इनके विरुद्ध उग्र आंदोलन करने को विवश होगा। मौके पर जयप्रकाश गुप्ता, मनोज कुमार चौधरी, अजय कुमार पटेल, मिथिलेश कुमार राम, रामपति बैठा,शंकर चौधरी, प्रहलाद चौधरी, उप मुखिया ग्राम पंचायत कूपा सूर्य देव चौधरी, चमन चौधरी, जीमल चौधरी आदि लोग मौजूद थे।

गुणवत्तापूर्ण योजनाओं को धरातल पर उतारने का दिया गया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। मझिआंव नगर पंचायत कार्यालय में कार्यपालक पदाधिकारी निकिता बाला की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में नाली एवं पीसीसी पथ निर्माण करने का निर्णय लिया गया। जबकि बाजार स्थित मुख्य सड़क के बगल में राजकीय मध्य विद्यालय से लेकर बैलगाड़ी घाट तक नाला निर्माण कराने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग को नगर पंचायत कार्यालय के द्वारा पत्राचार करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी निकिता बाला ने संबंधित योजनाओं के अधिकारियों एवं कर्मियों को गुणवत्तापूर्ण योजनाओं को धरातल पर उतारने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को बिजली, नाली एवं पहुंच पथ जैसे अन्य मूलभूत समस्याओं की निदान करने का प्रयास किया जा रहा है.अब सुविधाओं के लिए नगर पंचायत कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा.क्योंकि मैं अपने टीमों के साथ नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में डोर टू डोर जाकर मूलभूत जन समस्याओं से खुद अवगत हो रही हूं, ताकि प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं को क्रमबद्ध तरीके से निर्माण किया जा सके। अंत में उन्होंने कार्यालय कर्मियों को अपने कार्यशैली में सुधार लाने का निर्देश दिया और कहा की विकास कार्यों में पूरी ईमानदारी के साथ सहयोग करें। साथ ही होल्डिंग टैक्स की वसूली मे तेजी लाने को कहा। बैठक में मुख्य रूप से नगर मिशन प्रबंधक कौशल कुमार ठाकुर, सीएलटीसी संजय कुमार विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

केतार में मनरेगा योजना बेअसर, विभिन्न गांवों से काम की खोज में पलायन करने को विवश मजदूर

नवीन मेल संवाददाता

प्रतीकात्मक फोटो

केतार। ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार दिलाने के लिए केन्द्र सरकार ने महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा)लागू की है। ताकि गांव के मजदूरों को गांव में ही काम मिले और वो पलायन नहीं करें ।लेकिन यह योजना केतार प्रखंड क्षेत्र में पुरी तरह फेल होती दिख रही है। इस कारण इलाके से मजदूरों का पलायन नियती बन गई है। केतार प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में लोग रोजगार की तलाश में बड़े शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं ।विदित हो की मनरेगा योजना से मनरेगा मजदूरों को एक वर्ष में 100 दिन का रोजगार दिलाना है रोजगार नहीं देने पर रोजगार भत्ता देने का प्रवधान है। वावजूद प्रखंड क्षेत्र में आम बागवानी और कुछ सिंचाई कुप योजना को छोड़कर बाकी योजनाओं को बंद कर दिया गया है। प्रखंड में अन्य योजनाएं संचालित नहीं होने से मनरेगा मजदूर बेरोजगार हो गए हैं ।प्रखंड के लोहरगाडा, परसोडीह, मुकुन्दपुर, केतार, बलीगढ़, परती कुशवानी और पाचाडुमर पंचायत के विभिन्न गांवों के सैकड़ों मजदूर प्रति दिन काम की तलाश में दिल्ली, हरियाणा,हैदराबाद, चेन्नई, पुणे जैसे बड़े शहरों की ओर रूख कर रहे हैं ।पलायन कर रहे मजदूरों का कहना है की इस वर्ष वर्षा के अभाव में खेती भी नहीं हो सका है, क्षेत्र में सुखाड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसलिए हम सब बाहर मजदुरी करने जा रहे हैं ताकि अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें। इस सम्बन्ध में बीडीओ मुकेश मछुआ ने कहा की पलायन रोकने के लिए फिलहाल मनरेगा से टीसीबी, मेडबंदी, सिंचाई कुप योजना संचालित कर अधिक से अधिक मजदूरों को जोड़ा जा रहा है। ताकि उन्हें पलायन करने से रोका जा सकें, मजदूरों द्वारा काम कि मांग करने पर उन्हें काम से जोड़ा जा रहा है।

कुंबा पंचायत सचिवालय में किया गया आयुष चौपाल का आयोजन

नवीन मेत संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड के कुम्बा पंचायत सचिवालय में राजकीय आयुर्वेद औषधालय के तत्वाधान मे आयुष चौपाल का आयोजन किया गया। आयुष चौपाल का शुभारंभ आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रामानुज प्रसाद, विपेश राजतामंग, योग प्रशिक्षक शशि कुमार चौधरी, प्रियंका द्विवेदी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रामानुज प्रसाद ने ग्रामीणों के बीच बिरसा जीवन आयुष कीट एवं योगा पुस्तक का वितरण गया। मौके पर डॉ रामानुज प्रसाद ने चौपाल से संबंधित आयुष के सभी पद्धति को जैसे आयुर्वेद, होम्योपैथ, यूनानी, योगा तथा सिद्धा के सम्बंध में उपस्थित लोगों को विस्तार से जानकारी दिया। उन्होंने लोगों को बिना दवा के स्वस्थ्य रहने की भी जानकारी दी। योग प्रशिक्षक शशि कुमार ने योग प्राणायाम, व्यायाम के द्वारा आजीवन रूप से रोगों से दूर कैसे रहे कि जानकारी दिया गया.आयुष चौपाल में पंचायत के मुखिया विवेक कुमार, उप मुखिया मुकेश चौधरी,महावीर चौधरी, सुरेश प्रसाद यादव,संजीत कुमार, सहिया, योग प्रशिक्षक, शशि कुमार, विपेशराज तामंग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मारपीट के आरोपी सहयोगी शिक्षक को पुलिस ने भेज जेल

भवनाथपुर। पुलिस ने मारपीट के आरोपि सहयोगी शिक्षक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी थाना क्षेत्र के अरसली निवासी मनोज कुमार हैं। एसई अभिमन्यु सिंह ने बताया कि आरोपि को 341, 423, 354इ, 307, 34 भादवी के तहत गिरफ़्तारी की गई है। अपनी भाभी, भतीजी, के साथ मारपीर का मामला दर्ज था। जिस के तहत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मुखिया मुंगा साह ने श्राद्धकर्म के लिए किया सहयोग

केतार। प्रखंड क्षेत्र के मुकुन्दपुर पंचायत के मुखिया मुंगा साह ने शनिवार को सिंहपुर गांव निवासी मृतक फिरंगी चंद्रवंशी के घर पहुंच कर उनके मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। मृतक के परिजनों से मुलाकात कर इस दु:ख की घड़ी से उबरने के लिए ढांढस बढ़ाया। मुखिया ने मृतक का श्राद्ध कर्म करने के लिए उनके परिजनों को 50 किलो आटा और 1100 रू नकद राशि देकर सहयोग किया ।इस अवसर पर मुखिया ने कहा की पंचायत वासियों के दु:ख सुख में हमेशा से शामिल रहते हैं और सहयोग भी करते हैं। मौके पर वार्ड सदस्य संतोष पासवान, शम्भु साह, कृष्णा साह, मणिलाल गुप्ता, संतोष कमलापुरी, अंकित कुमार, नितिश भारद्वाज सहित अन्य लोग मौजूद थे।

प्रदेश अध्यक्ष ने अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा गढ़वा ईकाई की घोषणा की

एकजुटता से ही समाज का विकास संभव हैं: कमलेश पाठक

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा । अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा) के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश पाठक ने गढ़वा इकाई की घोषणा की है। उन्होंने सदर प्रखंड के दुबे मरहटिया गांव निवासी मनोज तिवारी को अध्यक्ष, विशुनपुर मोहल्ला निवासी ब्रजेंद्र पाठक को जिल प्रभारी और नवादा गांव निवासी राजीव भारद्वाज को जिला सचिव बनाया है। साथ ही जल्द ही कमेटी का विस्तार करने का निर्देश जिला कमेटी को दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को शहर के विशुनपुर मोहल्ला निवासी ब्रजेंद्र पाठक के आवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि एकजुटता से ही समाज का विकास संभव हैं। वर्तमान समय में जिस तरीके से ब्राह्मणों को उपेक्षित किया जा रहा है। इसे गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। वर्तमान परिवेश में बिना एकजुट हुए अपने हक व अधिकार को नहीं प्राप्त किया जा सकता है।

सरकार से ब्राह्मण एक्ट लाने की होगी मांग: पाठक

उन्होंने कहा कि देश के जिस क्षेत्र में ब्राह्मणों की आबादी कम हैं वहां के ब्राह्मणों को प्रताड़ित किया जाता है। सरकार से मांग करेंगे कि ऐसे क्षेत्रों के लिए ब्राह्मण एक्ट लाया जाए। ताकि वे अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जिस राजनीतिक पार्टी के लोग ब्राह्मण हित में कार्य करेंगे। समाज की ओर से उन्हें ही सहयोग किया जाएगा। साथ ही उन्होंने राज्यपाल व मुख्यमंत्री के समक्ष सात सूत्री मांग पत्र सौंपने की भी बात कही है। जिसमें अविलंब सवर्ण आयोग का गठन करने, गरीबी रेखा वाले सवर्ण को शिक्षा से लेकर नौकरी तक 15 प्रतिशत आरक्षण देने, झारखंड राज्य के सभी जिला में संस्कृत विद्यालय खोलने व प्राचर्य की नियुक्ति करने, गरीब सवर्ण के बच्चों को भी अन्य जातियों के बच्चों की तरह सरकारी सुविधा मुहैया कराने, झारखंड के सभी मंदिरों को चिह्नित कर पुजारी को सरकारी वेतन देने, एससी एसटी एक्ट में बदलाव करते हुए सही साक्ष्य मिलने पर ही प्राथमिकी दर्ज करने व गिरफ्तारी करने की कानून लागू करने और अन्य पर्व-त्योहार की तरह झारखंड में भी परशुराम जयंती के अवसर पर दो दिन की सरकारी छुट्?टी की घोषणा करने जैसी मांगें शामिल है। पत्रकार वार्ता में महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद तिवारी, आनंद मोहन तिवारी, अवनेंद्र मिश्रा, यशवंत मिश्रा, आलोक त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि महासभा के बैनर तले जिला से लेकर राज्य तक व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों को संगठित करने का कार्य किया जाएगा। बिखराव को एकजुटता में बदलने के लिए कमेटी के लोग दिन रात एक कर देंगे। संगठन के सिद्धांतों को समाज के लोगों को बताने का काम करेंगे। वहीं अमीरी व गरीबी सहित अन्य भेदभाव को भी दूर करने का प्रयास किया जाएगा। गरीब ब्राह्मणों को सहयोग करने का काम किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

मेदिनीनगर। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, मेदिनीनगर के प्रांगण में शनिवार को बच्चों के द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ० एके सिंह ने दीप प्रज्वलित कर डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।। मौके पर प्राचार्य ने विद्यालय के सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी । विद्यालय के प्राचार्य डॉ० एके सिंह ने विद्यालय के सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से हम अपने राष्ट्र का भविष्य बेहतर बना सकते है। तत्पश्चात शिक्षक दिवस के इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गए। सर्वप्रथम वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों की भूमिका में प्रथम एवं द्वितीय कालांश तक कक्षा संचालन हुआ। तत्पश्चात प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कक्षा के छात्र व छात्राओं के द्वारा मनोहर नृत्य, गीत, हिन्दी एवं अंग्रेजी में शैक्षणिक विषय पर भाषण दिया। इस अवसर पर एक संदेश प्रस्तुत करने वाला नाटक भी प्रस्तुत किया गया। शिक्षकों के लिए कुर्सी दौड़, मिमिकरी (अनुहरण) एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अन्त में प्राचार्य एवं शिक्षकों के द्वारा केक काटकर समस्त विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक तथा शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

झामुमो ने कहा-महादलित परिवार के साथ अन्याय नहीं होगा

मेदिनीनगर । पांडू के मुरुमातू गांव में जेएमएम कार्यकर्ता शुक्रवार को जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा के नेतृत्व में पहुंचे और दोनों पक्षों से मुलाकात की। जिलाध्यक्ष सिन्हा ने कहा कि इस घटना पर झामुमो की नजर है। किसी के साथ गलत नहीं होगा। सरकार सभी पक्षों के साथ न्याय करेगी। झामुमो ने प्रशासन से महादलित समाज की मदद का आग्रह किया था। इसपर सभी परिवारों को 2 डिसमिल जमीन, पच्चीस हजार रुपए व खाद्य सामग्री की मदद दी गई है। यह पूरी तरह से जमीन विवाद का मामला है। कम्युनल या अन्य विवाद नहीं है। प्रशासनिक तंत्र मामले की जांच कर रहा है। जल्द ही महादलितों को सम्मान के साथ बसाया जाएगा और रोजगार की व्यवस्था की जायेगी। राज्य में भाजपा अपराध का भी राजनीतिकरण कर लोगों को आपस में लड़वाना चाहती है।

विरोधी दल के बहकावे में नहीं आयें, माहौल बिगड़ने नहीं देंगे :ददई

पांडू। प्रखंड अंतर्गत मुरुमातू में सोमवार को महादलित परिवार पर हुए अत्याचार की घटना पर थाना में शरण लिए उजड़े मुसहर परिवार से शुक्रवार अपराह्न पूर्व मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चंद्रशेखर दूबे उर्फ ददई दुबे मिले। इसके बाद उजाड़े गए मुरुमातू स्थल का भी जायजा लिया। पूर्व मंत्री ददई दूबे ने महादलित परिवारों को विरोधी पार्टी के नेताओं के चक्कर में नहीं आने की नसीहत दी। कहा कि राज्य में हमारी सरकार है। सरकार बहुत जल्द आप लोगों के लिए सरकारी जमीन उपलब्ध कराकर स्थाई आवास बनाकर उसमें बसायेगी। साथ ही आधार कार्ड, राशन कार्ड एवं वोटर कार्ड आदि जल्द बनाकर उन्हें दिया जायेगा। इसी क्रम में ददई दूबे ने मुरुमातु बस्ती में महादलित परिवार के उजाड़ने के आरोपी विशेष समुदाय से भी मिले। ददई दूबे ने मुरुमातू के अल्पसंख्यक परिवार को संबल देते हुए जोर देकर कहा कि उनके साथ वह खड़े हैं। कोई उनका बिना किसी कसूर के कुछ भी बिगाड़ नहीं सकता है। यदि महादलित परिवार के पास इस भूखंड का कागजात है तो निश्चित रूप से उनके साथ अन्याय हुआ है।

सोलर युक्त बिजली के सहारे मोबाइल चार्ज करने की शुरूआत की

मेदिनीनगर। नावा बाजार प्रखंड क्षेत्र के सोहदाग पंचायत स्थित राजदिरिया मल्लाह टोला में शनिवार को लगभग एक दर्जन युवकों ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय के समीप सोलर युक्त जल मीनार के सहारे अपना मोबाइल चार्ज करते दिखे। सूत्रों के अनुसार युवकों ने बताया कि बिजली बिल बकाया होने के कारण राजदिरिया मल्लाह टोला में बिजली विभाग द्वारा आईटीआई के पास बिजली तार को उतार दिया गया है। जिससे हम लोगों को मोबाइल चार्ज करने में परेशानी हो रही है । मोबाइल चार्ज करने के लिए हम लोग सोलर प्लेट युक्त से अपना मोबाइल चार्ज कर रहे हैं।

मुरूमातू की घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश:रुचिर

मेदनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रुचिर कुमार तिवारी ने भाजपा नेताओं के द्वारा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश के मुरुमातू की घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। जिसकी हम घोर निंदा करते हैं। भाजपा के नेता दीपक प्रकाश ने कहा कि घटना स्थल की उक्त जमीन पर मंदिर बनेगा । जबकि मंदिर से ज्यादा जरूरी उस जगह पर दलितों का घर बनना है । गरीब का एक घर भी छोटा सा आशियाना भी मंदिर के समान ही होता है। जिसमें वह रह कर अपना जीवन यापन करता है और उसमें पूजा पाठ भी करता है। अगर भाजपा के प्रदेश नेतृत्व और जिला नेतृत्व दलितों के प्रति इतने ही मेहरबान हैं । दलितों की तनिक भी चिंता उन पर है तो वह उसी जगह पर दलितों को प्रधानमंत्री आवास बना कर दें । वरना दलित का नाम लेकर सांप्रदायिक रंग देकर अपना राजनीति की रोटी सेकना बंद करें। क्योंकि ये वही लोग हैं जो कभी दलितों के मंदिर प्रवेश करने के बाद भी शुद्धीकरण किया करते थे।

जिला परिषद ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

मेदिनीनगर। जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह ने शनिवार को अपने जनप्रतिनिधियों के साथ पाटन सरकारी अस्पताल का अचौक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि अस्पताल में कोई भी चिकित्सक उपस्थित नहीं थे। ग्रामीण क्षेत्र के महिला,पुरुष,बच्चे इलाज के लिए इधर उधर भटक रहे थे। और अपने इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल जाने की तैयारी कर रहे थे।अस्पताल में मात्र एक स्टाफ था । जिसके भरोसे पूरे पाटन प्रखंड से आये लोगों का इलाज हो रहा था। अस्पताल में दवा की घोर कमी है। मौके पर उपस्थित संग्राम सिंह ने बताया कि पाटन अस्पताल का मुद्दा वे 7 अगस्त को ज़िला परिषद की बैठक में उठा चुके है। इसके बावजूद कोई करवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसी लापरवाही के चलते लोगों को छोटी से छोटी बीमारी के लिए लोगों को मेदिनीनगर अस्पताल जाना पड़ता है।

पलामू के मौसम में बदलाव किसानों को मिली राहत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में मौसम के मिजाज में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार जिले के कई हिस्सों में 3 और 4 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना बनी हुई है। इसके अलावा मौसम विभाग ने इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार को पलामू में सुबह से ही मौसम में बदलाव देखा गया। हल्की बारिश हुई और शाम को फिर बारिश का असर रहा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगस्त के महीने में पूर्वी सिंहभूम रांची में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। जिसमें से कोल्हान में सबसे कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। हालांकि राज्य के बाकी हिस्सों में लगातार बारिश दर्ज की गई है।

आज भी बारिश की संभावना:- जिले में दिन को तेज धूप देखने को मिल रही है। लेकिन शाम होने तक मौसम में बदलाव देखने को मिलता है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में एक बार फिर से निम्न दबाव पड़ रहा है। जिसके कारण 1 सितंबर से 4 सितंबर तक पूरे राज्य में मूसलाधार बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार रांची, पलामू ,रामगढ़, बोकारो, पश्चिमी सिंहभूम, साहिबगंज, सिमडेगा, देवघर, पाकुड़, गोड्डा, गिरिडीह, गुमला, चतरा, कोडरमा, धनबाद में बादल गरजने की आशंका जताई गई। **मौसम विभाग ने किया अलर्ट :** इन इलाकों में बादल गरजने के साथ-साथ तेज बारिश होने की भी संभावना बनी हुई है। इसके अलावा वज्रपात के भी आसार देखने को मिल रहे हैं। जिसको लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है और सावधानी बरतने को कहा है। हालांकि इस बारिश से लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही किसानों को भी बारिश से धान की खेती में सुधार की उम्मीद है। मानसून के सीजन में सबसे ज्यादा धान की खेती की जाती है। वहीं, राज्य में अच्छी बारिश नहीं होने के कारण किसानों को अपनी धान की खेती बर्बाद होने का डर सता रहा था। मौसम विभाग के पूर्वानुमान ने किसानों को थोड़ी राहत दी है।

अभाविप ने जिला सम्मेलन को लेकर की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अभाविप ने अपने प्रमंडलीय कार्यालय गणपति धर्मशाला में जिला सम्मेलन की बैठक का आयोजन किया । बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक अभय वर्मा एवं संचालन जिला सह संयोजक रोहित देव ने किया। बैठक में मुख्य रूप से अभाविप झारखंड-बिहार के क्षेत्रीय संगठन मंत्री निखिल रंजन उपस्थित रहे। जिसमें विद्यार्थी परिषद की सदस्यता अभियान,सेल्फी विथ केंपस यूनिट,विद्यार्थी परिषद के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रम और जनवरी में होने वाले जिला सम्मेलन पर विशेष रूप से चर्चा की गई। निखिल रंजन ने कहा कि विद्यार्थी परिषद के पूरे वर्ष भर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करने वाला कार्यकर्ताओं का संगठन है । सदस्यता महाअभियान हमारे पूरे वर्ष की गतिविधि की कमाई होती है। सदस्यता अभियान में अधिक से अधिक छात्र समुदाय को जोड़ते हैं । उससे हमारा संगठन भी मजबूत होता है और विद्यार्थियों के बीच राष्ट्र हित और समाज हित की भावना भी प्रबल होती है। बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विनीत पांडे, निजी विश्वविद्यालय प्रादेशिक सह प्रमुख आनंद पांडे ,विभाग छात्रा प्रमुख स्नेहा गुप्ता,जिला सह संयोजक गोविंद मेहता,जिला एसएफएस सहसंयोजक सुमित पाठक,नगर मंत्री रामाशंकर पासवान, जिला सोशल मीडिया प्रमुख राजन कश्यप,जीएलए कॉलेज इकाई के अध्यक्ष अरमान पांडे ,नगर सह मंत्री अभिषेक रवि, प्रभात दुबे, नीतीश दुबे, कौशल मिश्रा, विवेक तिवारी अंकित ठाकुर, राहुल उपाध्याय,अमन जयसवाल, अभिषेक कुमार सहित ढेरों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ज्योति आईटीआई में कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। ज्योति आईटीआई कांदू मोहल्ला डालटनगंज के प्रांगण में प्लेसमेंट सेल द्वारा आगामी 7 सितंबर 2022 दिन बुधवार को प्रातः 10:00 बजे से कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन होना सुनिश्चित किया गया है। प्लेसमेंट सेल द्वारा बताया गया कि कैंपस प्लेसमेंट के लिए कैपरो मारुति लिमिटेड, अहमदाबाद, (गुजरात) का प्रतिनिधि मंडल भाग ले रहे हैं। जिनके द्वारा छात्रों को योग्यता और हुनर के आधार पर चयन किया जायेगा। इसमें आईटीआई पास आउट सभी ट्रेड के प्रशिक्षणार्थी तथा वैसे प्रशिक्षणार्थी, जो इस वर्ष परीक्षा (2020 -22) दिए हो वह भी इस प्लेसमेंट में शामिल हो सकते हैं। इसके लिए निर्धारित उम्र सीमा 18-30 वर्ष तक है। साथ ही यह भी बताया गया कि नये सत्र 2022-24 में नामांकन जारी है। इच्छुक विद्यार्थी इस संस्थान में नामांकन लेकर तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। विगत कई वर्षों से इस संस्थान द्वारा समय-समय पर अनेकों कंपनियां जैसे मारुति सुजुकी, हीरो,होंडा, टाटा मोटर्स जैसे बड़े-बड़े कंपनियों में छात्रों को नई रोजगार दिलाने का कार्य किया गया है। यह संस्थान युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए हमेशा अग्रसर है। संस्थान के सचिव ज्योति पांडे ने बताया कि हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ छात्रों को रोजगार मुहैया कराना है तथा हम आगे भी इसके लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि देश में रोजगार पाने के लिए आधुनिक तकनीकी शिक्षा का होना अनिवार्य है। तकनीकी शिक्षा ही हमारा देश का विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हाई स्कूल नियुक्ति का मिला आदेश, जल्द जारी होंगे रिजल्ट

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सहित पूरे राज्य के अभ्यर्थियों के लिए अब हाईस्कूल में शिक्षक बनने का सपना जल्द पूरा होने जा रहा है। हाई स्कूल नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा करने को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दे दी है। नियुक्ति को लेकर झारखंड सरकार ने तैयारी भी शुरू कर दी है। सीएम ने जेएसएससी के अध्यक्ष सुधीर त्रिपाठी और अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक कर इस प्रक्रिया को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। स्थानीय प्रोजेक्ट भवन में हुई बैठक में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप राज्यस्तरीय मेरिट लिस्ट बनाकर रिक्तियों को भरने का निर्देश दिया गया है। जेएसएससी की ओर से सभी विषयों में करीब 10 हजार पद रिक्त होने की बात कही गयी है। सीएम ने जेएसएससी अध्यक्ष को निर्देश दिया कि शीघ्र मेरिट लिस्ट प्रकाशित कर अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग प्रारंभ करें। गौरतलब है कि हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति मामले में दो अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए झारखंड हाइकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर एसएलपी को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में शिक्षकों की नियुक्ति को बरकरार रखने का आदेश देते हुए कहा था कि राज्य स्तर पर मेरिट लिस्ट बनाकर शिक्षकों की नियुक्ति की जाये। **पलामू में रिक्त रह गए है पद :** हाई स्कूल नीति प्रक्रिया में पूर्व में जिले के अनुसार पद निर्धारित किया गया था। जिसमें से अधिकांश पद अभी भी रिक्त है । पिछले वर्ष इतिहास नागरिक विषयों में कुल 102 विद्यार्थियों की अनुशंसा की गई थी । इसके साथ ही 34 प्राथमिक शिक्षकों के लिए आरक्षित पद था। लेकिन अंतिम परीक्षा फल जारी होने के बाद जिले में योगदान देने वाले अभ्यर्थियों की संख्या कम ही रही है।अन्य विषयों में भी योगदान देने वाले अभ्यर्थियों की संख्या पद के अनुरूप नही है। जिससे जिले में एक बार फिर से स्कूलों में शिक्षको की बहाली की जायेगी।

प्लस टू के लिए सृजित होंगे शिक्षकों के पद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राज्य गठन के बाद पूरे 510 प्लस टू स्कूलों में आवश्यकता के अनुसार जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के अलावा कुछ अन्य विषयों के शिक्षकों के पद सृजित होंगे। शिक्षकों की आवश्यकता के आकलन को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में छह सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। इसकी रिपोर्ट के आधार पर न केवल शिक्षकों के नये पद सृजित किए जाएंगे, बल्कि अनावश्यक पद खत्म भी किए जायेंगे। इस कमेटी की बैठक सात सितंबर को होगी। इसमें सभी क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशकों से अपने-अपने प्रमंडलों की रिपोर्ट लेकर आने को कहा गया है। क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक प्रत्येक स्कूलों में छात्रों का आकलन कर नये विषयों में शिक्षकों के पद सृजन तथा अप्रासंगिक विषयों में शिक्षकों के पदों को सरेंडर करने का प्रस्ताव देंगे।

अभी केवल 11 विषय में पद सृजित है:- राज्य गठन के बाद दो बार प्लस टू का परीक्षा आयोजित किया गया है। जिसमें केवल 11 विषयो के ही अभ्यर्थियों की नियुक्ति किया गया है। अब विषयों के आधार पर शिक्षकों की आवश्यकता का आकलन उक्त कमेटी द्वारा किया जायेगा। साथ ही अप्रासंगिक हो चुके अनावश्यक पदों की पहचान कर उसे सरेंडर किया जायेगा। झारखंड के कई संगठनों ने भी उर्दू, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र, आइटी, कंप्यूटर विज्ञान आदि विषयों में शिक्षकों के पद सृजन की मांग राज्य सरकार से की थी। वर्तमान में प्लस टू स्कूलों में 11 विषयों हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, भौतिकी, रसायनशास्त्र, जीव विज्ञान, गणित तथा वाणिज्य में शिक्षकों के पद सृजित हैं। **विधानसभा में उठाया गया था मामला :** बता दें कि विधानसभा के मानसून सत्र में भी जनजातीय भाषाओं और अन्य विषयों में शिक्षकों के पद नहीं होने को लेकर सवाल उठे थे। जवाब में राज्य सरकार ने कहा था कि शिक्षकों के पद सृजन के लिए विद्यालयवार माध्यमिक स्तर की कक्षाओं में नामांकित एवं अध्ययनरत छात्र छात्राओं की संख्या, उनके द्वारा चुने गए विषयों (जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं सहित), प्लस टू स्कूलों में पिछले चार शैक्षणिक वर्ष में अध्ययनरत छात्रों द्वारा चुने गए विषयों के आधार पर शिक्षकों के आवश्यकता का आकलन किया जायेगा।

दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने उदय प्रकाश

मेदिनीनगर। नावा प्रखंड मुख्यालय स्थित श्री संकट मोचन सीधी धाम महावीर मंदिर के प्रांगण में मंदिर अध्यक्ष सुरेश प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा मनाने को लेकरने बैठक बुलाई गई । जिसमें सर्वसम्मति से महावीर मंदिर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष उदय प्रकाश जयसवाल व रूपेश जायसवाल सचिव एवं पप्पू कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष सहित 25 सदस्य कमेटी का गठन किया गया । बैठक में समिति द्वारा इस वर्ष दुर्गा पूजा भव्य रूप से हर्षोउल्लास के साथ बंगाल के कारीगर द्वारा भव्य पंडाल का निर्माण, नवरात्र में दुर्गा पाठ, जल यात्रा, भव्य मूर्ति निर्माण के साथ लेडीज प्रवचन प्रवक्ता कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई है।

मुरुमातु की घटना पर राजनीत तेज,मुसहर परिवार को न्याय मिले

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुरुमातू की घटना को हेमंत सरकार की तुष्टिकरण नीति की देन बताया, कहा मुरुमातू में वर्षों से बसे महादलित परिवार को अल्पसंख्यक समुदाय के द्वारा घर उजाड़कर सभी को दूर जंगल में छोड़ देने की घटना स्थानीय थाना पुलिस और अंचल प्रशासन की मिलीभगत से हुई है। भाजपा इन सभी उजड़े महादलित परिवार को उसी जगह पर बसायेगी और उनके ध्वस्त पूजास्थल पर मंदिर बनाने का काम करेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपक प्रकाश मुरुमातू में महादलित परिवार को उजाड़कर समतल कर दी गई जमीन के अवलोकन करने और इसके बाद पांडू थाना में आश्रय लिए महादलित परिवार से उनकी आपबीती सुनने के बाद पत्रकार से बातचीत करते हुए ये बात कही। स्थानीय के साथ जिला प्रशासन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि मुरुमातू के उजड़े महादलित परिवार के दर्द को नजर अदांज कर उनकी दावेदारी को कमजोर करने के लिए पांडू का पता अंकित कर आधारकार्ड बनवाने की साजिश चल रही है। इसे भाजपा कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। पांडू के अंचल पदाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी के विरुद्ध सरकार कठोर कदम उठाए।

बसपा ने मुरूमातु घटना की निंदा की

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बसपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता ने,प्रेस बयान जारी कर कहा है कि,जिस प्रकार से पांडू प्रखंड के मुरूमातू गांव में महादलित मुसहर समुदाय के साथ जो मामला घटित हुई है । जिसके तहत उन लोगों के निवास स्थान को उजाड़ा गया घटना घटित हुई है वह अतनिंदनीय है। उसी स्थान पर प्रत्येक मुसहर परिवार को सरकारी भूमि का पट्टा देते हुए सभी सुविधाओं के साथ पूर्णतः स्थापित कराया जाये। लेकिन विडंबना यह है कि आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी विभिन्न विचारधाराओं की केंद्र व राज्यों में सरकारें आती-जाती रही है। लेकिन आजादी के बाद सरकार के ऊपर जो जिम्मेवारी नागरिकता की बोध कराने का था, जो निष्ठा पूर्वक कार्य नहीं किया गया है। जिसका परिणाम मुरूमातू में घटित घटना उदाहरण है। क्योंकि सरकार की यह जिम्मेवारी है की देश में किसी भी जाति धर्म सम्प्रदाय ,किसी स्थान पर निवास कर रहे हो , उसके अंदर आजाद भारत में नागरिकता का बोध कराना सरकार का परम कर्तव्य था। लेकिन आजादी के 75 साल बीत जाने के बाद भी महादलित समुदाय के लोग आज भी खानाबदोश के तौर पर देश में यहां से वहां भटकता हुआ अपना जीवन यापन पीढ़ी दर पीढ़ी बिता रहे हैं । जो आजाद भारत के लिए अति निंदनीय है। क्योंकि सरकार यह कार्य करने में सफल होती तो उस समुदाय के अंदर नागरिकता के बोध कराते हुए भारतीय संविधान की भावना के अनुरूप उस समुदाय विशेष को शिक्षा स्वास्थ्य से जोड़कर समाज के मुख्यधारा में स्थापित करने का कार्य सरकार नहीं कर सकी हैं। आज अगर किया गया होता तो वह समुदाय के किसी गांव के मतदाता सूची में नाम दर्ज होता।

लालबाग के पंडाल में महाप्रसाद का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय जैन मंदिर रोड के पास लालबाग के राजा के रूप में गणपति का आगमन हुआ है। खूबसूरत ठंग से पंडाल में गणपति को विराजमान किया गया है। जिसे लेकर भक्तों में गणपति दर्शन का खासा उत्साह है। पूजा पंडाल के दोनों ओर खूबसूरत विद्युत सज्जा की गयी है। पंचमुहान एवं जय भवानी संघ चौक पर तोरण द्वार लगाये गए हैं। डालटनगंज में सात दिनों तक गणपति रहेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन पलामू जिला स्वर्णकार संघ और बॉम्बे वाले के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। 2012 से गणेश पूजन का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन समिति के अध्यक्ष विजय माने (बंटी) ने बताया कि गणपति बप्पा सात दिनों तक विराजमान रहेंगे। इस दौरान उनकी हर दिन पूजा-अर्चना की जायेगी। बीते वर्ष 2012 से यह संगठन गणेश पूजा का आयोजन करता आया है। इस बार 11वां अधिवेशन है। उन्होंने बताया कि यहां के अतिरिक्त दो अन्य स्थानों पर भी दूसरे संगठन के लोग गणपति बप्पा को विराजमान कराते हैं। **वितरण होता है महाप्रसाद:-** गणेश पूजन को लेकर स्थानीय लोगों और कई दुकानदारों के सहयोग से सातों दिन महाप्रसाद का वितरण किया जाता है । समिति की ओर से प्रत्येक दिन लोगों के बीच महाप्रसाद का वितरण में सहयोग किया जाता है। महाप्रसाद लेने वालों की लंबी कतार देर रात तक लगी रहती है।आयोजन समिति मे समिति के अन्य सदस्यों में उपाध्यक्ष दिलीप सिंह, कोषाध्यक्ष सागर कुमार, महासचिव अजय ठोंबरे, सचिव संजय कोडग, पिंटू गुप्ता, रंजीत सोनी, विपिन वर्मा, सुनील ठाकुर, दिलीप सोनी, सूरज सोनी, अमित गुप्ता एवं अमोल हजारे का योगदान रहता है।

विद्यालय स्तर पर जाति प्रमाण पत्र निर्गत करना सुनिश्चित करें : उपायुक्त

शत प्रतिशत ई-केवॉइसी व लैंड रिकॉड अपडेशन कराने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे ने शनिवार को समाहरणालय के सभागार में अपर समाहर्ता व सभी सीओ के साथ बैठक कर स्कूलों में बनाये जा रहे जाति प्रमाण पत्र की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आगामी एक सप्ताह में अधिकाधिक बच्चों का जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु सभी सीओ को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता को लेकर जिले भर के स्कूलों के साथ प्रज्ञा केंद्रों को जोड़ा गया है । ऐसे में तय समय में सभी का जाति प्रमाण पत्र बनाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अंचलाधिकारी से अभियान को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की बात कही। उपायुक्त ने सीएससी मैनेजर को प्रज्ञा केंद्रों का नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने की बात कही। बैठक में उपायुक्त श्री दोड्डे ने पीएम किसान में ई-केवॉइसी की प्रखंडवार समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पाटन, लेस्लीगंज,विश्रामपुर व चैनपुर के सीओ को ई-केवॉइसी में तेजी लाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने पीएम किसान में शत प्रतिशत ई-केवॉइसी करने पर बल दिया। साथ ही सभी सीओ को किसानों का लैंड रिकॉड अपडेशन कराने की भी बात कही। इसी तरह उन्होंने म्यूटेशन के मामलों को बिना ठोस कारण के रिजेक्ट ना करने हेतु सभी अंचलाधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने सकसेशन म्यूटेशन, एनएच, परिशोधन पोर्टल में प्राप्त आवेदनों, जमींदारी बांध से संबंधित भी समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

ट्रैफिक प्रभारी ने सड़क में बने गड्ढे की मरम्मत कराई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के सदिक चौक स्थित शाहपुर रोड में सड़क पर बने गड्ढे को ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिंह और महाबीर नवयुवक दल के जेनरल अध्यक्ष जुगल किशोर चन्द्रवंशी ने सड़क की मरम्मत की। बताते चलें कि सदीक चौक से शाहपुर जाने वाले रास्ते में सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बने थें। जिसके वजह से प्रतिदिन वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर ट्रैफिक प्रभारी और जुगल किशोर के नेतृत्व में सड़क पर बने गड्ढे को मरम्मत कराने का काम किया गया। जिसके वजह से अब यातायात सुचारू रूप से संचालित हो रही है। ट्रैफिक प्रभारी ने शहर के अन्य चौक-चौराहे पर बने गड्ढों की मरम्मत कराने को कहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम और पथ निर्माण विभाग का काम भी अब ट्रैफिक को ही करना पड़ रहा है। जुगल किशोर ने नगर निगम और पथ निर्माण विभाग से रास्ते पर बने सभी गड्ढों को मरम्मति करने का आग्रह किया है।

न्यूज गैलरी

तामड़ा रोड खूंटीटोली में ट्रैक्टर पलटने से चालक हुआ गंभीर रूप से घायल

सिमडेगा। सिमडेगा सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बांगरू पंचायत के तामड़ा जाने वाली मार्ग खूंटी टोली के समीप शनिवार को अनियंत्रित होकर झाड़ सहित अन्य सामान लेकर तामड़ा की ओर आ रही एक ट्रैक्टर पूरी तरह से पलट गई लौटने के बाद चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया। जिसे स्थानीय लोगों की काफी मशक्कत के बाद उसे किसी तरह निकाल कर इलाज के लिए तत्काल सदर अस्पताल सिमडेगा भेजा। वह इधर घटना की सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार तामड़ा टभाडीह निवासी साज्जु प्रधान सिमडेगा से छड़ सहित अन्य सामान लेकर तामड़ा की ओर जा रहा था इसी दौरान तीव्र गति से ट्रैक्टर चला रहा था इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर से अपना नियंत्रण खो बैठा और पलट गई पलटने के बाद वह खुद दब गया इधर स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया है जहां पर बताया गया कि अंदरूनी काफी चोट आई है फिलहाल सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रही है।

सात दिवसीय जया किशोरी कथा वाचन की कार्य प्रगति की हुई समीक्षा

लोहरदगा। समस्त साहू परिवार तथा लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा 5 से 11 सितंबर तक होने जा रहे सात दिवसीय जया किशोरी कथा वाचन तथा साथ में नाट्य मंडली द्वारा कार्यक्रम को लेकर कार्य प्रगति की एक समीक्षात्मक बैठक कार्यक्रम स्थल ललित नारायण मिश्र स्टेडियम में हुई। जिसमें कार्यक्रम को ऐतिहासिक, स्मरणीय तथा पूरे क्षेत्र को भक्तिमय करने की दिशा में चर्चा हुई। जिसमें शहर व पंडाल सजा, पेय जल, श्रद्धालुओं की बैठनेकी व्यवस्था ,पार्किंग, प्रसाद, साफ-सफाई, वॉशरूम, विद्युत, सीनियर सिटीजन की बैठने की व्यवस्था, बैज आदि विषयों पर बातें हुई। मौके पर अशोक यादव, संजय बर्म्मन, सुरेश ठाकुर, सुधीर अग्रवाल, धर्मेंद्र कुमार, बंटू जयसवाल, दुर्गा प्रजापति, विनोद सिंह ,जयप्रकाश शर्मा, पंकज जयसवाल, जयदीप भगत, हिमांशु केसरी, अमित कुमार, जयजीत चौबे, अजीत भगत, रोहित ओझा, सुनील भगत, मनोज गुप्ता, मोहन दुबे, सोहन साहू, रोहन श्याम केसरी, अंकित गुप्ता, गुड्डू प्रसाद, राकेश साहू, निलेश कुमार, प्रमोद अग्रवाल, आकाश खत्री, राहुल कुमार आदि उपस्थित थे।

युवा सद्भावना मैच में न्यू स्पोर्टिंग क्लब ने सरना बॉयज की टीम को दो गोल से हराया

कुडू-लोहरदगा। जिला प्रशासन के निर्देश पर युवा सद्भावना मंच द्वारा युवाओं में आपसी प्रेम और सद्भावना कायम करने के उद्देश्य से प्रखंड के कोलसिमरी पंचायत में आयोजित एक दिवसीय सद्भावना फुटबॉल मैच में न्यू स्पोर्ट क्लब की टीम ने सरना बॉयज की टीम को पेनाल्टी शूट आउट में दो गोल से पराजित किया। मैच का शुभारंभ बीडीओ मनोरंजन कुमार और सद्भावना मंच के सदस्य सलीम अमीर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मैच के पश्चात बीडीओ श्री कुमार ने उपस्थित खिलाड़ियों और ग्रामीणों को सद्भावना का संदेश देते हुए कहा कि यदि हमे आगे बढ़ना है तो, प्रेम और सद्भाव को बनाये रखना होगा। हर तरक़्क़ी के पीछे आपसी भाईचारे की भी बड़ी भागीदारी होती है। मौके पर विनोद भगत, सोमनाथ भगत, प्रिंस खान, चिलगु भगत, अयता भगत, महताब आलम, पवन उरांव, धनेश्वर ताना भगत, रिजवान खान, छोटू उरांव, लालू उरांव सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा, विधि व्यवस्था, उत्पाद सहित अन्य विभागों की समीक्षा की

उत्पाद विभाग को अवैध शराब की चुलाई व विक्रय पर अंकुश लगाने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा आर. रोनीटा ने सड़क सुरक्षा, विधि व्यवस्था, उत्पाद, कारा एवं परिवहन विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक की। उत्पाद विभाग को अवैध शराब की चुलाई एवं विक्रय पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सघन अभियान चलाएं और जिले में अवैध शराब की चुलाई एवं बिक्री पर सख्त से सख्त अंकुश लगाने एवं कार्रवाई करने का निर्देश दिया। आगामी त्यौहार के मद्देनजर पूरी मुस्तैदी के साथ छापामारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने उत्पाद अधीक्षक को अब तक अवैध शराब की चुलाई एवं बिक्री से संबंधित किए गए कार्य का प्रतिवेदन तैयार करें समर्पित करने का निर्देश दिया। उन्होंने मंडलकारा संचालन की व्यवस्था के बारे में भी समीक्षा की। विधि व्यवस्था, महिलाओं की व्यवस्था, गर्भवती, मेडिकल चेकअप सहित अन्य मामले से संबंधित विस्तृत समीक्षा की। एनएच अभियंता को 143 में खराब सड़कों के मरम्मत एवं सड़क दुर्घटना ना हो ऐसी परिस्थिति में सड़कों के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण और दिशा निर्देश दिए। बारिश के कारण खराब हुए सड़कों को मरम्मत करने का निर्देश दिया। सड़क सुरक्षा के मद्देनजर सड़कों के किनारे आने वाले पेड़ की टहनियों की छटनी करने की बात कही। सड़क दुर्घटना के स्पोर्ट का स्थलीय निरीक्षण से संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया। बैठक में पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी महेंद्र कुमार, जेल अधीक्षक मो. शहजाद परवेज, जिला परिवहन पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक सहित संबंधित विभाग के पदाधिकारी, अभियंता उपस्थित थे।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

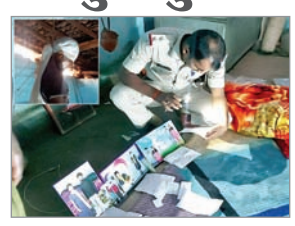

सिमडेगा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत तामड़ा बगीचा टोली गांव में शनिवार की अहले सुबह एक युवक ने अपने ही घर में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद थाना प्रभारी अरविंद कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और सभी मामले की बारीकी से छानबीन में जुट गए। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी ने बताया कि बगीचा टोली निवासी प्रदीप नायक अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। साथ ही उन्होंने बताया कि आत्महत्या से पूर्व उसने अपनी पत्नी की सभी फोटो फ्रेम को अपने बेड पर बकायदा सजाकर कुछ कागजों को भी रखा है। उसके बाद घर में फांसी लगा ली इधर स्थानीय लोगों का कहना है कि रात भर युवक ने मोबाइल और मिनी एंपलीफायर की मदद से गाना बजाते हुए आत्महत्या की होगी। पुलिस जब पहुंची तो घटनास्थल पर एंपलीफायर चालू अवस्था में पाया गया। इधर घटना के बाद पंचायत के मुखिया मुखिया सहित स्थानीय लोगों की भीड़ गई। थाना प्रभारी ने कहा कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या की लग रही हालांकि इस मामले में आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता चल नहीं पाया है। इधर पत्नी जो मायके में रहती थी उसे पता चला तब वह घर पहुंची और बार-बार पति की आत्महत्या की खबर सुनने पर बेसुध हो जा रही थी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल सिमडेगा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जहां पर पोस्टमार्टम करने के पश्चात शव परिजनों को सौंपा गया इस मामले में पुलिस ने थाना में यूडी केस दर्ज की है।

जोबांग पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

- अभियुक्त फुलदेव तुरी साल 2018 से दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद से चल रहा था फरार

नवीन मेल संवाददाता

किस्को/लोहरदगा। जिले के अति सुदूरवर्ती व उग्रवाद प्रभावित जोबांग थाना पुलिस ने दुष्कर्म के स्थायी वारंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पसागन निवासी लिबर तुरी का पुत्र फुलदेव तुरी पिता लिबर तुरी को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार ने बताया कि दुष्कर्म के स्थायी वारंटी फुलदेव तुरी गांव के ही एक युवती के साथ 2018 में दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद से फरार चल रहा था जिसे गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को उसके पैतृक घर से गिरफ्तार कर कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शनिवार को लोहरदगा जेल न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार ने बताया कि दुष्कर्म के स्थायी वारंटी को घटना के बाद से ही जोबांग थाना पुलिस तलाश में जुटी हुई थी। थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार ने बताया कि दुष्कर्म के आरोपी फुलदेव तुरी के विरुद्ध जोबांग थाना कांड संख्या 11/18 यूएस 376 भा0द0वि0 दर्ज है। इधर दुष्कर्म के फरार अभियुक्त फुलदेव तुरी की गिरफ्तारी में सब इंस्पेक्टर सोनू चौधरी, सिपाही रविंद्र कुमार अनिल कुमार दुबे सहित अन्य पुलिसकर्मी की अहम किरदार रहा।

हथियार के बल पर दिनदहाड़े लाह व्यवसायी से डेढ़ लाख रुपये की लूट

- पुलिस ने घेराबंदी कर दो अपराधियों को पकड़ा, पैसा और हथियार बरामद

नवीन मेल संवाददाता

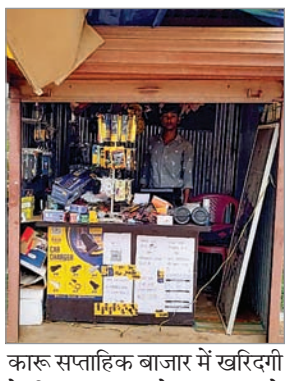

जलडेगा। थाना क्षेत्र में इन दिनों बेखौफ अपराधी दिनदहाड़े घटना को अंजाम दे रहे हैं। थाना मुख्यालय में शुक्रवार देर रात अपराधियों ने एक मोबाइल दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। वहीं दिनदहाड़े शनिवार सप्ताहिक बाजार से आधे किलोमीटर दूर जलडेगा ओडगा मेन रोड में तेलंगा नाला के पास एक लाह व्यवसाई से मोटर साइकिल सवार तीन अपराधियों ने बंदूक की नोक पर नगद लगभग 1 लाख 50 हजार की डकैती की गई। घटना जलडेगा मुख्यालय निवासी दिपक साहू उर्फ कारू के साथ घटित हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार व्यावसायिक दिपक साहू उर्फ कारू सप्ताहिक बाजार में खरिदगी के लिए प्रातः 9 बजे दुकान लगाने की तैयारी कर ही रहा था कि एक स्प्लेंडर मोटर साइकिल पर तीन लोग सवार होकर जलडेगा की ओर से आए और व्यवसायी दिपक से लाह की किमत पुछने लगे और तीनों ने बंदूक निकला और कनपटी पर रखकर पैसा निकालो कहने लगे। हाथ में पकड़े पैसे की थैला को और सर्ट पाकेट में रखे पैसा को छिना और सिधे सामने ओडगा की ओर भागने लगे। अपराधी लुटपाट को अंजाम देने के बाद सिधे सामने ओडगा की ओर भागे, लगभग दो किलोमीटर के बाद केलुगा खेल मैदान के पास बांयें की ओर भागे, सिधे रास्ते ना जाकर अनजाने में केलुगा बस्ती की ओर घुस गए, बस्ती में पानी टंकी के पास एकत्रित लड़कों ने देखा संदेह भी जाहिर किए तभी जलडेगा से केलुगा के लोगों को फोन के माध्यम लुटकांड की जानकारी मिल गया, तबतक पगडंडियों के रास्ते महेश्वरटोली, पहानटोली, पुजारटोली बिलईगड़ा के रास्ते खरवागढा गंझू तलाब होते हुए खरवागढ़ा से सिधे लचडागढ़ की ओर जाने वाले रोड में सिधे चलने लगे और कारीमाटी पांगूर पास अपराधी और जलडेगा पुलिस आमने सामने हो गए। पुलिस को दूर से देखते ही सामने से आ रहे अपराधी अपना रास्ता पीछे की ओर मोड़ने लगे। पीछे मोड़ने के क्रम में दो अपराधी बाइक से उतर गए थे और इसी बीच पुलिस सामने पहुंच गई और दो अपराधी को पकड़ लिया गया। इससे पूर्व अपराधियों ने अपना हथियार और पैसे का थैला को जंगल में फेंक चुके थे और बाइक चालक तीसरा अपराधी बाइक समेत भागने में सफल रहा। पकड़े अपराधियों के निशानदेही पर नगद का थैला और एक बंदूक जब्त किया गया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टी नहीं की है।

जिला खेल पदाधिकारी ने कोलेबिरा में कसरत क्लब जिम का किया उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा के थाना रोड स्थित कसरत क्लब जिम का उद्घाटन सिमडेगा जिले के जिला खेल एवं पर्यटन पदाधिकारी प्रवीण कुमार, प्रखंड प्रमुख दुतामि हेमरोम, मुखिया अंजना लकड़ा, झारखंड पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का, जिला उद्योग विभाग के ई ओ डी बी प्रबंधक सलमान खुर्शीद ने सामुहिक रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। कसरत क्लब जिम के संचालक राहुल कुमार ने बताया कि उन्होंने अपने क्षेत्र वासियों को जिम के रूप में स्वस्थ रहने का सौगात प्रस्तुत किया है। जिला खेल एवं पर्यटन पदाधिकारी प्रवीण कुमार ने कहा कि आज के दौर में जिम या कसरत करने का संस्थान बहुत ही जरूरी है, अभी लोगों को स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन कम से कम एक घंटे का समय निकालकर इसे दिनचर्या में शामिल करना आवश्यक है। आज के दूषित वातावरण में लोगों को घूमने के बजाय एक घंटे जिम में कसरत कर अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम करना चाहिए। कसरत क्लब जिम आधुनिक मशीनों से लैस है। जिम के संचालक राहुल कुमार साहू ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को जिम की काफी जरूरत थी। इस जिम में जिस तरह का सामान रखा गया है, जिससे युवाओं को काफी मदद मिलेगी। यहां पर युवा कसरत कर अपने शरीर को फिट बना सकते हैं। आज के युग में स्वास्थ्य को सही रखने के लिए व्यायाम जरूरी है। जिम में जाने से लोगों की कई बीमारियां दूर हो जाती हैं। राहुल कुमार साहू से बताया कि उन्होंने वर्ष 2019 में थाईलैंड में ओपन इंटरनेशनल चैंपियनशिप वेट लिफ्टिंग का खिताब अपने नाम करते हुए गोल्ड मेडल जीता था। ऐसे में क्षेत्र के बच्चों को अच्छी ट्रेनिंग मिलेगी। जिम में आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। इससे नौजवानों को फायदा होगा।मौके पर जिला खेल एवं पर्यटन विभाग के पदाधिकारी प्रवीण कुमार, झारखंड पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का, विनोद कुमार, पैरू साहू, राजेश प्रसाद, कमेश कुमार, रणधीर कुमार के अलावा युवा लड़के लड़कियां के साथ ग्रामीण उपस्थित थे।

नवाटोली पंचायत में आवास निर्माण कार्य में अधूरे पड़े आवासों को लेकर बीडीओ ने की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत नवटोली पंचायत भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर ग्रामीणों के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने बैठक की। बताया गया कोलेबिरा नवाटोली पंचायत के प्रधानमंत्री आवास के वैसे लाभुक जो वित्तीय वर्ष 2016-17 से लेकर 2021 तक एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 के जो लाभुक हैं वह अपना घर अभी तक बनाकर पूर्ण नहीं कर पाए हैं वैसे लाभुकों के साथ इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार नवाटोली एवं पंचायत की मुखिया कल्पना देवी उप मुखिया दिवाकर दास लाभुकों के साथ सीधे वार्ता करने हेतु बैठक बुलाई जिससे उनके समस्याओं से अवगत होकर उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। साथ में 5 सितंबर 2022 तक जो लाभुक नीव खुदाई या लिंटन लेवल तक अपने मकान का कार्य कर चुके हैं वैसे लाभुक अपना मकान जल्द से जल्द बनाकर पूरा करेंगे एवं जिन का मकान रूफ लेवल तक बन चुका है वह लगभग 1 सप्ताह के अंदर अपने मकान का ढलाई करने का निर्देश दिया गया नवटोली पंचायत अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 से लेकर वर्ष 2021-22 तक कुल 17 योजनाएं अपूर्ण है एवं वर्ष 2021-22 में कुल 99 आवास लंबित है जिसके कारण बाकी लाभुकों को प्रधानमंत्री आवास नहीं मिल पा रहा है। प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा बताया गया की सरकार के दिशा निर्देश अनुसार सभी निर्लंबित आवास को सितंबर माह तक हर हाल में पूर्ण करना है बैठक में ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान तीन चार कमरों का मनाया जा रहा है जिसके कारण लाभुक को अधिक खर्च हो जाने के कारण मकान का कार्य पूर्ण नहीं हो पा रहा है और वैसे लाभुक जो प्रधानमंत्री आवास योजना का पैसा किसी बीमारी खेती बारी अथवा अन्य कार्यों में खर्च कर दिए हैं वैसे लाभुक अपने सगे संबंधियों से मदद लेकर जल्द से जल्द अपना मकान बनाकर तैयार करें ताकि जितने भी निर्लंबित आवास हैं सभी पूर्ण हो।

न्यायमूर्ति ने बार एसोसिएशन भवन में सोलर प्लांट उद्घाटन व कानून संबंधित किताबों का भेंट स्वरूप किया वितरण

पर्यावरण के संरक्षण व हरियाली के लिए ऐसे कदम उठाने की जरूरत है : डॉ एसएन पाठक

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एस.एन. पाठक ने शनिवार को बार भवन में 120 किलोवाट सोलर पावर का उद्घाटन और 16 लाख के पुस्तकों का लाइब्रेरी बार भवन को समर्पित करने के बाद अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बार एसोसिएशन का यह लाइब्रेरी मील का पत्थर साबित होगा। न्यायालय पर बड़ी जिम्मेदारी है। लोगों का न्यायालय पर विश्वास है। इस विश्वास पर खरा उतरने में यह पुस्तक उपयोगी साबित होगा। बार भवन में अब सोलर लाइट से सारा काम होगा। पर्यावरण के संरक्षण और हरियाली के लिए ऐसे कदम उठाने की जरुरत है। उन्होंने इसके लिए उपायुक्त सुशांत गौरव की तारीफ की। उपायुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि जहां जिन चीजों की जरुरत हैं वहां उपलब्ध कराना हमारा प्रयास है। बार भवन में सोलर लाइट की आवश्यकता थी।जुलाई 2022 को बार एसोसिएशन के अध्यक्ष द्वारा जब इसकी जानकारी मिली तब यह पहल की गई और शनिवार को इसका उद्घाटन भी हो गया। बार भवन के कार्यक्रम के उपरांत न्यायमूर्ति ने न्यायिक अधिकारियों के कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान न्यायिक पदाधिकारियों और कर्मियों से विस्तृत जानकारी ली एवं कार्य के तौर तरीकों से अवगत हुए। कर्मियों को सभी आवश्यक दस्तावेजों के प्रति जागरूक रहने एवं बेल ऑर्डर को पेंडिंग नहीं रखने का निर्देश दिया। इस दौरान कोर्ट की सुनवाई के लिए आए आम जनों से मुलाकात करते हुए उनके द्वारा न्यायालय कार्यों की प्रक्रिया की जानकारी ली। यदि आम जनों को न्यायालय प्रक्रिया में किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़े तो लिखित शिकायत दर्ज करने की बात कही, जिसके पश्चात सुधार के लिए त्वरित कार्यवाही की जाएगी। इसके उपरांत न्यायमूर्ति ने केंद्रीय पुस्तकालय के नए भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों को देखा और साहित्यिक पुस्तकों को भी रखने की बात कही ताकि छात्र-छात्राएं इनसें अच्छी बातों को सीख समझ सके और प्रेरित हो सके। न्यायमूर्ति ने पुराने पुस्तकालय भवन का निरीक्षण किया और उपलब्ध पुस्तकों को देखकर रीच लाइब्रेरी बताया। इस दौरान पुस्तकालय में अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं से भी बात की। नगर भवन गुमला में दिव्यांग शिविर कार्यक्रम में भाग लेते हुए दिव्यांगों के बीच व्हील चेयर का वितरण किया गया। जिला प्रशासन एवं भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति और लायंस क्लब गुमला के संयुक्त तत्वाधान विशेष दिव्यांग शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति उपस्थित रहें। इस दौरान उन्होंने दिव्यांगजनों के बीच व्हील चेयर का वितरण किया। न्यायमूर्ति ने उपस्थित दिव्यांगजनों एवं उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपनी अनुभूति सुनते हुए बताया कि खूंटी परिसर के दौरे के दौरान उनकी मुलाकात कल्याण विभाग के सेक्रेटरी से हुई जो एक आईएएस ऑफिसर थे। काफी समय के पश्चात मालूम चला की वे दिव्यांग थे उनकी दोनो आंखे नहीं थे। परंतु आत्मबल ने उन्हें इस काबिल बनाया की वे एक आईएएस ऑफिसर के पद पर कार्य कर रहें थे। इसी प्रकार यदि कोई व्यक्ति ठान ले तो वो कुछ भी बन सकता है केवल आत्मबल को मजबूत करने की आवश्यकता है। उपायुक्त गुमला ने इस प्रकार के शिविर को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा की दिव्यांगजनों की सहायता एवं उनके आत्मबल को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन हर संभव सहायता के लिए कटिबद्ध है। रॉक गार्डन में पौधारोपण कार्यक्रम में माननीय न्यायमूर्ति की उपस्थित। न्यायमूर्ति द्वारा रॉक गार्डन में पौधारोपण करते हुए पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया। इस दौरान न्यायमूर्ति सहित जिला न्यायधीश गुमला, उपायुक्त गुमला, पुलिस अधीक्षक, डीडीसी, अनुमंडल पदाधिकारी गुमला ने भी पौधरोपण किया। सिसई नवरत्न गढ़ का दौरा। न्यायमूर्ति ने जिला न्यायधीश तथा उपायुक्त गुमला एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों के साथ सिसई प्रखंड स्थित नवरतनगढ़ का दौरा किया। उन्होंने नवरत्नगढ़ की ऐतिहासिक कहानी के विषय में जानकारी ली एवं नवरतानगढ किला का भ्रमण किया। न्यायमूर्ति डॉ एस. एन. पाठक माननीय उच्च न्यायालय झारखंड रांची के गुमला जिले के भ्रमण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार चंधरियावी, उपायुक्त गुमला सुशांत गौरव , पुलिस अधीक्षक एहतेशाम बकारिब, उपविकास आयुक्त हेमंत सती, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रवि आनंद के अलावा अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति ने रॉक गार्डन परिसर का किया भ्रमण, किया पौधरोपण

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत नगर परिषद क्षेत्र के दुंदुरिया स्थित रॉक गार्डन में शनिवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुमला उपायुक्त सुशांत गौरव के व नगर परिषद के तत्वाधान में आयोजित इस पौधरोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डॉक्टर एसएन पाठक सम्मिलित हुए। माननीय न्यायमूर्ति ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद नगर परिषद गुमला के जनप्रतिनिधियों व नगर परिषद कार्यालय कर्मियों से संक्षिप्त संवाद भी किया। रॉक गार्डन परिसर में भ्रमण के दौरान न केवल उन्होंने इस परिसर के पुनर्विकास हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव दिए बल्कि शुभकामनाएं भी दी कि गुमला जिला प्रशासन एवं नगर परिषद टीम के प्रयास से गुमला का यह रॉक गार्डन रांची के रॉक गार्डन से भी बेहतर विकसित किया जा सकेगा। तदुपरांत मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति डा पाठक के साथ-साथ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार चंद्रियावी, उपायुक्त सुशांत गौरव, पुलिस अधीक्षक एहतेशाम वकारीब, डीडीसी हेमंत सती, एसडीओ रवि आनंद, नगर परिषद अध्यक्ष दीप नारायण उरांव, उपाध्यक्ष कलीम अख्तर आदि के अलावा उपस्थित सभी वार्ड पार्षदों ने पौधरोपण किया। पौधरोपण कार्यक्रम में महोगनी, अशोक, कदम्ब, नीम, अमरूद आदि के पौधे लगाए गए। भ्रमण के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी संजय कुमार ने रॉक गार्डन के बारे में आगंतुक सम्मानित अतिथियों को संक्षिप्त जानकारी दी। इस दौरान नगर परिषद गुमला के समस्त कर्मचारी गण भी मौजूद थे।

भंडरा में प्रकृतिक पर्व करमा पूर्व संध्या सांस्कृतिक समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा/ लोहरदगा। प्रखंड के श्रीलाल बहादुर शास्त्री उच्च विद्यालय स्थित मैदान में शनिवार को भंडरा प्रखंड सरना समिति के बैनर तले महा प्रकृतिक पर्व करमा पूर्व संध्या सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि विशुनपुर विधायक प्रतिनिधि शिवराम कच्छप, विशिष्ट अतिथि के रूप में ललित लिंडा, भंडरा जिला परिषद सदस्य राजमनी उरांव, सेन्हा जीप सदस्य राधा तिर्की, कैरो जीप सदस्य सुखदेव उरांव, उप प्रमुख राजमुनी उरांव एवं थाना प्रभारी गौतम कुमार सामिल हुए। कार्यक्रम शुरूआत से पहले बाबा धर्मेश एवं मां चाला को प्राथर्ना की गई। जिसके बाद अतिथियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगाज कराया। यह कार्यक्रम में मसमानो, टोटो, भौंरो, बेदाल, भंडरा, डुमरी, कचमची, जमगाई, चट्टी, कुंदो, उदरंगी, बड़ागाई, बिटपि, धनामुन्जी, गडरपो, कुम्हरिया, आकाशी, भीठा सहित कुल 80 नृत्य खोड़हा दल के कलाकार सामिल हुए। जंहा बनाय गए आखाड़ा में बारी-बारी से खोड़हा दल के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक नृत्य वह गीत की शानदार प्रस्तुति दी। सभी खोड़हा दल को अतिथियों द्वारा प्रोत्साहित किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि शिवराम कच्छप ने कहा कि आदिवासियों की पहचान हमारी संस्कृति है। आदिवासी संस्कृति आज भी फल फूल रहा है। अपनी संस्कृति भाषा से आदिवासी समाज पूरे विश्व में पहचान बनाये हुए है। समाज में मुख्य रूप से दो प्रकृति महापर्व करमा और सरहुल है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के लोग इन पर्व त्योहार को नशा मुक्त होकर मनाए। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों ने भी सम्बोधित किया। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष तिवारी उरांव, उपाध्यक्ष रामबिलास उरांव, विशुन उरांव, सचिव फूलदेव उरांव, सहसचिव मंगरा उरांव, कोषाध्यक्ष बीजू उरांव, सोमरा उरांव, बिनोद उरांव, राजेश उरांव, संरक्षक सामिल उरांव, मिठू उरांव, सूरज उरांव, रामचन्द्र उरांव, एतवा उरांव सहित काफी संख्या में विभिन्न गांव से आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे।

विदेशों में बाजार टूटने से खाद्य तेलों के भाव औंधे मुंह गिरे

नयी दिल्ली। मांग कमजोर होने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सभी तेल-तिलहन की कीमतें औंधे मुंह गिर गईं। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्यतेलों के भाव टूटने से खाद्यतेल उद्योग, आयातक और किसान काफी परेशान हैं, खासकर आयातकों के सामने बबार्दी का खतरा मंडरा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों में जिस कच्चा पामतेल का आयात भाव लगभग 2,007 डॉलर प्रति टन था, उसका कांडला बंदरगाह पर मौजूदा भाव सिर्फ 990 डॉलर प्रति टन रह गया है। ऐसे में बाकी तेल तिलहन कीमतों पर भी भारी दबाव है। सूत्रों ने कहा कि थोड़ी-बहुत पूंजी रखने वाले कारोबारियों ने अब तेल कारोबार छोड़ने का मन बना लिया है और बैंकों में अपना साख पत्र (लेटर आफ क्रेडिट) देने वाले कारोबारी ही खाद्यतेल कारोबार में अटके हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस गिरावट के बावजूद उपभोक्ताओं को गिरावट का यथोचित लाभ नहीं मिल पा रहा है क्योंकि खुदरा कारोबार में अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पहले से ही थोक भाव के मुकाबले 40-50 रुपये अधिक रखे जाने से खुदरा व्यापारी और मॉल वाले ग्राहकों से अधिक कीमत वसूल रहे हैं।

नेतरहाट आवासीय विद्यालय, नेतरहाट
पो०–नेतरहाट, जिला–लातेहार
(An Autonomous Institute under Societies Reg. Act 1860, Ministry of School Education and Literacy Dept. Govt. of Jharkhand)

संख्या –1461 दिनांक–03.09.2022

निविदा सूचना

नेतरहाट आवासीय विद्यालय, नेतरहाट के मैदान संख्या–6, 8, 9 एवं 10 के लिए गोल पोस्ट पाईप क्रय हेतु मुहरबंद निविदायें प्राचार्य, नेतरहाट आवासीय विद्यालय, नेतरहाट के नाम आमंत्रित की जाती है।

1.	निविदा का नाम	नेतरहाट आवासीय विद्यालय, नेतरहाट के मैदान संख्या–6, 8, 9 एवं 10 के लिए गोल पोस्ट पाईप क्रय हेतु।
2.	कार्यालय का नाम एवं पता	प्राचार्य, नेतरहाट आवासीय विद्यालय, नेतरहाट पो०–नेतरहाट, जिला–लातेहार, पिन–835218
3.	निविदा भेजने का पता	प्राचार्य, नेतरहाट आवासीय विद्यालय, नेतरहाट पो०–नेतरहाट, जिला–लातेहार। पिन कोड–835218
4.	वेबसाईट का नाम एवं निविदा प्रसारण तिथि	WWW.netarhatvidyalaya.com पर दिनांक 03.09.2022, समय 1.00 बजे अपराह्न से उपलब्ध।
5.	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	22.09.2022 समय 11.30 बजे पूर्वाह्न तक।
6.	निविदा खुलने की तिथि	23.09.2022 समय 11.30 बजे पूर्वाह्न (टेक्नीकल बीड एवं फिनानसियल बीड)

ह०/–
प्राचार्य
नेतरहाट आवासीय विद्यालय, नेतरहाट।

PR 277042 (Human Resource Developement) 22-23 (D)

न्यायालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार।

राजसात वाद संख्या– 24/2021
नोटिस

देवानन्द प्रसाद, पिता– अन्तरयामी प्रसाद,
ग्राम– चटकपुर, थाना– महुआडांड़, जिला– लातेहारः– प्रतिपक्षी

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में ट्रैक्टर पंजीयन संख्या– JH1903AE3128, JH19C3224 एवं JH03J5947 की राजसात की कार्रवाई के लिए चल रहे मामले में बार–बार नोटिस का तामिला कराये जाने के बावजूद भी आप लगातार अनुपस्थित हैं।

अतएव अंतिम रूप से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 27.09.2022 को निश्चित रूप से स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में उपस्थित होकर पक्ष रखना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित तिथि को अनुपस्थित रहने पर यह माना जायेगा कि इस संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है तथा अभिलेख में उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर एक पक्षीय आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक 30.08.2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से नोटिस निर्गत किया गया।

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला विधि शाखा, लातेहार।

PR 277038 Latehar(22-23)D

न्यायालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार।

राजसात वाद संख्या– 16/2021
नोटिस

1. बालेश्वर यादव, पिता– सबुर यादव,
सा0– बुकरू, पो0– सेरेगड़ा, थाना– बालूमाथ, जिला– लातेहार।
2. केदार साव, पिता– चन्दु साव,
सा0– चमातु, थाना– बालूमाथ, जिला– लातेहार।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में ट्रक पंजीयन संख्या– JH19B-2577, JH01BA-9784 एवं पे–लोडर पंजीयन संख्या– BR02GB-9140 की राजसात की कार्रवाई के लिए चल रहे मामले में बार–बार नोटिस का तामिला कराये जाने के बावजूद भी आपलोग लगातार अनुपस्थित हैं।

अतएव अंतिम रूप से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 27.09.2022 को निश्चित रूप से स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में उपस्थित होकर पक्ष रखना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित तिथि को अनुपस्थित रहने पर यह माना जायेगा कि इस संबंध में आपलोगों को कुछ नहीं कहना है तथा अभिलेख में उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर एक पक्षीय आदेश पारित किया जायेगा।

आज दिनांक 30.08.2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से नोटिस निर्गत किया गया।

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला विधि शाखा, लातेहार।

PR 277037 (Latehar) 22-23 (D)

कार्यालयः जिला परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग
जिला स्कुल के नजदीक, झील रोड, हजारीबाग। पिन–825301
E-mail: dtohazaribag@gmail.com

आम सूचना

बनाम
1. अवधेश यादव,
पिता– महेन्द्र यादव
पता– भगिया मुरपा बालुमाथ, लातेहार

बजरिये आम सूचना सूचित किया जाता है कि वाहन संख्या JH02AY-7071 का हस्तांतरण के संबंध में आवेदक मोनु कुमार गुप्ता, पिता– दिलीप प्रसाद गुप्ता, पता– नवादा सिमरिया, चतरा हजारीबाग के द्वारा आपति आवेदन दिया गया है।

दिनांक– 09.09.2022 को समय 11:00 बजे पूर्वाहण में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय प्रकोश्ट में उपस्थित होकर सभी संबंधित दस्तावेजों के साथ स्पश्ट करें कि किस परिस्थिति में विक्रेता का गलत साक्ष्य प्रस्तुत कर कार्यालय को गुमराह करते हुए हस्तांतरण कराया गया। क्यों नहीं आपके इस कृत्य को धोखा धाड़ी समझते हुए वाहन हस्तान्तरण रद्द कर प्राथमिकी दर्ज कर दिया जाए।

इसे सख्त ताकिद जानें।

जिला परिवहन पदाधिकारी,
हजारीबाग, झारखण्ड

PR 277047 (Transport)22-23*D

Office of The Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division, Garhwa.

VERY SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders are invited for E/R to C.O. Residence at Meral, District Garhwa. for the year 2022-23 by the Executive Engineer Building Construction Department, Building Division, Garhwa from the Registered Contractor in the Office of the undersigned & in the office of S.E.B.C.D. Circle No.-2. Ranchi on 12-09-2022 up to 3.00 pm and will be opened on 12-09-2022 at 3.30 pm in respective offices By Executive Engineer or his authorized representative in the presence of tenderes or their authorized representative. Who so ever desire may remain present at the time of opening Detail list of work, specification, quantity etc. may be obtained from the aforesaid offices in working day on 11-09-2022 from 10.00 am to 1.00 pm which cost of Bid Rs. 5000/- in shape of D.D. (non-refundable) on any State Bank Payable at SBI, Main Branch, Garhwa in favour of The Executive Engineer, Building Division, Garhwa.

The Tenderer should be accomplished with the initial security deposit which will be 2% of the tender amount (Refundable) in shape of Bank Guarantee or 5 Years/3 Years Post Office Term Deposit of N.S.C (8th issue) fixed deposit of the Scheduled Bank duly pledge in favor of Executive Engineer,Building Division, Garhwa.

Executive Engineer,
Building Division, Garhwa.

PR 277021 (Building)22-23*D

कार्यालय, गढ़वा नगर परिषद्, गढ़वा

प्लंबरों (नलसाज) के निबंधन हेतु आम सूचना

झारखण्ड नगरपालिका जल कार्य, जल अधिभार एवं जल संयोजन नियमावली 2020 के निदेशानुसार गढ़वा नगर परिषद क्षेत्रान्तर्गत स्थित सभी भवनों में जल संयोजन का कार्य किया जाना है। उक्त जल संयोजन का कार्य गढ़वा नगर परिषद से अनुज्ञप्तिधारी नलसाज (प्लम्बर) द्वारा किया जायेगा। उक्त नलसाज (प्लम्बर) झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत जलापूर्ति, ड्रेनेज एवं सिवरेज की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। गढ़वा नगर परिषद द्वारा वैसे सभी जानकार प्लम्बरों को 05 वर्षों के लिये लाईसेंस निर्गत करने हेतु दिनांक 03.09.2022 से 13.09.2022 तक विहित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। लाईसेंस हेतु अन्य आवश्यक शर्तें एवं आवेदन पत्र का प्रारूप नगर परिषद गढ़वा कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद्, गढ़वा।

PR 277015 (Urban Development) 22-23 (D)

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,समग्र शिक्षा अभियान, गढ़वा

RTE अंतर्गत मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नामांकन संबंधी आम सूचना

झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिशद, राँची का पत्रांक–971, दिनांक–14.04.2022 के आलोक में उपयुक्त–सह–अध्यक्ष, समग्र शिक्षा अभियान, गढ़वा के आदेशानुसार निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के प्रवेश कक्षा (प्रथम) में 25% कोटा के तहत रिक्त सीटों पर कमजोर/अभिवंचित वर्ग के बच्चों का निःशुल्क नामांकन कराया जाना है। विद्यालयवार रिक्त सीटों का विवरण निम्नवत्त है –

क्र0सं0	विद्यालय का नाम	प्रखण्ड का नाम	25% कोटे के तहत् रिक्त सीट
01.	जे0पी0 एस0 सेंट्रल स्कूल दिपुवॉ	गढ़वा	11
02	साउथ प्वाईट पब्लिक स्कूल	गढ़वा	7
03	जेम्स मिशन स्कूल सोनपुरवा	गढ़वा	5
04	वी0पी0डी0ए0पब्लिकस्कूल फरठिया	गढ़वा	5
05	सृजन पब्लिक स्कूल	डंडई	5
06	होली फेथ पब्लिक स्कूल	डंडई	7
07	अपग्रेडेड नर्सरी स्कूल, बुका	भवनाथपूर	2
08	सरस्वती ज्ञान मंदिर	रंका	3

विद्यालयों में रिक्त सीट पर पास–पड़ोस (क्रमशः 1 किमी, 3 किमी अंततः 6 किमी की सीमा) के अभिवंचित समूह/ कमजोर वर्ग के बच्चों का निःशुल्क नामांकन कराते हुए कक्षा 8 तक की शिक्षा पूर्ण करानी है। इसके एवज में निजी विद्यालयों को सरकार द्वारा निर्धारित शिक्षण शुल्क की प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान किया जाएगा।

अभिभावकों की सुविधा के लिए सूचित किया जाता है कि पास–पड़ोस के दूरी सीमा का निवासी होने के लिए पालक/ अभिभावक का आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, राशन कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, बिजली बिल, जिसमें उनका नाम व आवास का पता अंकित हो, मान्य होंगे। वैसे बच्चे जिनके परिवार का सभी श्रोतों से वार्षिक आय 72000/– से कम हो तथा बच्चे का उम्र 5 वर्श 6 माह से अधिक एवं 7 वर्ष से कम होगी, नामांकन के योग्य होंगे। उम्र की गणणा 31.03.2022 के आधार पर किया जाएगा।

इच्छुक अभिभावकों से आग्रह है कि अपने पाल्य के नामांकन हेतु उसी विद्यालय में आवेदन पत्र समर्पित करेंगे, जो उनके पास–पड़ोस में अवस्थित है। विशेश जानकारी के लिए संबंधित विद्यालय में संपर्क किया जा सकता है। सभी विद्यालयों में आवेदन पत्र उपलब्ध है। विद्यालय द्वारा दिनांक – 05.09.2022 से 12.09.2022 तक आवेदन स्वीकार करते हुए पावती रसीद प्रदान किया जाएगा। विद्यालय प्राप्त सभी आवेदनों को प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के माध्यम से जिला कार्यालय, समग्र शिक्षा अभियान, गढ़वा को दिनांक – 14.09.2022 तक अचूक रुप से उपलब्ध करायेंगे। जिला स्तरीय गठित समिति द्वारा आवेदनों की स्क्रूटनी कर नामांकन हेतु अनुमोदित सूची विद्यालयों को उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा अभियान, गढ़वा

PR 277003 (Human Resource Developement)22-23*D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, (गव्य प्रभाग)
जिला गव्य विकास कार्यालय, पलामू
Email – dddopalamu@gmail.com

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत गव्य प्रक्षेत्र योजना की विभिन्न योजनाओं में चयनित लाभुकों के लिए सूचना–

वित्तीय वर्ष 2020–21 एवं 2021–22 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत गव्य प्रक्षेत्र की विभिन्न योजनाओं में चयनित लाभुकों को सूचित किया जाता है कि सरकारी अनुदान की राशि आपके बैंक खाता में DBT के माध्यम से अंतरित कर दी गई है साथ ही लाभुकों की सूची संबंधित प्रखण्ड को भेज दी गई है।

लाभुक अंशदान की राशि आपके बैंक खाते में जमा करने हेतु पूर्व में भी सूचित किया गया है, परन्तु अभी तक ज्यादातर चयनित लाभुकों द्वारा लाभुक अंशदान की राशि जमा नहीं की गई है। इस परिस्थिति में योजनाओं का कार्यान्वयन लंबित है। ज्ञातव्य है कि सर्वप्रथम लाभुक अंशदान जमा करने के उपरान्त हीं योजना का क्रियान्वयन किया जा सकता है।

वैसे लाभुक जिनके बैंक खाते में अनुदान राशि आंतरित की गई है, से अनुरोध है कि अनुदान की राशि की निकासी अवैध रूप से निकासी न करें अन्यथा बैंक से सूचना प्राप्त होते हीं आपके विरूद्ध नियमानुसार कारवाई की जायेगी, जिसके लिए आप स्वंय जिम्मेवार होंगे।

अतः आप वैसे सभी चयनित लाभुकों जो कि लाभुक अंशदान की राशि अपने बैंक खाते में जमा नहीं किये हैं, से सामाचार पत्र के माध्यम से अनुरोध है कि आप सभी अपना–अपना लाभुक अंशदान की राशि अपने बैंक खाते में जमा करते हुए जमा रसीद (पर्ची) तथा बैंक पासबुक की छायाप्रति **यथाशीघ्र जिला गव्य विकास कार्यालय, पलामू में अवश्य जमा करेंगे,** ताकि राशि की निकासी पर रोक (Lien) लगाते हुए दुधारू मवेशी वितरण की कार्रवाई यथाशीघ्र किया जा सके। विशेष जानकारी के लिए गव्य तकनीकी पदाधिकारी, पलामू, जिला गव्य विकास कार्यालय, पलामू के मोबाईल न0– 9835586928 एवं जिला गव्य विकास पदाधिकारी, पलामू, के मोबाईल न0– 8252593594 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
पलामू।

PR 276981 (Animal Husbandry) 22-23 (D)

District Health Society, Garhwa
DEPARTMENT OF HEALTH & FAMILY WELFARE Government of Jharkhand,
Garhwa – 822101 Email: - cs.garhwa@gmail.com

Tender No. DHS/GAR/NMMU/01/2022 Date: 02/09/2022

TENDER NOTIFICATION FOR MAINTAIN & OPERATE NATIONAL MOBILE MEDICAL UNITS INFRASTRUCTURE
(e-Procurement System)

The **In-Charge Procurement Cell** in behalf of **Mission Director,** Jharkhand Rural Health Mission Society, Namkum, Ranchi hereinafter referred to as "National Mobile Medical Unit Service Procuring Agency (NMMUSPA) invites separate Technical and Commercial Bids (Two Cover System) from the registered and eligible firms/bidders willing to Maintain & Operate 04 Nos. National Mobile Medical Units Infrastructure to provide primary and selective secondary health care in identified regions in State of Jharkhand.

The Blank tender documents with detailed conditions can be obtained through web site http://jharkhandtenders.gov.in and should be submitted through e-procurement system only. The eligible bidders willing to participate must necessarily are registered in e-procurement Portal.

1	Name of work	Maintain & Operate 03 Nos. National Mobile Medical Units Infrastructure in Jharkhand
2	Time of Completion	One Year after issue work order
3	Date of Publication of Tenders on website	02.09.2022
4	Pre-Bid Meeting Date and Time	22.09.2022 at 1.00PM in Office of Jharkhand Civil Surgeon Office Garhwa
5	Date / time for receipt of bids	23.09.2022 to 29.09.2022 at 5.00 PM
6	Date of Technical Bid opening	30.09.2022 at 1.00 PM
7	Application fee (Non-refundable) for each NMMU (Vehicle)	Rs 1000.00 (One thousand only) DD "District Health Society Garhwa"
8	EMD for each NMMU (Vehicle)	Rs 50,000.00 (Fifty thousand only) DD favoring to "District Health Society Garhwa
9	Contact no. of procurement person	9470357559, 9931060776

Note: The above dates may change due to abrupt declaration of holidays.
- Detailed tender document can be seen and applied through website http://jharkhandtenders.gov.in only, Hard copies of Technical bid & Price bid will not be entertained except Tender fee, EMD.
- Tender notification & Tender document can also be seen http://jrhms.jharkhand.gov.in (only reading purpose)

Sd/-
Civil Surgeon Cum CMO Garhwa

PR 277009 Health Med Edu and Family Welfare(22-23).D

झारखण्ड स्टेट फोरेस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि0 06546-223814
Jharkhand State Forest Development Corporation Ltd.
कार्यालय– प्रमंडलीय प्रबन्धक,लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमंडल हजारीबाग
dm.haz_jsfdc@yahoo.co.in

लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमंडल हजारीबाग के अर्न्तगत डालटेनगंज/लातेहार जिला से संबंधित डिफॉल्टर क्रेता के विरूद्ध किये गये नीलाम पत्र वाद से संबंधित प्रतिवेदन (झारखण्ड)

नीलाम पत्र सूचना

झारखण्ड

क्र0 सं0	प्रमाणपत्र वाद संख्या	वर्ष	लौट का नाम	प्रमाणपत्र देनदार का नाम एवं पता	निगम को शुद्ध क्षति की राशि
1	2	3	4	5	6
1	20/2018	2006	सिमरिया–बी0/2006	श्री कन्हैया कुमार, पिता– स्व0 मृगुनाथ साव, जैन मंदिर रोड, डालटेनगंज, पलामू।	65174.05
2	12/2018	2013	बरही – सी0/ 2013	मे0 इमरान खान प्रो0 इमरान खान, मदीना मस्जिद के समीप मुस्लीम नगर, वार्ड न0–11 डालटेनगंज पलामू	106963.32
3	13/2018	2013	डोमचॉच–बी0/2013	मे0 इमरान खान प्रो0 इमरान खान, मदीना मस्जिद के समीप मुस्लीम नगर, वार्ड न0–11 डालटेनगंज पलामू	596295.35
4	10/2018	2013	वगोदर–ए0/ 2013	मे0 इमरान खान प्रो0 इमरान खान, मदीना मस्जिद के समीप मुस्लीम नगर, वार्ड न0–11 डालटेनगंज पलामू	616217.58
5	69/2019	2017	चौपारण–ए0/17	मे0 मंगलाकाली ट्रेडर्स, प्रो0 रितेश कुमार, इंजिनियरिंग रोड, डालटेनगंज, पलामू, पिन– 822101	346045.97
6	68/2019	2017	गोमिया–ए0/17	मे0 मंगलाकाली ट्रेडर्स, प्रो0 रितेश कुमार, इंजिनियरिंग रोड, डालटेनगंज, पलामू, पिन– 822101	3745129
7	67/2019	2017	चतरा–सी0/17	मे0 मंगलाकाली ट्रेडर्स, प्रो0 रितेश कुमार, इंजिनियरिंग रोड, डालटेनगंज, पलामू, पिन– 822101	6195650.35
8	66/2019	2017	हंटरगंज–पी0एफ0–2/17	अरविन्द प्रसाद, पिता– अमृत साह, सिमरी, पाटन, पलामू, पिन–822123	2508433.61
9	73/2019	2018	कुन्दा–सी0– I/18	श्री शिव कुमार, पिता–स्व0 लल्लू राम, पुराना खस्सी मार्केट,वार्ड न0–5, हमीदगंज, डालटेनगंज, पलामू (झारखण्ड) पिन–822101	1373296.27
10	79/2019	1999	कुन्दा–सी0/ 1997	श्री महेन्द्र सिंह, पिता– सुखदेव सिंह, ग्राम–कान्दु मोहल्ला, पो0+थाना –डालटेनगंज, जिला–डालटेनगंज।	1295328.99
11	81/1999	1999	कुन्दा–बी0/ 1999	मे0 नेसात लिम्बस ट्रेडर्स, प्रो0 मो0 अमानुल्लाह खा, ग्राम–हॉस्पिटल रोड, पो0+थाना–डालटेनगंज, जिला–पलामू	1879084.00
12	82/2019	1999	कुन्दा–सी0/ 1999	श्री संजय कुमार, पिता–बैजनाथ प्रसाद, ग्राम–नावाटोली, पो0+थाना– डालटेनगंज, जिला–पलामू	436075.00
13	83/2019	1999	कुन्दा–बी0/ 1999	श्री संजय कु0 सिन्हा, पिता–श्री ददन प्र0 सिंह, ग्राम–सेवा सदन रोड, नावाहाता, पो0+थाना– डालटेनगंज, जिला–पलामू	157051.00
14	78/2019	2001	कुन्दा–ए0/ 2001	श्री श्याम नारायण सिंह, पिता–श्री त्रिभुवन सिंह ग्राम–नागरनागु, पो0–लात, थाना–बरवाडीह,जिला–लातेहार।	2021909.00
15	77/2019	1999	कुन्दा–सी0/1999	श्री बालदेव सिंह, पिता–श्री रामवृक्ष सिंह, ग्राम–बरखेता, पो0–लात, थाना–बरवाडीह, जिला– लातेहार।	360505.00

उक्त प्रमाणपत्र वाद के संबंध में सूचित करना है कि आपको निबंधित डाक से उपस्थित होने हेतु नोटिस दिया गया था परन्तु नीलाम पत्र पदाधिकारी–सह–प्रमण्डलीय प्रबंधक, लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमण्डल हजारीबाग के न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। विज्ञापन के तहत् आपको अंतिम अवसर देते हुए दिनांक 27.09.2022 को उपस्थित होकर नीलाम पत्र पदाधिकारी के न्यायालय में अपने वाद का संचालन करें अन्यथा आपके विरूद्ध एक पक्षीय/ Ex-Party कार्रवाई की जायेगी।

नीलाम पत्र पदाधिकारी–सह–
प्रमंडलीय प्रबन्धक, लघु वन पदार्थ
परियोजना प्रमंडल, हजारीबाग

PR 277046Forest, Environment and Climate Changes(22-23)#D

राजनीति में उलझे नदी विवाद

भारत में नदियों के जल बंटवारे, बांधों के निर्माण और राज्यों के बीच उनकी हिस्सेदारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे को लेकर दशकों से चले आ रहे विवादों का अगर समाधान नहीं निकल पा रहा है तो इसका मुख्य कारण नदी जैसे प्राकृतिक संसाधन के समुचित व तर्कसंगत उपयोग की जगह राजनीतिक सोच से प्रेरित होकर नदियों के जल का दोहन करना रहा है। देश में उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के बीच केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की स्वीकृति एक अच्छी शुरूआत मानी जा रही है। लेकिन अन्य नदियों को परस्पर जोड़ने वाली परियोजनाओं पर राज्यों में सहमति बनना मुश्किल हो रहा है। जल शक्ति मंत्रालय ने कहा है कि गोदावरी-कृष्णा व कृष्णा-पेन्नार-कावेरी नदी जोड़ परियोजना के जल के उपयोग को लेकर व्यावहारिक सहमति राज्यों के बीच नहीं बन पा रही है। राज्य अधिशेष पानी के हस्तांतरण और आबंटन से जुड़े जटिल मुद्दों पर सहमत नहीं हैं। इसी तरह पार-ताप्ती-नर्मदा परियोयना पर महाराष्ट्र और गुजरात ने आगे काम करने से इनकार कर दिया है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इस योजना के तहत राष्ट्रीय जल विकास एजंसी (एनडब्ल्यूडीए) ने व्यावहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए तीस अंतरराज्यीय नदियों की पहचान की है। इनमें प्रायद्वीपीय घटक के रूप में सोलह और हिमालयी घटक के रूप में चौदह नदी जोड़ परियोजनाओं के प्रस्ताव शामिल हैं। इनमें से आठ परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है, जबकि अन्य पर काम चल रहा है। भारत में नदियों के जल बंटवारे, बांधों के निर्माण और राज्यों के बीच उनकी हिस्सेदारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे को लेकर दशकों से चले आ रहे विवादों का अगर समाधान नहीं निकल पा रहा है तो इसका मुख्य कारण नदी जैसे प्राकृतिक संसाधन के समुचित व तर्कसंगत उपयोग की जगह राजनीतिक सोच से प्रेरित होकर नदियों के जल का दोहन करना रहा है। कर्नाटक और तमिलनाडु की जीवनरेखा मानी जाने वाली कावेरी नदी के जल को लेकर देश के दो बड़े राज्यों में हिंसा व आगजनी की घटनाएं देखने को मिलती ही रही हैं। जबकि कावेरी दोनों राज्यों के करोड़ों लोगों के लिए वरदान है, लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते कर्नाटक व तमिलनाडु की जनता के बीच केवल आगजनी व हिंसा के ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक टकराव के हालात भी पैदा होते रहे हैं। कहना न होगा कि कर्नाटक में जल विवाद के सामने आते ही पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने क्षेत्रीय मानसिकता से काम लेते हुए इस मुद्दे को भड़काने का काम किया। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर लड़ाई जीतने के लिए राजनीतिक पार्टियों व जनता को एकजुट होना होगा। यही नहीं, सुप्रीम

> **कर्नाटक और तमिलनाडु की जीवनरेखा मानी जाने वाली कावेरी नदी के जल को लेकर देश के दो बड़े राज्यों में हिंसा व आगजनी की घटनाएं देखने को मिलती ही रही हैं। जबकि कावेरी दोनों राज्यों के करोड़ों लोगों के लिए वरदान है, लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते कर्नाटक व तमिलनाडु की जनता के बीच केवल आगजनी व हिंसा के ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक टकराव के हालात भी पैदा होते रहे हैं। कहना न होगा कि कर्नाटक में जल विवाद के सामने आते ही पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने क्षेत्रीय मानसिकता से काम लेते हुए इस मुद्दे को भड़काने का काम किया। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर लड़ाई जीतने के लिए राजनीतिक पार्टियों व जनता को एकजुट होना होगा।**

कोर्ट के फैसले पर भी नाराजगी जताते हुए देवगौड़ा ने कहा था कि तमिलनाडु के किसान एक साल में तीन फसल उगा रहे हैं, जबकि कर्नाटक के पास एक फसल के लिए भी पानी नहीं है। ऐसे में उन्हें पानी देना कैसे संभव है। इसके विरोध में हमें तमिलनाडु के लोगों की तरह एकजुट होना होगा। जाहिर है, अगर हमारे राजनेता ही किसी विवाद को सुलझाने की बजाय क्षेत्रीयता के आधार पर लोगों को उकसाने की बात करते रहेंगे, तो समाधान कैसे निकलेगा! ऐसी ही एक पक्षीय धारणाओं की वजह से कर्नाटक-तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद सवा सौ साल से बना हुआ है। दक्षिण भारत की गंगा मानी जाने वाली कावेरी नदी कर्नाटक व उत्तरी तमिलनाडु में बहने वाली जीवनदायी सदानीरा नदी है। यह पश्चिमी घाट के ब्रह्मगिरि पर्वत से निकली है। यह आठ सौ किलोमीटर लंबी है। इसके आसपास के दोनों राज्यों के हिस्सों में खेती होती है। तमिल भाषा में कावेरी को 'पोन्नी' कहते हैं। पोन्नी का अर्थ सोना उगाना है। दोनों राज्यों की स्थानीय आबादी में ऐसी लोकमान्यता है कि कावेरी के जल में धूल के कण मिले हुए हैं। इस लोकमान्यता को हम इस अर्थ में ले सकते हैं कि कावेरी के पानी से जिन खेतों में सिंचाई होती है, उन खेतों से फसल के रूप में सोना पैदा होता है। इसीलिए यह नदी कर्नाटक और तमिलनाडु की कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मूलाधार है। जल बंटवारे को लेकर सन 1892 और 1924 में मैसूर राज्य व मद्रास प्रेसीडेंसी (वर्तमान तमिलनाडु) के बीच समझौते हुए थे। आजादी के बाद मैसूर का कर्नाटक में विलय हो गया। इसके बाद से कर्नाटक को लगने लगा कि मद्रास प्रेसीडेंसी पर अंग्रेजों का प्रभाव अधिक था, इसलिए समझौता मद्रास के पक्ष में किया गया है। लिहाजा वह इस समझौते को नहीं मानता है। जबकि तमिलनाडु का तर्क है कि पूर्व समझौते के मुताबिक उसने ऐसी कृषि योग्य भूमि विकसित कर ली है, जिसकी खेती कावेरी से मिलने वाले सिंचाई जल के बिना संभव ही नहीं है। इस बावत 1986 में तमिलनाडु ने विवाद के निपटारे के लिए केंद्र सरकार से एक पंचाट बनाने की मांग की। नदी विवाद जल अधिनियम के तहत 1990 में पंचाट बनाया गया। इस पंचाट ने कर्नाटक को आदेश दिया कि तमिलनाडु को चार सौ उन्नीस अरब क्यूसेक फीट पानी, केरल को तीस अरब और पांडिचेरी को दो अरब क्यूसेक पानी दिया जाए। किंतु कर्नाटक ने इस आदेश को मानने से इनकार करते हुए कहा कि कावेरी पर हमारा पूरा हक है, इसलिए हम पानी नहीं देंगे। उधर, कर्नाटक का तर्क है कि अंग्रेजों के शासनकाल में कुर्ग मैसूर रियासत का हिस्सा था और तमिलनाडु मद्रास प्रेसीडेंसी के रूप में फिरंगी हुकूमत का गुलाम था। ऐसे में 1924 के फैसले को सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि अभी भी पंचाट के इसी फैसले और अदालत के दबाव में कर्नाटक मजबूरीवश तमिलनाडु को पानी दे रहा है, लेकिन उसकी पानी देने की मंशा कतई नहीं है। यह पानी कर्नाटक में कावेरी नदी पर बने कृष्ण-राजा सागर बांध से दिया जाता है। जबकि तमिलनाडु कावेरी के पानी पर ज्यादा हक की मांग इसलिए करता है, क्योंकि कावेरी का चौवन प्रतिशत बेसिन इलाका उसके क्षेत्र में है। कर्नाटक में बेसिन क्षेत्र बयालीस प्रतिशत है। इसी आधार पर प्राधिकरण ने तमिलनाडु को कावेरी के आवन प्रतिशत पानी का हकदार बताया था। लेकिन कर्नाटक केवल एक हजार टीएमसी पानी देने को तैयार है। नतीजतन विवाद कायम है। इसी तरह तमिलनाडु व केरल के बीच मुल्ला पेरियार बांध की ऊंचाई को लेकर भी विवाद गहराया हुआ है। तमिलनाडु इस बांध की ऊंचाई एक सौ बत्तीस फीट से बढ़ा कर एक सौ बयालीस फीट करना चाहता है, वहीं केरल इसकी ऊंचाई कम रखना चाहता है। इस परिप्रेक्ष्य में केरल का दावा है कि यह बांध खतरनाक है, इसीलिए इसकी जगह नया बांध बनना चाहिए। जबकि तमिलनाडु ऐसे किसी खतरे की आशंका को सिरे से खारिज करता है। इसी तरह पांच नदियों वाले प्रदेश पंजाब में रावी और ब्यास नदी के जल बंटवारे पर पंजाब और हरियाणा पिछले कई दशकों से अदालती लड़ाई लड़ रहे हैं। इनके बीच दूसरा जल विवाद सतलुज और यमुना जोड़ का भी है। प्रस्तावित योजना के तहत सतलुज और यमुना नदियों को जोड़ कर नहर बनाने से पूर्वी व पश्चिमी भारत के बीच अस्तित्व में आने वाले जलमार्ग से परिवहन की उम्मीद बढ़ जायेगी। इस मार्ग से जहाजों के आवागमन से माल ढुलाई शुरू हो जायेगी। मसलन सड़क के समानांतर जलमार्ग का विकल्प खुल जायेगा। हरियाणा ने तो अपने हिस्से का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है, लेकिन पंजाब को इसमें कुछ नुकसान नजर आया तो उसने विधानसभा में प्रस्ताव लाकर इस समझौते को ही रद्द कर दिया। लिहाजा अब यह मामला भी अदालत में है।

■ **प्रमोद भार्गव**

एक नजर इधर भी

यूपी में नयी चुनौती

सभी दलों के आलाकमान द्वारा जातीय समीकरण के साथ ही उम्मीदवारों की ताकत की भी थाह लेने में लगे हैं। समाजवादी पार्टी की तरफ से कहा गया है कि सितंबर के अंत तक सभी जिला प्रभारी प्रत्येक सीट पर तीन-तीन उम्मीदवारों का पैनल प्रदेश मुख्यालय भेजेंगे। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को मिली हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर उस समय फोड़ा है जब महीने-दो महीने के भीतर नगर निकाय चुनाव की घोषणा होने वाली है। लगता है कि अखिलेश यादव चुनाव आयोग पर हार का ठीकरा फोडकर एक साथ कई टॉरगेट साधना चाहते हैं। एक तरफ वह राज्य निर्वाचन आयोग को सचेत कर रहे हैं कि वह केन्द्रीय चुनाव आयोग की तरह अपनी सीमाएं नहीं लांघे तो दूसरी तरफ ऐसे आरोप लगाकर सपा प्रमुख अपनी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को निराशा से भी उभारना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में नगर निगम चुनाव नवंबर में होने की संभावना व्यक्त की जा रही हैं। अगले महीने के अंत तक आचार संहिता भी लग सकती है। सड़क पर नगर निगम चुनाव के संभावित उम्मीदवारों के बैनर-पोस्टर नजर आने लगे हैं तो राजनैतिक दलों द्वारा भी निकाय चुनाव के लिए रणनीति बनाई जा रही है। जहां बीजेपी हर छोटे-बड़े चुनाव को गंभीरता से लेते हुए नगर निकाय चुनाव में भी पूरी ताकत के साथ उतरने की तैयारी में है, वहीं समाजवादी पार्टी की ओर से बनाये गये नगर निगम प्रभारी संबंधित क्षेत्र में डेरा डालकर अपनी रणनीति को अमली जामा पहनाने में लगे हैं। कांग्रेस में नगर निकाय चुनाव को लेकर कोई खास गहमागहमी नहीं है, लेकिन कुछ पुराने कांग्रेसी नेता व्यक्तिगत तौर पर पंजे के सहारे छोटे सदन में जाने के लिए जरूर उतावले नजर आ रहे हैं। बसपा नगर निकाय चुनाव को लेकर कभी गंभीर नहीं रही है, वह यह मानकर चलती है कि यह शहरी वोटरों का चुनाव है और बसपा की शहरी क्षेत्र में पकड़ काफी ढीली है। वहीं आम आदमी पार्टी जैसे कुछ और राजनैतिक दल भी नगर निकाय चुनाव के लिए जोर-आजमाईश में लगे हुए हैं। सभी दलों के आलाकमान द्वारा जातीय समीकरण के साथ ही उम्मीदवारों की ताकत की भी थाह लेने में लगे हैं। समाजवादी पार्टी की तरफ से कहा गया है कि सितंबर के अंत तक सभी जिला प्रभारी प्रत्येक सीट पर तीन-तीन उम्मीदवारों का पैनल प्रदेश मुख्यालय भेजेंगे। फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष एक नाम तय करेंगे। नगर निगम चुनाव में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पार्टी ने पुख्ता रणनीति बनाई है। पार्टी के विधायकों को अलग-अलग निगमों का प्रभारी बनाया गया है। अलग-अलग जिले के विधायकों को अलग-अलग नगर निगम की जिम्मेदारी देकर स्थानीय गुटबंदी को खत्म करने और जिताऊ उम्मीदवार चयन की रणनीति तैयार की गई है। समाजवादी पार्टी की रणनीति है कि वार्ड का आरक्षण तय होते ही वहां टीमें उतार दी जाएं। वार्ड में आबादी के हिसाब से 50 से 60 परिवार पर एक-एक प्रभारी बनाया जायेगा। सितंबर में हर सप्ताह वार्डवार बैठक करने की तैयारी है। वाराणसी के प्रभारी बनाये गये डॉ. मनोज पांडेय ने बताया कि नगर निगम की तैयारी शुरू कर दी गई है। जल्द ही निगम चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और स्थानीय नेताओं के साथ बैठक कर अगली रणनीति बनाई जायेगी। सभी नगर निकाय क्षेत्रों के प्रभारी स्थानीय नेताओं से संपर्क कर चुनाव की तैयारी में लगे हुए हैं। उत्तर प्रदेश के शहरों में ग्रास रूट की राजनीति यानी शहरी निकाय चुनाव में इस बार नए दलों की भी आमद होगी। बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी के साथ ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी उत्तर प्रदेश के नगर निगम के चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारेगी। महाराष्ट्र में शिवसेना व कांग्रेस के साथ गठबंधन में सरकार बनाने वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने अब उत्तर प्रदेश का रुख किया है। उत्तर प्रदेश नगर निगम के चुनाव से उत्तर प्रदेश में अपनी पारी का आगाज करने के साथ ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अपने संगठन का भी विस्तार करेगी।

■ **स्वदेश कुमार**

मुफ्त की सुविधाओं के बजाय क्यों न खर्च के नये नियम बनें

विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा दी जाने वाली मुफ्त सुविधाओं को लेकर पूरे देश में बहस छिड़ी हुई है। मुफ्त सुविधाओं से मतलब उन सेवाओं और उत्पादों से है, जो हुकूमतें अपने तमाम नागरिकों को या कुछ खास लोगों को मुफ्त में मुहैया कराती हैं। हमने हाल ही में किसानों की कर्जमाफी को लेकर एक अध्ययन किया है, जिसको अमूमन विवादास्पद माफी माना जाता है। साल 2001-02 व 2018-19 के बीच देश के 16 प्रमुख गैर-विशेष श्रेणी के राज्यों में से 11 ने 19 बार कृषि कर्ज माफ करने की घोषणा की है। इन राज्यों में केरल, पंजाब, महाराष्ट्र व तमिलनाडु जैसे समृद्ध राज्य भी हैं और उत्तर प्रदेश जैसे पिछड़े सूबे भी। हमारी गणना के मुताबिक, कर्जमाफी की राशि राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की 0.9 प्रतिशत से लेकर 4.6 फीसदी तक थी। कर्नाटक ने चार बार माफी की घोषणा की, जिसके बाद छत्तीसगढ़ ने तीन बार। चुनाव से पहले तत्कालीन सरकारों ने पांच बार ऐसी घोषणाएं कीं, जबकि 12 बार यह घोषणा घोषणापत्र को लागू करने के एवज में चुनावी जीत के बाद की गई। सिर्फ दो बार कर्जमाफी दो चुनावों की बीच की गई। भारत के दक्षिणी राज्यों (कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, जो अपेक्षाकृत समृद्ध हैं) ने 19 में से नौ बार इस छूट की घोषणा की है, जबकि बिहार और पश्चिम बंगाल ने कभी भी ऐसी घोषणा नहीं की। 60 फीसदी मामलों में यह माफी चुनाव से पहले घोषित की गई, फिर भी तत्कालीन सरकार जनादेश नहीं पा सकी, जो बताता है कि मतदाता समझदार हैं। साफ है, कृषि ऋण माफी न पार्टी की विचारधारा से जुड़ी है और न ही पक्षधरता से, यह विशुद्ध रूप से अवसरवादी राजनीति का उदाहरण है। इससे सबसे बड़े वोटर समूह, यानी किसानों को साधने का प्रयास किया जाता है। मगर कर्जमाफी जैसी घोषणाओं को लागू करते समय राज्य सरकारों को दुविधा का सामना करना पड़ता है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा राजकोषीय नियम अपनाने के बाद, ज्यादातर राज्य सरकारों ने 2006 में राजकोषीय उत्तरदायित्व कानून (एफआरएल) को लागू किया, जिसमें यह प्रतिबद्धता जताई गई कि 2009 तक अपने राजकोषीय घाटे को जीएसडीपी की तीन फीसदी से कम रखा जायेगा। हालांकि, घाटे की भरपाई के लिए पहले भी केंद्र इस पर नियंत्रण रखता था कि राज्य बाजार से कितना उधार ले सकता है, फिर भी इस राजकोषीय नियम में फिजूलखर्ची को कम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। राजकोषीय नियम का पालन न करने पर सरकार की प्रतिष्ठता खतरे में आती है। यहां तक कि समग्र राजकोषीय नियम की उपस्थिति में सरकारें कुल खर्च को बढ़ाये बिना सरकारी खर्च का ढांचा बदल सकती हैं। माफी नीति मौजूदा खर्च तो बढ़ाती ही है, सरकार को पूंजीगत खर्च रोकने को बाध्य भी करती है, जिसमें सिंचाई भी शामिल है, जो कृषि के लिए फायदेमंद मानी जाती है। वित्तीय फिजूलखर्ची को आखिर कैसे रोका जाना चाहिए? यह कहना कठिन है कि कौन सी मुफ्त सुविधाएं जारी रहनी चाहिए और कौन सी नहीं। यह जन-साधारण पर उनके असर से तय होता है। इसके अलावा, सरकारें नये-नये समूहों को आकर्षित करने के लिए भी यह काम कर सकती हैं। हालांकि, हमें नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकारों के पास इस संदर्भ में फैसले लेने का अधिकार होता है। ऐसे में, मुफ्त सुविधाओं पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश करने के बजाय बेहतर होगा कि हम खर्च नियम या शून्य राजस्व घाटा नियम अपनाने पर विचार करें। घाटे को संयोजित करते हुए कई देशों ने व्यय नियम अपनाये हैं, जिसमें उनको कई रूपों में सफलता मिली है। मिश्रा एट अल (2021) ने पूंजीगत व्यय से राजस्व खर्च का अनुपात 4-5 की सीमा में रखने संबंधी लक्ष्य बनाने का सुझाव दिया है और पूंजी परिव्यय में वृद्धि की एक विशेष दर को लक्षित करने की बात कही है। जाहिर है, केंद्र और राज्य सरकारों के लिए खर्च नियम बनाने या शून्य राजस्व घाटा नियम को बहाल करने की व्यावहारिकता का पता लगाने के लिए नए-नए शोध व अनुसंधान होने चाहिए।

> **साल 2001-02 व 2018-19 के बीच देश के 16 प्रमुख गैर-विशेष श्रेणी के राज्यों में से 11 ने 19 बार कृषि कर्ज माफ करने की घोषणा की है। इन राज्यों में केरल, पंजाब, महाराष्ट्र व तमिलनाडु जैसे समृद्ध राज्य भी हैं और उत्तर प्रदेश जैसे पिछड़े सूबे भी। हमारी गणना के मुताबिक, कर्जमाफी की राशि राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की 0.9 प्रतिशत से लेकर 4.6 फीसदी तक थी। कर्नाटक ने चार बार माफी की घोषणा की, जिसके बाद छत्तीसगढ़ ने तीन बार। चुनाव से पहले तत्कालीन सरकारों ने पांच बार ऐसी घोषणाएं कीं।**

■ **विद्या महांबारे**

है न विचित्र बात !

बदला-बदला दिल्ली शहर

शेख हसीना वाजेद आगामी 5 सितंबर को दिल्ली आयेंगी तो उन्हें यह शहर पहले जैसा तो नहीं लगेगा। ना उन्हें उनकी सहेली शुभ्रा मुखर्जी और ना ही सहेली के पति और भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी मिल पायेंगे। दोनों दिवंगत हो चुके हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना दिल्ली में 1975-1981 के दौरान निर्वासित जीवन गुजार रही थीं। पति डॉ. एमए वाजेद मियां और दोनों बच्चे भी साथ थे। वह पंडारा पार्क के एक फ्लैट में रहती थीं। तब प्रणब मुखर्जी और उनकी पत्नी शुभ्रा मुखर्जी उनके साथ रहे। शेख हसीना और शुभ्रा मुखर्जी करीब आ गए थे। दरअसल शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीब-उर-रहमान, मां और तीन भाइयों का 15 अगस्त 1975 को ढाका के धनमंडी स्थित आवास में कत्ल कर दिया गया था। तब शेख हसीना जर्मनी में थीं। वाजिद मियां न्यूक्लियर साइंटिस्ट थे, जर्मनी में ही कार्यरत। पंडारा रोड में शिफ्ट करने से पहले शेख हसीना 56, लाजपत नगर-पार्ट तीन में भी रही थीं। बाद के कई साल वहां बांग्लादेश का हाई कमीशन काम करता रहा, जो अब चाणक्यपुरी में है। परिवार के कत्लेआम से वह टूट चुकी थीं। तब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें राजनीतिक शरण देने का फैसला लिया था। इंदिरा गांधी और शेख मुजीब-उर-रहमान के निजी संबंध थे। दिल्ली में शेख हसीना अपने परिवार के साथ प्रणब मुखर्जी के तालकटोरा रोड वाले घर में लगातार जाती थीं। तब दोनों परिवारों के बच्चे भी करीब आए। उन्होंने आकाशवाणी की बांग्ला सेवा में काम करना भी शुरू कर दिया। शेख हसीना 1981 में स्वदेश वापस चली गईं, पर मुखर्जी परिवार से उनके संबंध बने रहे। वह जब भी दिल्ली आईं, शुभ्रा जी और प्रणब मुखर्जी से मिलने का वक्त अवश्य निकाला। शुभ्रा जी का 18 अगस्त 2015 को निधन हो गया था। शेख हसीना तब अपनी पुत्री पुतुल के साथ खासतौर पर प्रणब मुखर्जी से संवेदना व्यक्त करने आई थीं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अगवानी करने प्रणब दा की पुत्री शर्मिष्ठा मुखर्जी पहुंची थीं। पुतुल और शर्मिष्ठा ने साथ-साथ गुड्डे-गुड़ियों के खेल खेले थे। शेख हसीना के लिए दिल्ली दूसरे घर की तरह रहा। आपको यहां पर उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान के नाम पर एक सडक भी मिल जायेगी। इसका नाम 2017 तक पार्क स्ट्रीट था। यह सड़क राम मनोहर लोहिया अस्पताल के करीब है। शेख मुजीब-उर-रहमान बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में केंद्रीय शख्सियत रहे थे। वह 10 जनवरी 1972 को दिल्ली आये थे। तब उनका पालम हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत हुआ था। उन्होंने बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन में भारत के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया था। उनका हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनकी कैबिनेट ने स्वागत किया था। पालम हवाई अड्डे से लेकर राष्ट्रपति भवन तक हजारों दिल्ली वाले हाथ हिलाकर उनका अभिवादन कर रहे थे। उन्होंने कोलकाता के मौलाना आजाद कॉलेज से कानून की पढ़ाई की थी और वहीं से छात्र राजनीति में शामिल हुए थे। **ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।**

■ **विवेक शुक्ला**

उच्च शिक्षण संस्थानों का साथ लीजिये

भारत विकसित होने की राह पर है। अभी हाल में प्रधानमंत्री ने आने वाले पचीस वर्षों में भारत को विकसित देश बनाने का नारा भी दिया है। भारत में इस वक्त दुनिया के किसी भी विकसित देश से कई गुना ज्यादा विकास परियोजनाएं चल रही हैं। गरीबों की जीवन शक्ति, विकास की चाह रखने वालों में क्षमता निर्माण, आधारभूत संरचनाओं का निर्माण, महिला शक्ति निर्माण, सामाजिक संयोजन, आर्थिक समाहितीकरण की अनेक योजनाएं भारत सरकार संचालित कर रही है। साथ ही, जलशक्ति, गतिशक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण, इकोनॉमिक कॉरिडोर, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी आंतरिक सुरक्षा, ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक परियोजनाएं केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा संचालित की जा रही हैं। इन सभी परियोजनाओं का लक्ष्य भारत को विकासमान महाशक्ति बनाना तो है ही, साथ ही इनसे भारत में विकास का महाआख्यान गढ़ने की कोशिश भी है, जो देश में विकासात्मक हस्तक्षेप और विकास की आकांक्षा व प्रेरणा विकसित कर सके। लेकिन विडंबना यह है कि विकास के इस अभियान के ईद-गिर्द अभी ज्ञान निर्माण का कार्य नहीं हो सका है। भारतीय राज्य खुद ही अभियान चला रहा है और अभियान को लागू होते हुए खुद ही देख रहा है। इसमें 'एक तीसरे पक्ष' की जरूरत है। वह पक्ष हमारे देश के 'उच्च शिक्षा संस्थान' हो सकते है, जो अपने-अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों और इनसे होने वाले सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक बदलाव का आकलन कर सकते हैं। वे हमारी विकास प्रक्रिया के उपयोगी दस्तावेजीकरण को अंजाम दे सकते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि भारत में 1,000 से ज्यादा विश्वविद्यालय हैं, जिनमें 54 केंद्रीय विश्वविद्यालय, 416 राज्य विश्वविद्यालय, 125 डीम्ड यूनिवर्सिटी, 361 निजी विश्वविद्यालय, 159 राष्ट्रीय महत्व के शोध संस्थान, जिनमें अनेक आईआईटी व आईआईएम शामिल हैं। ये सभी देश के विभिन्न भागों में फैले हैं। वन क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्र, मरुस्थल, सामूहिक क्षेत्र, हर जगह कोई न कोई उच्च शिक्षा का संस्थान है। इनके साथ कॉलेजों को जोड़ दिया जाए, तो संख्या लाखों तक जा सकती है। उच्च शिक्षा के ये संस्थान भारत में विकास की 'तीसरी आंख' बन सकते हैं, जो निरपेक्ष होकर विकास की इस गति को देख सके और उसकी समुचित व्याख्या कर सके। दुनिया के अनेक देशों में विश्वविद्यालय अपने-अपने मुल्क में विकास के 'थिंक टैंक' के रूप में सक्रिय हैं। दुनिया में ऐसे अनेक विश्वविद्यालय हैं, जो अपने समाज व देश में विकासपरक हस्तक्षेप के कारण हो रहे सामाजिक बदलावों के 'आर्काइव' और डाटा केंद्र के रूप के सक्रिय तो हैं ही, साथ ही, अपने-अपने समाज में विकास के प्रकाश स्तंभ और विचार केंद्र के रूप में भी कार्यरत हैं। भारत में उच्च शिक्षा संस्थान मूलतः शिक्षा व डिग्री देने के केंद्र के रूप में कार्यरत हैं। यह ठीक है कि इस प्रक्रिया में वे ऐसे छात्र पैदा करते हैं, जो विकास के इस अभियान में मानवीय शक्ति व एजेंसी के रूप में कार्य कर सकें, किंतु इससे भी आगे बढकर इन्हें भारत में विकास के विचार केंद्र के रूप में भी विकसित होने की अपेक्षा की जानी चाहिए। भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को अपने वजूद में यह एक नया आयाम शामिल करने की जरूरत अभी बाकी है। हमारे उच्च शिक्षा संस्थान विकास के विचार केंद्र एवं तीसरी आंख बन सकें, यह हमारे समय की एक बड़ी जरूरत है। विकास के प्रयास सिर्फ आर्थिक-प्रशासनिक क्रिया ही नहीं, वरन एक विचार, दर्शन व विवेक के बड़े फ्रेम की भी मांग करते हैं। यह कार्य कोई राजसत्ता अकेले नहीं कर सकती। अभी तक बिना बौद्धिक विचार एवं आकलन के विकास का महायज्ञ किसी भी राष्ट्र में सफलतापूर्वक पूरा नहीं हो सका है। भारत जब आज विकसित राष्ट्र बनने की जद्दोजहद की रहा है, तब भारतीय विश्वविद्यालय इस प्रक्रिया के मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। उन्हें विकास का न सिर्फ अध्ययन करना होगा, बल्कि विकास में हरसंभव सहयोग भी करना होगा। जिन देशों में तेज आर्थिक विकास हुआ है, उनमें विश्वविद्यालयों की भूमिका व्यापक है। आज हम जहां भी हैं, वहां राज्य या सरकार सक्रिय है। उसकी सक्रियता कई रूपों में है। उनमें एक है - विकास परियोजनाओं का संचालन व उनसे बन रहा लाभार्थी समुदाय। हम जहां भी हैं, वहां के हमारे आर्थिक एवं सामाजिक जीवन में कुछ न कुछ घटित हो रहा है। हमारे दैनिक जीवन में हो रहे इन बदलावों का दस्तावेजीकरण और उन पर गहन शोध की जरूरत है। यह कार्य राजसत्ता अकेले नहीं कर सकती, इसके लिए उच्च शिक्षा संस्थानों को साथ लेना होगा। शायद इसकी जरूरत आज महसूस की जाने लगी है। भारत सरकार का शिक्षा विभाग देश के कई बड़े विश्वविद्यालयों, आईआईटी एवं आईआईएम का एक संयुक्त पुल तैयार कर रहा है, जो देश के विकास के प्रयासों का नीतिगत आकलन तो करेगा ही, उनके सामाजिक प्रभावों का भी अध्ययन करेगा। साथ ही, ये केंद्रीय महत्व के शिक्षा संस्थान भारत सरकार के विभिन्न विभागों के साथ मिलकर अपने को 'विकास के थिंक टैंक' के रूप में स्थापित कर सकेंगे। शिक्षा मंत्रालय विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर भारत में विकास दृष्टि, उनका आकलन और उनके सामाजिक प्रभावों पर अध्ययन करने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रहा है। इसे 'ज्ञान की विरासत' निर्माण के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। सचमुच विकास ढांचागत संरचना ही निर्मित नहीं करता, वरन बौद्धिक संपदा भी सृजित करता है, किंतु यह 'बौद्धिक संपदा' अभी तक प्रायः असंकलित, अपरिभाषित ही है। हो सकता है, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की यह पहल एक ऐसी बौद्धिक संपदा सृजित करे, जो भविष्य में हमें सार्थक परिणाम दे। ऐसी 'ज्ञान परंपरा' राष्ट्र निर्माण की शक्ति भी देगी। इसके लिए जरूरी है कि हमारे देश में उच्च शिक्षा संस्थान सक्रिय होकर आगे आएं और विकास में अपनी भूमिका बढ़ायें।

> **दुनिया में ऐसे अनेक विश्वविद्यालय हैं, जो अपने समाज व देश में विकासपरक हस्तक्षेप के कारण हो रहे सामाजिक बदलावों के 'आर्काइव' और डाटा केंद्र के रूप के सक्रिय तो हैं ही, साथ ही, अपने-अपने समाज में विकास के प्रकाश स्तंभ और विचार केंद्र के रूप में भी कार्यरत हैं। भारत में उच्च शिक्षा संस्थान मूलतः शिक्षा व डिग्री देने के केंद्र के रूप में कार्यरत हैं। यह ठीक है कि इस प्रक्रिया में वे ऐसे छात्र पैदा करते हैं, जो विकास के इस अभियान में मानवीय शक्ति व एजेंसी के रूप में कार्य कर सकें, किंतु इससे भी आगे बढकर इन्हें भारत में विकास के विचार केंद्र के रूप में भी विकसित होने की अपेक्षा की जानी चाहिए।**

■ **बद्री नारायण**

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, Ph. 0651-2283384/Fax 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-LF, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार-829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा-फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)।

न्यूज गैलरी

प्रतिमा विसर्जन के साथ तीन दिवसीय गणेश उत्सव संपन्न

लातेहार। गाजे बाजे के साथ विघ्नहर्ता मंगलकर्ता गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया. विसर्जन के साथ तीन दिवसीय गणेश उत्सव संपन्न हो गया. यह गणेश महोत्सव ग्रीन नेचूरल क्लब, मेन रोड द्वारा आयोजित किया गया था. भगवान गणेश की प्रतिमा विसर्जन के दौरान मेन रोड से शोभा यात्रा निकाली गयी। यह शोभा यात्रा थाना चौक, बाइपास चौक होते हुए एसबीआई के सामने अविस्थत बड़ा तालाब पहुंची. नम आंखों से श्रद्धालुओं ने गणेश जी की मूर्ति का विसर्जन किया। इसके साथ ही गणपति जी को अगले साल फिर आने का न्यौता भी दिया। विसर्जन के दौरान क्लब के संरक्षक निर्मल कुमार महलका, विजय प्रसाद, ब्रजेश अग्रवाल, अमीत कुमार, अध्यक्ष विशाल अग्रवाल, बजरंगी प्रसाद, गजेंद्र प्रसाद, संतोष प्रसाद, संतोष गुप्ता, गौरव अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, संजय, गौतम सिन्हा, पप्पू, सत्येंद्र, आनंद, राजू समेत कई लोग शामिल थे।

वज्रपात से 18 बकरी व तीन बैल की मौत, 8 मवेशी गंभीर रूप से घायल

महुआडांड़। प्रखंड के ओरसापाठ पंचायत के ग्राम अम्बाकोना में बदुदेव नागेशिया के एक बैल, चार बकरी की वज्रपात होने से मौत हो गई। वही बन्ध नागेशिया की 12 बकरी, रामदास नागेशिया, आनन्द नागेशिया के 2 बकरी की मौत वज्रपात से हो गई। इधर पंचायत के कुकुद पाठ अंतु नागेशिया एंव सुरज किसान के एक एक बैल पशु धन की मौत वज्रपात से हो गई। सभी पशुधन बाहर चरने गई हुई थी। सभी मृतक पशुधन के मालिक ने प्रशासन से उचित मुआवजा की मांग की है। वज्रपात से पशुधन की मौत होने पर पंचायत की मुखिया अमृता देवी द्वारा किसानों को उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया।

बाइक दुर्घटना में तीन लोग घायल, सदर अस्पताल में भर्ती

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के थाना चौक के समीप शनिवार की दोपहर बाइक दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। घायल की पहचान गढ़वा निवासी रामशीष मेहता उम्र 55 वर्ष, मेदिनीनगर निवासी राहुल कुमार उम्र 17 वर्ष व रूपेश कुमार के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि तीनों लोग एक ही बाइक से गढ़वा जिले से लातेहार आ रहे थे। इसी दौरान थाना चौक के समीप कुत्ता बाइक के सामने आने पर असंतुलित होकर बाइक सवार गिर गया। जिससे तीनों लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सक डा. एसएन चौधरी एवं ड्रैसर पंकज कुमार ने प्राथमिक उपचार किया।

तेलियाडीह में बीडीओ ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

टंडवा(चतरा)। शनिवार को टंडवा प्रखंड के नावाडीह उर्फ तेलियाडीह पंचायत का दौरा कर प्रखंड विकास पदाधिकारी रंथु महतो ने आंगनबाड़ी का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रखंड क्षेत्र के हेसातु गांव के जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र का भी बीडीओ ने निरीक्षण कर स्थिति से अवगत हुए। सेविका से नौनिहालों को मिलनेवाले पोषाहारों सहित अन्य जानकारियां ली गई। उन्होंने आंगनबाड़ी भवन के जर्जर अवस्था को देखकर बच्चों को अन्यत्र पठन-पाठन कराने का निर्देश सेविका को दिया। बीडीओ ने कहा कि जर्जर भवन की हालात पर वे रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को शीघ्र सौंपेंगे। इस दौरान जिप सदस्या देवंती देवी, उप प्रमुख जितेन्द्र सिंह, मुखिया महावीर साव समेत अन्य शामिल थे।

नवयुक क्लब के तत्वावधान में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

चतरा/गिद्धौर। शनिवार को गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत सिन्दूरबे में नवयुक क्लब के तत्वाधान में फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। टूनार्मेंट का शुभारंभ राष्ट्रीय गाण के उपरांत जिला परिषद सदस्य अनिता देवी, प्रमुख अनिता देवी, मुकेश कुमार साव, मौलाना महफूज रहमान, समाज सेवी सतेंद्र प्रसाद कुशवाहा, बालेश्वर प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से फीता काट व कीक मारकर किया। इस दौरान अतिथियों ने कहा कि खिलाड़ी खेल को खेल की भावना से खेलें। खेल से शारीरिक व मानशिक विकास होता है। मौके पर पूर्व प्रमुख प्यारी देवी, पुरषोत्तम कुमार, उमेश गोप, समाज सेवी वैद्यनाथ दांगी, लखन रज्जक, नागेश्वर यादव, महानन्द यादव, ननकू उरांव सहित अन्य शामिल थे।

पितीज में 2.49 लाख की लागत से बने सार्वजनिक शौचालय में लटका है ताला

चतरा। 15 वें वित्त आयोग से इटखोरी प्रखंड अंतर्गत पितीज बाजार स्थित आंगनबाड़ी के समीप 2 लाख 49 हजार 315 रुपये की लागत से बने सार्वजनिक शौचालय में विभागीय लापरवाही के कारण ताला लटका हुआ है। ज्ञात हो कि शनिवार सप्ताहिक बाजार को में पहुंचने वाले लोगों को ध्यान में रखते हुए शौचालय का निर्माण किया गया था। परंतु निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद भी बंद शैचालय शोभा की वास्तु बनकर रह गयी है। वहीं समाजसेवी मृत्युंजय कुमार दांगी ने इस संबंध में कहा कि सप्ताहिक बाजार में आने वाले लोगों के लिए शौचालय की मांग की गई, जिसपर विभाग द्वारा शौचालय तो बना दिया गया। लेकिन आज तक शौचालय में ताला लटका हुआ है। उन्होंने जिला प्रषासन व संबंधित अधिकारियों से बंद शौचालय खुलवाने की मांग की है। जबकी सूत्रों की माने तो शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण अबतक ताला लगा है।

विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा

योजनाओं का लक्ष्य ससमय पूर्ण करें : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरान की अध्यक्षता में शनिवार को जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुइ। जिसमें मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, सभी विकास व जन कल्याणकारी योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन आदि की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना को लेकर जिला पशुपालन पदाधिकारी को ससमय लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। समाजिक सुरक्षा विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं के लक्ष्य के विरूद्ध किए गये कार्यों की उपायुक्त ने बिंदुवार समीक्षा करते हुए सहायक निदेशक को विभाग अन्तर्गत संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर योग्य लाभुकों को लाभान्वित करने का निर्देश दिया। वहीं दिव्यांगता से संबंधित योजनाओं को लोकर कहा गया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए दिव्यांग छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करें। मनरेगा की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने मजदूरों का लंबित बकाया राशि, आधार वेरिफिकेशन, जॉब कार्ड वेरिफिकेशन से संबंधित जानकारी लेते हुए मनरेगा मजदूरों के लंबित बकाया राशि भुगतान करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं प्लेग्राउण्ड को लेकर उपायुक्त ने प्लेग्राउण्ड में ड्रेसिंग रूम, शौचालय का निर्माण कार्य को लेकर समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त उत्कर्ष गुप्ता, निदेशक डीआरडीए अरूण कुमार एक्का, एसडीओ मुमताज अंसारी, सभी बीडीओ, कार्यपालक पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

अफीम खेती रोकथाम को लेकर चला जागरूकता अभियान

कुंदा (चतरा)। कुंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत आसेदेरी व सरायडीह में शनिवार को थाना प्रभारी परमानंद मेहरा के अध्यक्षता में अफीम खेती रोकथाम को लेकर ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीणों को अफीम खेती के दुष्प्रभाव की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए अफीम खेती से दूर रहने की सलाह दी गई। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों से कहा की अफीम खेती करना कानून अवैध है। खेती करने में संलिप्त पाए जाने वाले तस्कर को किसी भी परिस्थिति में नहीं बख्शा जाएगा। जागरूकता अभियान में एसआई विकास कुजूर, वनकर्मी समेत ग्रामीण शामिल थे।

दिव्यांग दंपत्ति का आवंटित पीएम आवास चढ़ा बिचौलियों की भेंट

शशि पाठक

टंडवा (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कबरा पंचायत में सक्रिय बिचौलियों द्वारा दो दिव्यांग दंपत्ति के लिए आवंटित प्रधानमंत्री आवास की राशि गबन कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। स्थिति ऐसी है कि कबरा पंचायत के सिसई निवासी दिव्यांग गंझू उर्फ लंगरा भुईयां पिता बुधु भुईयां 75 वर्ष अपनी पत्नी सुगीया देवी के साथ झोपड़ीनुमा घर में मुफलिसी के बीच गुजारते हुए आवंटित आवास का बाट अब भी जोह रहा है। जबकि गंझू को वर्ष 2017 में निबंधन संख्या जेएच 1028148 के माध्यम से आवास मुहैया कराया गया। पर बिचौलियों की सेंधमारी में उक्त आवास महज कागजों में हीं सिमट कर रह गया। लोगों की मानें तो तात्कालिक मुखिया, पंचायत सेवक, रोजगार सेवक और प्रखंड के अधिकारियों ने राशि का बंदरबांट कर लिया। जबकि लाभार्थी को फूटी कौड़ी तक नसीब नहीं हुई है। मामले में पंचायत समिति सदस्या शशि बाला देवी ने कहा कि उच्चाधिकारी अविलंब संज्ञान लेकर संलिप्त दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई कर आवास मुहैया कराएं। वहीं समाजसेवी उदय पांडेय ने कहा कि विभिन्न योजनाओं में इस तरह के अनेकों मामले हैं जहां लाखों-करोडों रुपए का बंदरबांट अधिकारियों की मिली-भगत से अबतक हो चुका है। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व सिसई के हीं बालेश्वर रजक के आवास की राशि गबन कर ली गई थी। जिसपर बीडीओ रंथु महतो ने त्वरित संज्ञान लेते हुए गबन की राशि रिकवरी कर लाभुक को मुहैया करवाया था।

समायोजन की मांग को लेकर आत्माकर्मी काला बिल्ला लगाकर गये अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। झारखंड आत्मा कार्मिक संघ झारखंड के आह्वान पर शनिवार को कृषि कार्यालय के समक्ष पदों में समायोजन की मांग को लेकर आत्मा कर्मी ने काला बिल्ला लगाकर अनिश्चितकालीन हड़ताल चले गए।कृषि विभाग के लेखापाल सह लिपिक भोला राम ने बताया कि संघ द्वारा विगत कई वर्षों से अपनी मांगों के लिए विभागीय मंत्री सहित सभी उच्च अधिकारियों को मांग पत्र दिया गया। किंतु अभी तक विभाग के द्वारा आत्मा कर्मियों की मांग पर कोई भी विचार नहीं किया गया, जबकि कृषि एवं कृषि से संबंधित विभागों के द्वारा संचालित सभी योजनाओं को आत्मा कर्मियों के द्वारा ही पूरा किया जाता है। आत्मा कर्मी को कृषि विभाग अंतर्गत विभिन्न पदों में आत्माकर्मी को समायोजन किया जाए। आत्मा कर्मी को वर्ष में दो बार वेतन मिलता है। इसे प्रत्येक महीना देने का सरकार प्रावधान करें। विगत छह महीने से वेतन नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि झारखंड आत्मा कार्मिक संघ ने अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। उन्होंने बताया कि तीन सितंबर को काला बिल्ला लगाकर जिला कृषि कार्यालय आत्मा कार्यालय में विरोध प्रदर्शन, पांच सितंबर को कलम बंद हड़ताल करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से कार्य का बहिष्कार एवं सात सितंबर को मांग पूर्ण होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल कृषि कार्यालय परियोजना निदेशक आत्मा के कार्यालय परिसर में किया जाएगा। मौके पर उप परियोजना निदेशक आत्मा सप्तमी कुमार झा, बलबीर सिंह, अभिनाश कुमार, समीम अंसारी, जितेंद्र कुमार सिंह, सौरभ जयसवाल, राहुल कुमार सिंह, सपना कुमारी, सबिता कुमारी समेत कई लोग शामिल थे।

अफीम खेती उन्मुलन को लेकर पुलिस ने लगाया शिविर

लोगों को दुष्परिणाम से कराया गया अवगत

अफीम के अवैध खेती व तस्करी होने पर इसकी जानकारी देना अनिवार्य

नवीन मे संवाददाता

पत्थलगड़ा(चतरा)। पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत नोनगांव पंचायत सचिवालय में शनिवार को अवैध अफीम की खेती व तस्करी पर रोकथाम को लेकर शिविर का आयोजन थाना प्रभारी बमबम कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया। शिविर को संबोधित करते हुवे थाना प्रभारी श्री कुमार ने कहा की एनडीपीएस एक्ट की धारा 47 (ए) के तहत सरकार के प्रत्येक अधिकारी, प्रत्येक पंच, सरपंच व किसी भी प्रकार के अन्य ग्राम अधिकारी को अफीम के अवैध खेती व तस्करी होने व करने आदि की जानकारी मिलने पर इसकी जानकारी पुलिस अधिकारी को देना अनिवार्य है। आगे इसके दुष्परिणाम से सभी को अवगत कराते हुए कहा कि इस अवैध कार्य से दुर रहें व जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी व वरीय अधिकारियों को सूचना करें, आपका नाम गुप्त रखा जाएगा। साथ ही अफीम तस्करों को को भी चेतावनी देते हुए तस्करी नही करने की बात कही। इस अवसर पर थाना प्रभारी श्री कुमार ने सभी जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों को अवैध अफीम खेती व तस्करी पर रोक को लेकर सपथ दिलाया। शिविर में जनप्रतिनिधियों के साथ भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सात युवतियों को प्रशिक्षण के लिए भेजा गया रांची

चतरा/गिद्धौर। जेएसएलपीएस द्वारा गिद्धौरा गिद्धौर प्रखंड से 7 युवतियों को प्रशिक्षण के लिए शनिवार को रांची रवाना किया गया। युवतियों को प्रशासनिक सहायक अमरजीत सिन्हा व प्रधान सहायक संजीत पाठक के नेतृत्व में रांची के लिए रवाना किया गया। इस दौरान श्री सिन्हा ने बताया कि जेएसएलपीएस के द्वारा प्रखंड के 7 युवतियों को तीन माह के शिलाई प्रशिक्षण के लिए शाही एक्सपर्ट प्राइवेट लिमिटेड रांची ओरमांझी भेजा गया है।

चंदवा पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री, कहा

ग्रामीणों के साथ अन्याय हुआ तो करेंगे आंदोलन

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। पूरे राज्य में पुलिस व्यवस्था चरमराई हुई है,कही पुलिस कोयला चोरी में शामिल है तो कही गुंडागर्दी कर रही है। यदि आम नागरिकों को बेवजह परेशान किया गया तो भाजपा चुप नही बैठेगी,सड़क पर उतरकर आंदोलन किया जायेगा, उक्त बातें भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष दीपक प्रकाश ने शुक्रवार की रात डाक बंगला में चंदवा के व्यवसायियों के प्रतिनिधि मंडल के साथ वार्ता के दौरान कही। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि किसी भी ग्रामीणों के संग पुलिसिया जुल्म होगा तो भाजपा के कार्यकर्ता खामोश नही रहेंगे। व्यवसायियों के साथ मारपीट की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि इसकी शिकायत राज्य के डीजीपी और मुख्यसचिव से करेंगे। दुकानदार संघ के अध्यक्ष अजय कुमार ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शनिवार की रात हुई घटना के बाद से व्यवसायियों के अंदर दहशत व्याप्त है। दुकानदारों पर फर्जी केस भी किया गया है। व्यवसायी अपना धंधा करेंगे या फिर केस मुकदमा लड़ेंगे। वही भाजपा के नेताओं ने चंदवा पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाया है कहा की व्यवसाइयों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई नही की गई तो हम सभी आंदोलन को बाध्य होंगे।इससे पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष दीपक प्रकाश,महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू,महामंत्री बालमुकुंद सहाय और भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव का चंदवा भाजपा ने मंडल अध्यक्ष अमित गुप्ता के नेतृत्व में जोरदार ढंग से स्वागत किया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि महेंद्र साहू, प्रभाकर मिश्रा, रामवृक्ष चौधरी, बिनोद गुड्डू, देवमणि वैद्य,राजकुमार पाठक, मंटू केसरी, दीपक निषाद, शिवकेश्वर यादव, आशीष सिंह, हरिवंश प्रजापति, राम बाबू,अमरदीप साहू, बबलू सोनी, बिनय कुमार रिक्की, दुर्गा ठाकुर समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

बरवाड़ीह में पांच दिवसीय गणेश उत्सव पर भक्ति जागरण का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

पत्थलगडा(चतरा)। जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत बरवाडीह गांव में आयोजित पांच दिवसीय गणेश उत्सव पर बीते रात्री भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य अतिथि जिप सदस्य, विधायक प्रतिनिधि अरविन्द ठाकुर व पूजा समिति अध्यक्ष बंधन प्रजापति आदि ने संयुक्त रुप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर समिति के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया। उसके बाद जागरण में रांची से आये कलाकारों ने गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरूवात करते हुए एक से बढ़कर एक भक्ति भजन प्रस्तुतकर लोगों को खुब झूमाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपाध्यक्ष सनोज दांगी, दिलीप साव, रविन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष रामचन्द्र दांगी, अंकित राणा, सतीष कुमार, डीजे मनोज दांगी, संदीप कुमार, आशीष कुमार, रविन्द्र कुमार वर्मा, बिनोद दांगी, लक्ष्मण दांगी, अशोक राणा, पवन कुमार, सिकेंद्र कुमार, नवीन कुमार, दिलीप कुमार आदि ने अहम योगदान दिया।

श्रम मंत्री के पहल पर युवक का शव आंध्रप्रदेश से पहुंचा गांव

चतरा/गिद्धौर। राज्य के श्रम नियोजन प्रषिक्षण सह कौशल विकास विकास मंत्री सत्यांन्द भोक्ता के पहल पर दो दिन बाद आंध्रप्रदेश के अनतापुर से गिद्धौर उमाढांकी गांव पहुंचा मृत युक का शव। उक्त आशय की जानकारी 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष विनोद पासवान ने देते हुए बताया कि युवक थाना क्षेत्र के उमाढांकी गांव निवासी स्वर्गीय जुगल गंझू का 19 वर्षीय पुत्र राजकुमार सिंह भोक्ता की मौत दो दिन पूर्व आंध्रप्रदेश के अनतापुर में काम करने के दौरान हो गई थी। जिसे मंत्री के पहल पर गांव लाया गया। वहीं युवक का शव गांव पहुंचते ही प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष, सदस्य कुदुस आलम, मुखिया डेगन गंझू, राजेश कुशवाहा पहुंचकर परिजनों को सांतवना देते हुए हर सम्भव मदद करने की बात कही।

अपराधियों ने रेलकर्मी एएलपी के साथ मारपीट कर नगदी व रेल सामानों की लूटपाट की

मामला दर्ज करने को लेकर चालकों ने जमकर किया हंगामा

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। धनबाद रेल मंडल के बरवाडीह रेलवे डिपो में सहायक लोको पायलट के पद पर कार्यरत रेल कर्मी रविंद्र कुमार को शुक्रवार की मध्य रात्रि ड्यूटी जाने के क्रम में अज्ञात अपराधियों ने उनके साथ मारपीट करते हुए नगदी, मोबाईल व रेलवे ड्यूटी के अन्य सामानों की लूटपाट की। अपराधियों के मारपीट से रेलकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए जिसका इलाज रेलवे चिकित्सक द्वारा देर रात्रि किया गया। घटना के बाद रेल कर्मियों में व्यापक आक्रोश है। इसको लेकर रेल कर्मियों ने आरपीएफ पोस्ट में घेराव करते हुए जमकर हंगामा किया।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सहायक लोको पायलट रविंद्र कुमार बरवाडीह बाजार के एक निजी आवास में रहकर रेलवे सेवा करते थे। इसी बीच शुक्रवार की रात्रि 12:00 बजे के करीब बाजार स्थित आवास से रेलवे स्टेशन ड्यूटी जाने के दौरान रेलवे परिसर के पीपल गाछ के समीप से गुजरने के दौरान तीन अज्ञात मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने उसे रोककर एक सामने से पिस्तौल दिखाकर जबकि दो अपराधियों ने उसे पीछे से पकड़ कर उसके पास की नगदी व अन्य सामानों लूट ली। अपराधियों ने भुक्तभोगी चालक से उसकी मोबाइल की मांग की लेकिन रेलवे की मोबाइल रहने के कारण मोबाइल देने में आनाकानी करने पर अपराधियों ने पीछे से मार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसकी मोबाइल व नगदी समेत सभी सामान लूट कर फरार हो गए। रात्रि में दूसरे सहायक चालक सुशील कुमार यादव ने उसे अपने मोटर साइकिल से रेलवे अस्पताल पहुंचाया जहां पर रेलवे चिकित्सक सिर में गंभीर चोट का 11 टांका कर प्राथमिक उपचार किया घटना की सूचना मिलने पर शनिवार की सुबह रेल चालको एवं सहायक चालकों में व्यापक आक्रोश देखा गया। रेल चालको ने आरपीएफ पोस्ट घेराव करते हुए रेल कर्मचारियों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग किया, लेकिन आरपीएफ पुलिस लॉ एंड ऑर्डर का मामला लोकल पुलिस को बताते हुए मामला दर्ज करने से इंकार कर दिया इसके बाद रेलवे राजकीय पुलिस को भी घटना की सूचना दी गई लेकिन जीआरपी पुलिस ने भी मामले से अपना पल्ला झाड़ते हुए लोकल पुलिस ने मामला दर्ज करवाने की बात कही. इसे लेकर रेल कर्मचारियों ने जान माल की सुरक्षा को लेकर वरीय अधिकारियों से गुहार लगाई है. वहीं ईसीआरकेयू, अलारसा रेल यूनियन और एसोसिएशन के 100 से अधिक रेल कर्मियों ने जम कर हंगामा किया. बाद में रेल कर्मियों रेलवे आरपीएफ पुलिस के अधिकारियों के साथ स्थानीय थाना पहुंचकर मामले में कार्रवाई की मांग किया. इसे लेकर भी स्थनीय पुलिस व आरपीएफ पुलिस में नोकझोंक हुई. अंततः स्थानीय थाना प्रभारी श्रीनिवास कुमार सिंह ने मामले को संज्ञान में लेते हुए रेल कर्मियों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया. थाना प्रभारी श्रीनिवास कुमार सिंह ने जल्द ही अपराधियों को दबोचने की बात कही।

रंजीत बने चंदवा दुर्गा मंडल कमिटी के अध्यक्ष, कई विषयों पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। गुरुवार की शाम दुर्गा मंडल चंदवा की बैठक शिव मंदिर के प्रांगण में रामनाथ गुप्ता राम बाबू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस बार भी पूजा भव्य रूप से मनाया जाएगा। आकर्षक पंडाल व। लाइट की व्यवस्था की जाएगी। पिछले वर्ष का आय-व्यय का विवरण देते हुए पुरानी कमेटी को भंग कर नयी कमेटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से रंजीत कुमार गुप्ता को पुनः अध्यक्ष चुना गया,वही कार्यकारी अध्यक्ष बिनोद कुमार गुड्डू जबकि सचिव अंकित कुमार, मंटू केसरी और विभाकर मिश्रा को चुना गया। उपाध्यक्ष राजकुमार पाठक, राजकुमार साहू, दीपक निषाद, राजू मित्तल, विष्णु कुमार गुप्ता, रोहित अग्रवाल को बनाया गया। कोषाध्यक्ष के लिए राजेश साहू व सचिन कुमार। पूजा व्यवस्था की जिम्मेवारी डॉक्टर अनिल, दिनेश साहू और रमेश प्रसाद वही डेकोरेशन की जवाबदेही दारा सिंह, मनीष गुप्ता व गणेश को दी गई। संरक्षक के रूप में राम बाबू,महेंद्र साहू,राजेश चंद्र पांडेय,नरेश प्रसाद,प्रदीप साहू,किरण प्रसाद,अमरदीप प्रसाद,राजकुमार अग्रवाल,अर्जुन अग्रवाल,संदीप कनोडिया,अरुण शर्मा,मुरारी सेठ,ओम प्रकाश साव शमील है। वही 31 लोगों को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। मौके पर बड़ी संख्या में दुर्गा मंडल चंदवा के सदस्य मौजूद थे।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

एक हफ्ते में पंजाब में घुसे तीन पाकिस्तानी घुसपैठिये

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पाकिस्तान द्वारा लगातार सीमा पार से ड्रोन भेजे जाते रहे हैं। इतना ही नहीं हेरोइन की सप्लाई भी पूरे जोरों पर होती है। इसके अलावा अब एक हफ्ते में तीन व्यक्तियों पाकिस्तान से घुसपैठ की है। फिलहाल ये तीनों सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 3 युवकों को बीएसएफ ने पकड़ा है। आपको बता दें कि एक हफ्ते में ही दो बार घुसपैठ की गई है जिसके चलते इन तीनों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में जुटी सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि तीनों ने अपने बयान में एक ही बात कही है। तीनों ने एजेंसियों को एक ही बयान दिया है कि उन्हें भारत अच्छा लगता है और वे यहीं बसना चाहते हैं।

पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न न रुका तो इस्लामाबाद तक निकालेंगे रैली : खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार को आगाह किया है कि

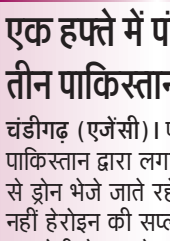

अगर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का राजनीतिक उत्पीड़न जारी रहा तो वह इस्लामाबाद तक एक विशाल रैली निकालेंगे। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने शनिवार को बताया कि देश की सबसे घनी आबादी वाले पंजाब प्रांत के गुजरात में एक जनसभा को संबोधित करते हुए इमरान ने कहा कि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के कार्यकर्ताओं को तब से ही अनावश्यक रूप से निशाना बनाया जा रहा है, जब इस साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए उन्हें प्रधानमंत्री पद से हटाया गया था। इमरान ने कहा कि अगर मौजूदा सरकार ने पीटीआई समर्थकों को निशाना बनाना नहीं बंद किया तो इस्लामाबाद तक आजादी आंदोलन किया जाएगा। मैं आज सरकार को आगाह कर रहा हूं कि अगर आपने यह राजनीतिक उत्पीड़न जारी रखा तो हमारा न्याय आंदोलन इस्लामाबाद पहुंचेगा और आपको कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी। इमरान ने अपने करीबी सहयोगी शहबाज गिल समेत पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं को राजद्रोह के आरोपों में गिरफ्तार किए जाने के बाद से सरकार के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। पीटीआई के 69 वर्षीय अध्यक्ष ने गिल पर कथित बलपूर्वक कार्रवाई के लिए सरकार की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें नग्न और प्रताड़ित किया गया। इमरान ने कहा कि सरकार ने पत्रकार जमील फारूकी को भी प्रताड़ित किया।

पीएम मोदी ने शेयर किया आईएनएस विक्रांत का शानदार वीडियो, बोले-

गर्व की भावना को शब्दों में बयां नहीं कर सकता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नौसेना के पहले स्वदेशी विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रांत पर शुक्रवार को बिताए समय को एक ऐतिहासिक अवसर बताया और कहा कि वह उन पलों की अनुभूतियों को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री ने आईएनएस विक्रांत पर सवार होने पर हुई गर्व की अनुभूति को शनिवार को ट्विटर पर साझा किया और उन्होंने उसका एक वीडियो भी शेयर किया। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन! जब मैं कल आईएनएस विक्रांत पर सवार था, तो गर्व की उस भावना को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

मोदी ने 262 मीटर लंबे, 62 मीटर चौड़े और 59 मीटर ऊंचे, 40,000 टन के इस पोत को कल केरल तट के पास राष्ट्र को समर्पित किया। इसे कोच्चि शिपयार्ड में बनाया गया और इसमें 76 प्रतिशत से अधिक कल पुर्जे स्वदेशी हैं। इसके साथ भारत गिनती के उन देशों में शामिल हो गया है जिनके पास इतने विशाल

विमानवाहक युद्धपोत की रूपरेखा तैयार करने से लेकर उसे तैयार करने की क्षमता है। इसमें सूक्ष्म प्रौद्योगिकी से लेकर विशाल अवसरंचनाओं का निर्माण करने वाली अभियांत्रिकी का समावेश है। मोदी ने कहा कि विक्रांत विशाल है, विराट है, विहंगम है। विक्रांत विशिष्ट है, विक्रांत विशेष भी है। विक्रांत केवल एक युद्धपोत नहीं है। यह 21वीं सदी के भारत के परिश्रम, प्रतिभा, प्रभाव और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य दुरन्त हैं, यात्राएं दिगंत हैं, समंदर और चुनौतियां अनंत हैं तो भारत का उत्तर है विक्रांत। आजादी के अमृत महोत्सव का अतुलनीय अमृत है विक्रांत। आत्मनिर्भर होते भारत का अद्वितीय प्रतिबिंब है विक्रांत। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह आईएनएस विक्रांत को मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी को समर्पित करते हैं।

गुलामी के एक बोझ को अपने सीने से उतार दिया : उन्होंने कहा कि छत्रपति वीर शिवाजी महाराज ने इस समुद्री सामर्थ्य के दम पर ऐसी नौसेना का निर्माण किया, जो दुश्मनों की नींद उड़ाकर रखती थी। जब अंग्रेज भारत आए, तो वे भारतीय जहाजों और उनके जरिए होने वाले व्यापार की ताकत से घबराए रहते थे। इसलिए उन्होंने भारत के समुद्री सामर्थ्य की कमर तोड़ने का फैसला लिया। इतिहास गवाह है कि कैसे उस समय ब्रिटिश संसद में कानून बनाकर भारतीय जहाजों और व्यापारियों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि दो सितंबर, 2022 की ऐतिहासिक तारीख को, इतिहास बदलने वाला एक और काम हुआ है। आज भारत ने, गुलामी के एक निशान, गुलामी के एक बोझ को अपने सीने से उतार दिया है। आज से भारतीय नौसेना को एक नया ध्वज मिला है।

देश के सबसे बड़े यू-टर्न नेता हैं अरविंद केजरीवाल : तेजस्वी सूर्या

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद तेजस्वी सूर्या ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को देश का सबसे बड़ा यू-टर्न नेता बताया और कहा कि गुजरात के युवा उनकी रेवड़ी और बेवड़ी की राजनीति को खारिज कर देंगे। भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केजरीवाल की राजनीति में कोई साख और ईमानदारी नहीं है।

राजकोट शहर में केजरीवाल के संवाददाता सम्मेलन के कुछ ही देर बाद सूर्या ने कहा कि आप नेता के दिल्ली में अच्छे स्कूलों, मोहल्ला क्लिनिक और स्वच्छ राजनीति के दावों का भाजपा ने पर्दाफाश किया है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई का छापा स्वच्छ राजनीति के केजरीवाल के दावों के ताबूत में आखिरी कील थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर पिछले महीने सिसोदिया के आवास पर छापा मारा था। दिल्ली सरकार की विवादित आबकारी नीति का संदर्भ देते हुए बेंगलुरु दक्षिण सीट से सांसद ने कहा कि गुजरात के युवाओं ने (राज्य की) 30 साल की विकास यात्रा को गति प्रदान करने की कसम ली है। पक्का है कि गुजरात के युवा रेवड़ी और बेवड़ी की राजनीति को जरा सा भी जगह नहीं देंगे। हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रेवड़ी संस्कृति वाली टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया मिल रही है।

केजरीवाल देश के सबसे बड़े यू-टर्न नेता : उन्होंने यह टिप्पणी विपक्षी, खास तौर से आप द्वारा वोट पाने के लिए मुफ्त में चीजें देने के वादे पर की है। सूर्या ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की राजनीति बिना साख और ईमानदारी की है। वह देश के सबसे बड़े यू-टर्न नेता हैं। यहां तक की उनकी राजनीति भी ऑड-ईवन के हिसाब से चलती है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 13 करोड़ की कोकीन जब्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई सीमा शुल्क विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर घाना से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया है, जो

■ पेट में छिपाकर रखे थे कोकीन के 87 कैप्सूल

भारत में कोकीन की तस्करी करने की कोशिश कर रहा था। उसने यह मादक पदार्थ 87 कैप्सूल के जरिये अपने पेट में छिपाकर रखा हुआ था। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि यात्री के पास से बरामद 1,300 ग्राम कोकीन की कीमत 13 करोड़ रुपए है। घटना 28

अगस्त की है, जब मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर, यात्री पर संदेह होने के बाद उसे रोका गया और उसे एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया। मुंबई कस्टम्स-3 के ट्विटर हैंडल से किये गये एक ट्वीट में कहा गया है कि यात्री घाना से मुंबई हवाईअड्डे पर पहुंचा और संदेह होने पर उसे सीमा शुल्क अधिकारियों ने रोका। तलाशी के दौरान, अधिकारियों को उसके सामान से कुछ नहीं मिला, लेकिन जांच में पता चला कि उसके पेट में 87 कैप्सूल हैं, जिनमें कोकीन छिपाकर लाई गई है। आरोपी को एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने तीन दिनों में ये कैप्सूल उगले। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि यात्री को मादक पदार्थ रोधी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया और मामले की जांच जारी है।

जन विद्रोह के बाद देश छोड़नेवाले गोटाबाया स्वदेश लौटे

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे देश में अभूतपूर्व आर्थिक संकट के खिलाफ जन विद्रोह के बाद देश छोड़कर भाग जाने के दो महीने से भी कम समय में स्वदेश लौट आए हैं। डेली मिरर अखबार की रिपोर्ट के अनुसार श्री राजपक्षे (73) शुक्रवार को श्रीलंका लौटे। वह करीब सात हफ्ते बाद श्रीलंका वापस आए हैं। जुलाई में वह आर्थिक संकट की वजह से लोगों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए देश छोड़कर भाग गए थे। वह भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भारी सुरक्षा के बीच पहुंचे।

रेडिएशन का असर जानने के लिए नासा दो महिला और एक पुरुष हाईटेक पुतले को भेज रहा चांद पर

- आरएनएम

नयी दिल्ली। अंतरिक्ष में रेडिएशन का खतरा बहुत ज्यादा होता है। ज्यादातर मामलों में कैंसर भी हो

- इन्हें इंसानों के शरीर के टिश्यू जैसे प्लास्टिक से बनाया गया है
- इनमें मनुष्य की तरह हड्डियां, खाल और फेफड़े होंगे

जाता है। इसलिए चांद पर फिर से इंसानों को भेजने की तैयारी में जुटा अमेरिका, अपने आर्टेमिस-1 मिशन में इंसानों के बजाय तीन हाइटेक पुतलों को भेज रहा है। इन पुतलों को मैनिकिंस कहते हैं और इस तरह के खास मैनिकिंस का साइंटिफिक रिसर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इनके

हजारों सेंसर्स रिकॉर्ड करेंगे रेडिएशन का असर

पुतलों के शरीर के उन हिस्सों पर सेंसर्स लगाये गये हैं, जहां इंसानों के शरीर में रेडिएशन का असर सबसे ज्यादा होता है। लॉन्च से लेकर धरती पर वापस आने तक इनके हजारों सेंसर्स अंतरिक्ष में इंसानों के शरीर पर रेडिएशन के होने वाले संभावित असर को रिकॉर्ड करेंगे।

पहली बार फल पर बैठने वाली मक्खियां गयी थीं अंतरिक्ष : 20 फरवरी 1947 को फल पर बैठने वाली मक्खियां अंतरिक्ष में भेजी गयी थीं। यह पहली बार था कि कोई जिंदा प्राणी अंतरिक्ष में गया हो। इसके बाद चूहे, बंदर, बिल्लियां, मेंढक, कुत्ते जैसे कई जानवरों को अंतरिक्ष भेजा गया।

नाम हेल्गा, जोहर और मूनिकिन कैंपोस हैं। इन्हें एक साथ फैंटम्स कहा जाता है। इन पुतलों को जर्मनी के ऐरोस्पेस सेंटर डीएलआर ने बनाया है। वहीं, तीसरे पुतले का नाम मूनिकिन कैंपोस है, जिसका शरीर पुरुषों जैसा है। नासा के ये पुतले बिल्कुल इंसानों की तरह हैं। इन्हें इंसानों के शरीर के टिश्यू जैसे प्लास्टिक से बनाया गया है। इनमें भी ह्यूमन की तरह हड्डियां, खाल और फेफड़े होंगे। हेल्गा और जोहर महिलाओं के शरीर जैसे पुतले हैं। इन्हें अंतरिक्ष में महिलाओं के शरीर पर होने वाले रेडिएशन का असर जांचने के लिए भेजा जा रहा है। तीसरा पुतला मूनिकिन कैंपोस को ये जांचने के लिए भेजा जा रहा है कि आनेवाले समय में इंसानों का चांद पर जाना कितना मुश्किल होगा। ये अंतरिक्ष के बारे में समझ बढ़ाने के लिए किये जानेवाले वैज्ञानिक प्रयोगों में से एक है।

आरबीआई आज भी नोटबंदी की फाइनल टैली का खुलासा क्यों नहीं करता : सुब्रमण्यम स्वामी

- ब्यूरो

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री, अर्थशास्त्री व भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने जाली नोट के सर्कुलेशन को लेकर एक खबर को शेयर करते हुए कहा कि नोटबंदी में जाली नोटों को असली नोटों से धड़ल्ले से बदला गया। इसी की वजह से आरबीआई आज भी नोटबंदी की फाइनल टैली का खुलासा नहीं करता है। सुब्रमण्यम स्वामी ने इस बारे में ट्वीट में लिखा कि कोई सरकार नकली नोटों के रैकेट से निपटी नहीं। वास्तव में मोदी सरकार की नोटबंदी के दौरान अधिकांश नकली नोटों को नये और असली नोटों से बदला गया। इसीलिए आरबीआई आज भी फाइनल टैली का खुलासा करने से इनकार करती है। आरबीआई गवर्नरों को मुद्रा धोखाधड़ी पर उनकी नरमी के लिए चुना जाता है। स्वामी ने कहा कि सॉफ्ट आरबीआई गवर्नर इसलिए चुनते हैं कि वो फेक करेंसी को लेकर होनेवाली धांधली पर नरमी बरतते हैं। स्वामी ने यह ट्वीट एक यूजर द्वारा शेयर खबर के रिप्लाई में किया है। खबर में कहा गया है कि आतंकियों को फंडिंग करने में नकली नोटों का सर्कुलेशन बढ़ा है।

मालूम हो कि नोटबंदी के बाद से नकली नोटों को लेकर केंद्रीय राज्य वित्त मंत्री पंकज चौधरी ने अगस्त में संसद में बताया था, एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में पाया गया है कि जाली नोटों की तस्करी पड़ोसी मुल्कों से हो रही है। उन्होंने कहा कि जहां बैंकिंग सिस्टम में पाये जानेवाले नकली नोटों की संख्या में कमी पायी गयी है, तो वहीं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के जब्त किये गये नोटों में वृद्धि हुई है। संसद में उन्होंने बताया कि 7.62 लाख पीस जाली नोट साल 2016-17 में देखने को मिले थे। वहीं, साल 2021-22 में 2.08 लाख नोट रह गये। पंकज चौधरी ने कहा कि साल 2016 में नोटबंदी के बाद से जाली नोटों की संख्या में गिरावट आयी है।

फलों व सब्जियों पर एडिबल कोटिंग लगाओ, पांच दिन से दो माह तक ताजा खाओ

- आरएनएम

नयी दिल्ली। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गुवाहाटी के शोधार्थियों ने एडिबल कोटिंग/खाने वाली परत बनायी है। इसके लेप से फल व सब्जियां ज्यादा समय तक ताजा रहेंगी। यह शोध ईसीएस फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी जर्नल में प्रकाशित की गयी है। शोधार्थियों ने एडिबल कोटिंग को आलू, टमाटर, हरी मिर्च, स्ट्रॉबेरीज, सेब, अनानास और कीवी जैसी सब्जी-फलों पर लगाया।। इस बारे में आईआईटी गुवाहाटी के डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर विमल कटियार का कहना है कि कोटिंग से खाने की चीजें दो माह तक ताजा रह सकती हैं। उदाहरण के लिए, कोटिंग लगाने के बाद टमाटर की शेल्फ लाइफ एक महीना बढ़ जाती है। स्ट्रॉबेरी की शेल्फ लाइफ महज पांच दिन

की होती है, लेकिन एडिबल कोटिंग की मदद से इन्हें 20 दिन बाद भी खाया जा सकता है।

एडिबल कोटिंग : एडिबल कोटिंग में दो पदार्थ मौजूद हैं। पहला- माइक्रो एल्गी (शैवाल) का एक्सट्रैक्ट और दूसरा- पॉलीसेकेराइड (एक तरह का काबोर्हाइड्रेट)। एक्सट्रैक्ट को समुद्री

■ लेकिन कोटिंग में शेलफिश की खोपड़ी से निकालकर बनाये गये काइटोसन के प्रयोग से शाकाहारियों को हो सकता है ऐतराज

माइक्रोएल्गी डुनालीएला टेरिओलेक्टा से निकाला गया है। एल्गी का तेल मछली के तेल का प्लांट बेस्ड विकल्प और एक हेल्थ सप्लिमेंट है। तेल निकालने के बाद बचे हुए पदार्थ को फेंक दिया जाता है। कटियार और उनकी टीम ने इसी बचे हुए पदार्थ का इस्तेमाल एडिबल कोटिंग बनाने में किया। इसे काइटोसन में मिलाया गया, जो एक तरह की शुगर होती है। इसे शेलफिश की खोपड़ी से निकालकर बनाया जाता है।

कटियार का कहना है कि वह अपनी टीम के साथ मिलकर बीते छह साल से सब्जियों और फलों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए कोटिंग तैयार कर रहे हैं। अब उन्हें सफलता हासिल हो गयी है। उनके अनुसार कोटिंग का मटेरियल पूरी तरह नॉन-टॉक्सिक और खाने के लिए सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि हम एडिबल कोटिंग को इंडस्ट्रीज की मदद से मार्केट में लाने के लिए तैयार हैं। हम इंडस्ट्रीज से गुजारिश करते हैं कि वो इस प्रोजेक्ट में हमारी मदद करें, ताकि इससे किसानों की आमदनी में इजाफा हो सके। लेकिन इस बारे में जानने के बाद तमाम लोग कहने लगे हैं कि कोटिंग में शेलफिश की खोपड़ी से निकालकर बनाए गये काइटोसन के प्रयोग से शाकाहारियों को ऐतराज हो सकता है

न्यूज गैलरी

नारी सेना एवं छात्र क्लब ग्रुप ने मरीज युग कुमार को मदद की

रांची। लोहरदगा पावरगंज चौक निवासी योगेश कुमार का पुत्र युग कुमार (मरीज) विगत कई दिनों से करमटोली स्थित रांची चिल्ड्रन अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डॉ. शैलेशचंद्र के अंडर में इलाजरत है। मरीज युग कुमार को ब्लड की कमी है। विश्वस्त सूत्रों से पता चलने पर नारी सेना एवं छात्र क्लब ग्रुप की ओर से सामाजिक दायित्व के तहत मरीज युग कुमार को आर्थिक मदद एवं ईश्वर से जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना की गई। इस मौके पर नारी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष पूनम सिंह एवं छात्र क्लब ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा सहित सतीश सिंह, हरिनाथ साहू, नीतू सिंह, सूरज सिंह भवानी, कामिनी सिंह, डॉ.राजेंद्र कुमार हाजरा, रविंद्र शर्मा आदि मौजूद थे। मौके पर पूनम सिंह ने कहा नारी सेना एवं क्लब द्वारा विगत कई वर्षों से जरूरतमंदों की सेवा की जा रही है आवश्यकता पड़ी तो जरूरत मंदों को आर्थिक मदद भी की जाती है,वही शिव किशोर शर्मा ने कहा जरूरतमंद लोगों की सेवा करना भी एक धर्म है।

श्री राधा अष्टमी महोत्सव नृत्य नाटिका का भव्य कार्यक्रम आज

रांची। संत शिरोमणि श्री श्री 108 स्वामी सदानंद जी महाराज द्वारा संचालित एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट शनिवार को संस्था के पुंदाग स्थित निमार्णाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में श्री राधा अष्टमी के होने वाले कार्यक्रम की तैयारी पर चर्चा हुई, जिसमें मंदिर परिसर में होने वाले कार्यक्रम श्री राधा अष्टमी एवं कलकता से आई हुई रास मंडली के द्वारा होने वाली नृत्य नाटिका को बहुत ही धूमधाम से संस्था के निमार्णाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में मनाया जायेगा। श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में दोपहर 12:30 बजे से संस्था के सदस्यों के परिवार के सौजन्य से 46 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का वितरण रविवार 04 सितंबर 2022 को किया जायेगा। श्री कृष्ण प्रणामी संस्था के कार्यक्रम मे पहली बार श्री राधा अष्टमी कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम को कलकता की रास मंडली द्वारा श्री कृष्ण प्रणामी के सहयोग से संचालित किया जायेगा। यह सभी जनकारी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल (राजु अग्रवाल) ने दी।

कार्डायबकॉन का वार्षिक चिकित्सीय सम्मेलन आज : डॉ. जगनाणी

रांची। विगत वर्षों की भांती इस वर्ष भी कार्डायबकॉन का आयोजन रविवार को किया जा रहा है। इस वार्षिक चिकित्सीय सम्मेलन में हृदय रोग, मधुमेह, श्वसन समस्या तथा वृक्क रोग जैसे विषयों पर विचार विमर्श तथा व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा। इस सम्मेलन में राज्य के विभिन्न चिकित्सक नूतन उपचार पर जानकारी प्राप्त कर नई पद्धति से उपचार कर आम जनता तक लाभ पहुंचा सकेंगे। कदाचित, देश भर में कार्डायबकॉन एकमात्र ऐसा संस्थान है जो इन सभी विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत करता है । इस संस्था के अध्यक्ष एवं सचिव, क्रमशः डॉ. पल्लवी तथा आशुतोष मिश्र का समग्र एवं उन्नत आयुर्विज्ञान से चिकित्सीय परामर्श जन जन तक पहुंचाना है। ज्ञात हो, कार्डायबकॉन झारखण्ड शाखा के संचालक डॉ वी के जगनाणी ने रांची के परामर्शदात्री चिकित्सकों के लिए इस सम्मेलन का आयोजन होटल कैपिटल हिल में किया है। इस चिकित्सीय सम्मेलन में राज्य के बाहर से भी चिकित्सक अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर हमें अनुगृहित करेंगे।

नगड़ी में पांच दिवसीय गणेशोत्सव की धूम

पिस्कानगड़ी। नगड़ी में पांच दिनी गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। पुराना बाजारटांड़ में उपकार क्लब, साहेर रोड में एसएस सपोर्टिंग क्लब, केशरी मुहल्ला में ज्योति संगम क्लब द्वारा आकर्षक पूजा पंडाल बनाकर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रत्येक दिन श्रद्धालुओं द्वारा भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और आरती की जा रही है। मौके पर भंडारा, भगवती जागरण सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जा रहे हैं। शाम होते ही बड़ी संख्या में आसपास के गांवों से श्रद्धालु भगवान गणेश का दर्शन करने पंडालों में पहुंच रहे हैं। सोमवार को भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

कांके प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के विभिन्न विकास योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा

संबंधित पदाधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को उपायुक्त रांची राहुल कुमार सिन्हा द्वारा कांके प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा भी की गई। अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री राहुल कुमार सिन्हा ने अलग-अलग विभागों को भूमि हस्तांतरण, अतिक्रमण, अवैध जमाबंदी, म्यूटेशन, आगत-निर्गत पंजी, नीलाम पत्रवाद, लगान निर्धारण के मामले, जिला से गए पत्रों के कंप्लायंस, कैशबुक एवं भूमि से संबंधित अन्य मामलों की जांच की एवं आवश्यक दिशा-निदेश दिये। प्रखंड कार्यालय में आकस्मिक अवकाश पंजी, आगत निर्गत पंजी, सूचना अधिकार पंजी, अंकेक्षण पंजी, वाहन लॉग बुक, जनशिकायत पंजी, पेंशन पंजी, सर्विस बुक की अद्यतन स्थिति आदि की जांच उपायुक्त द्वारा की

गई। जिला से गए पत्रों के कंप्लायंस की जानकारी लेने के साथ-साथ उपायुक्त ने कर्मियों को कार्यशैली को और बेहतर बनाने के लिए दिशा-निदेश दिए। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कांके का भी निरीक्षण कर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। उपायुक्त द्वारा प्रखण्ड सभागार में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), 15वें वित्त आयोग सहित सभी योजनाओं की समीक्षा भी की गई। उपायुक्त ने सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवकों को निर्देश दिया कि प्रति ग्राम मनरेगा की 5 योजनाएं क्रियान्वित की करें तथा अधिक से अधिक मानव दिवस सृजित करें। उन्होंने सभी पुराने लंबित मनरेगा योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना को

> उपायुक्त ने सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवकों को निर्देश दिया कि प्रति ग्राम मनरेगा की 5 योजनाएं क्रियान्वित की करें तथा अधिक से अधिक मानव दिवस सृजित करें।

ससमय पूर्ण कराने का निर्देश दिया। वित्तीय वर्ष 2021 से पूर्व के स्वीकृत आवास के लंबित रहने के कारण पंचायत सचिव को प्रतिदिन प्रत्येक आवास का भ्रमण कर आवास पूर्ण कराने का निदेश दिया गया। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री शिलवंत कुमार भट्ट, अंचल अधिकारी श्री दिवाकर प्रसाद दिवेदी सहित प्रखंड व अंचल के सभी विभागीय पदाधिकारी, कर्मी, अभियंता,पंचायत सचिव, जनसेवक, राजस्व कर्मचारी, ग्राम रोजगार सेवक उपस्थित थे।

गोस्सनर हाई स्कूल, में कराटे प्रशिक्षण क्रेंद्र का हुआ उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को गोस्सनर हाई स्कूल, मेन रोड, रांची में कराटे प्रशिक्षण क्रेंद्र का उद्घाटन किया गया। इस केंद्र का उद्घाटन स्कूल के प्रधानाचार्य सुजाता जयश्री बिलुंग एवं सेंशी रंजीत मेहता (टेक्निकल डायरेक्ट, शोकफ) द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर के किया गया। इस मैके पर विद्यालय के शिक्षकगण सुरेश मिश्रा, अग्नू मुंडा, त्रिलोचन महतो, निशी मधुप तिग्गा, स्वर्णिम रेजिन कुजूर, कृष्णा यादव, अमन सामद, समीर कुमार कुजूर, प्रभु दास नाग, अमित टोप्पो, अनूप भेंगरा, कुलदीप गुरिया, के. के. मिश्रा एवम उपस्थित हुए। इस मौके पर शोकफ के कराटे प्रशिक्षक सुनील मेहता, कुलदीप साहू, परमानंद गुप्ता द्वारा कुमिते एवम काता का प्रर्दशन किया गया। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य सुजाता जयश्री बिलुंग, शिक्षक श्री सुरेश मिश्रा एवम अमन सामद ने कराटे सीखने के फायदे के बारे में छात्रों को बताए उन्होंने कहा कि कराटे सीखने से शारीर का पूर्ण विकास होता है आपका शरीर स्वस्थ एवम मजबूत बनेगा साथ ही साथ आप आत्मरक्षा के तकनीक सीखकर अपने आप को सुरक्षा प्रदान कर सकते है। कराटे प्रशिक्षण 10/09/2022 से प्रदान किया जायेगा, जिसके लिए नामांकन शनिवार से प्रारंभ हो चुका है। कराटे सीखने के इच्छुक लोग 15/09/2022 तक निःशुल्क नामांकन करा सकते हैं। कराटे प्रशिक्षण शोकफ के मुख्य टेक्निकल डायरेक्टर शिहान मानस सिन्हा एवम टेक्नीकल डायरेक्टर सेंशि रंजीत मेहता (ब्लैक बेल्ट 6 डान) मार्ग दर्शन में दिया जायेगा। विशेष जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9835164654 पर सम्पर्क कर सकते है।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह आयोजित

खेल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रखने में मदद करता है: डॉ. प्रदीप

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मेजर ध्यांचन्द की जयंती के उपलक्ष्य में सरला बिरला पब्लिक स्कूल में खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों ने बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लिया। छात्रों ने विभिन्न खेलों जैसे मेंढक दौड़, बैक पैक रेस, ऑब्जेक्ट रेस खेलकर खेलों के प्रति अपनी भावनात्मक अभिरुचि को प्रदर्शित किया। छात्रों के मध्य खेल के प्रति सम्मान की भावना पैदा करने के उद्देश्य से इंटर हाउस कबड्डी और रिले रेस, कॉमन वेल्थ गेम्स पर कोलाज और पोस्टर मेकिंग जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छोटे बच्चों के अंदर बौद्धिक कौशल विकसित करने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व गुणों को भी विकसित करना था। शिक्षकों और छात्रों के मध्य एक क्रिकेट मैच

खेला गया। जहां उन्होंने अपने गुरुओं से खेल से संबंधित महत्वपूर्ण गुणों की शिक्षा ली। विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने कहा कि खेल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रखने में मदद करते हैं जिससे वे अपने जीवन में सफल बनने में सक्षम बन पाते हैं। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि खेल जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो खेल भावना को बढ़ावा देता है और नेतृत्व तथा भाईचारे के मूल्य को विकसित करता है।

संत जेवियर कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार आयोजित

रांची नगर निगम के सहयोग से सैकड़ों पौधों का किया वितरण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को संत जेवियर कॉलेज में रांची नगर निगम,समाजिक संस्था स्नेह फाउंनडेशन एवं एलुमुनाई एसोसिएशन मारवाडी कॉलेज, रांची के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत एक पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोरोना काल के बाद पर्यावरण संरक्षण अभियान के महत्व विषय पर परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों के लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता सह छात्र - छात्राओं को स्वास्थ्य एवं रोगमुक्त रहने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गई। यह कार्यक्रम प्राचार्य फादर नाबोर लकड़ा के दिशा निर्देश में किया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में स्नेह फाउंडेशन के आशुतोष द्विवेदी, राजीव रंजन, एलुमुनाई एसोसिएशन मारवाडी कॉलेज के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल, एलुमनाई प्रवक्ता राफिया नाज,एलुमनाई सचिव शुभम मंत्री, विमल कुमार उपस्थित थे।यह कार्यक्रम डॉ. प्रिया श्रीवास्तव के देख रेख में सम्पन्न हुआ। साथ ही रांची नगर निगम के सहयोग से

सैकड़ों पौधों का वितरण किया गया। सभी छात्रों को बताया गया हमें अपने जीवन को संस्कार के साथ- साथ भारत की संस्कृति से भी अवगत होने की आवश्यकता है। तभी हम और हमारा आने वाले भविष्य के साथ- साथ हमारा देश का भी विकास होगा। इस अवसर पर रांची नगर निगम, समाजिक संस्था स्नेह फाउंडेशन एवं एलुमनाई एसोसिएशन मारवाडी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों,सामाजिक कार्यकर्ताओं, पर्यावरण प्रेमियों के बीच सैकड़ों पोधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सभी लोगों ने शपथ लिया की पर्यावरण की रक्षा ही हमारी पहली प्राथमिकता है। पर्यावरण संरक्षण से ही हम और हमारा जन जीवन भी सुरक्षित रहेगा।हम सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए वफादार सेवक रहना होगा।

श्री श्याम मंडल के तीसरे दिन का श्री श्याम महोत्सव भक्ति-भाव से आयोजित की गयी

अखण्ड ज्योत प्रज्ज्वलित होते ही पूरा मंदिर परिसर हर्षोल्लास में डूब गया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री श्याम मण्डल, रांची के चार दिवसीय 55 वें वार्षिक श्री श्याम महोत्सव के तीसरे दिन शनिवार को अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर के प्रांगण में भव्य आयोजन आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को अत्यंत आकर्षक ढंग से सजाया गया और आकर्षक विद्युत सज्जा व विभिन्न तरह के फूलों की लड़ियों की सजावट हर दर्शनार्थी के मन को मोह रही थी। कोलकाता के प्रसिद्ध कारीगरों द्वारा 10 दिनों के अथक परिश्रम से श्री श्याम दरबार को अत्यंत मनोहारी स्वरूप प्रदान किया गया। रजत सिंहासन पर विराजमान श्री श्याम प्रभु का अलौकिक श्रृंगार हर भक्तों के हृदय को आलोकित कर रहा था, साथ ही इस अवसर पर वीर बजरंगबली एवं श्री शिव परिवार का भी अत्यंत मनभावन श्रृंगार किया गया। रात्रि 9:00 बजे गणेश पूजन के साथ मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मण्डल द्वारा प्रतिवर्ष निरंतर प्रकाशित होने वाली भजन पुस्तिका प्रेम पुष्प के 55वें अंक का विमोचन मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी व श्री छगनलाल पटेल द्वारा किया गया। श्री पटेल ने उपस्थित सभी भक्तों का अभिनन्दन करते हुए श्याम देव के चरणों में

वंदन किया। मंडल के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बागला द्वारा अष्ट प्रहर की अखण्ड ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। अखण्ड ज्योत प्रज्ज्वलित होते ही पूरे मंदिर परिसर हर्ष उल्लास में डूब गया। श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा गाए जाने वाले 5 भजनों में सर्वप्रथम श्री गणेश वंदना रमेश चंद्र सारस्वत, श्री गुरु वंदना रमेश चंद्र सारस्वत, हनुमान वंदना श्री गोपी किशन ढांढनीयां, मातेश्वरी वंदना ज्ञान प्रकाश बागला, शिव वंदना चंद्रप्रकाश बागला एवं श्री श्याम वंदना सुरेश चंद्र पोद्दार के द्वारा गाया गया। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को छप्पन भोग के अलावा विभिन्न प्रकार के मिष्ठान फल मेवा रबड़ी इत्यादि का भोग अर्पित किया गया। संपूर्ण रात्रि श्याम प्रभु को सवामणी चढ़ाने वाले भक्तों का तांता लगा रहा साथ ही प्रभु के दर्शन के लिए लंबी कतार में कतार में होकर भक्त दर्शन

श्री श्याम मंदिर में श्याम भंडारे के प्रसाद का हुआ वितरण

रांची। आओ-आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी भक्तों ने श्याम भोग लगाया तू खाए फिर भक्त तेरे खाए, हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 26वें श्री श्याम भंडारे का प्रसाद मंदिर में स्थापित देवी देवताओं को भोग समर्पित करते समय भक्तजन भजन गायन कर खाटू नरेश की मनुहार कर रहे थे। श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर आज साईंकाल 26वां श्री श्याम भंडारा का आयोजन किया गया था। श्री श्याम मित्र मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि आज के भंडारे में केसरिया गरम जलेबी, केसरिया वेजिटेबल पुलाव, दाल मखनी, फाफड़ा, (गाठिया) प्रसाद का लगभग 3000 से ज्यादा भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। भिंडारा वितरण मंडल के अध्यक्ष श्री सुरेश सरावगी के सानिध्य में हुआ मंडल के महामंत्री श्री विश्वनाथ सरावगी, सर्वश्री श्याम सुंदर शर्मा, गौरव अग्रवाल मोनू, अनिल नारनौली, स्नेह पोद्दार, राजीव मित्तल, राजेश चौधरी अजय मारू, राहुल मारु, अमित सरावगी, रोहित कुमार, आशीष डालमिया, रतन शर्मा, संजय सराफ, विकास मोदी, राजकुमार केडिया, चंडी डालमिया,उपेंद्र पांडे, संजय, झूलन मुंडा, नकुल, सहित 80 से ज्यादा स्वयंसेवकों ने श्री श्याम भंडारे में अपनी सेवा दी।

कर रहे थे। आज के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सुदर्शन चितलांगिया, बालकिशन परसरामपुरिया, राकेश सारस्वत, मनोज ढांढनीयां, अजय साबू, अरुण धनुका, अजय रूंगटा, अमित जलान, लल्लू सारस्वत, गोविंद शर्मा एवम नितेश लाखोटिया का सहयोग रहा।

पृष्ठ एक के शेष

रिटायरमें के बाद जीवन सुखमय तरीके से...
मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब आप लोग आंदोलन कर रहे थे और एक राजनीतिक संगठन का प्रतिनिधि होने के नाते मैं आप लोगों से मिलने गया था और आपकी बातों को सुना था। आपके प्रति मेरी भावना को आप लोग जानना चाहते थे और मैंने उसी समय आपसे कहा था कि मैं बोलने पर नहीं बल्कि काम करने पर विश्वास रखता हूं। आपने देखा कि मेरे नेतृत्व में राज्य में सरकार गठन हुआ तब से ही आप लोगों की मांगों पर राज्य सरकार ने संज्ञान लेना शुरू कर दिया था। आज सभी के प्रयास से राज्य सरकार आप सभी विभिन्न संवर्गों के कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना से जोड़ने का काम कर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आपको व्यापारी के हाथों में नहीं सौंप सकता। हम एक-एक झारखंडवासियों के हक-अधिकार के लिए लड़ाई लड़ते रहेंगे।

झारखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाना लक्ष्य :
मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि कुछ साल और बीतने दीजिए, वह दिन दूर नहीं जब हम सभी लोग मिलकर झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों में लाकर खड़ा कर दिखायेंगे। आप सभी लोगों के ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के बदौलत राज्य सरकार यहां संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने पर बल दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदरणीय गुरुजी के आशीर्वाद से हमारी सरकार जनहित के लिए मजबूती के साथ काम कर रही है। मौके पर नेशनल मूवमेंट ऑफ पेंशन स्कीम, झारखंड के बैनर तले सरकारी कर्मचारी संघ के लोगों ने मुख्यमंत्री को माला पहनाकर उनका हार्दिक अभिनंदन किया तथा मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री ने सभी को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपका बेटा हेमंत सोरेन आपके हर दुःख-तकलीफ में आपके साथ खड़ा है। आपकी समस्याओं का समाधान के लिए पूरी राज्य सरकार खड़ी है। आप सभी का प्यार और आशीर्वाद से मुझे काम करने की ताकत मिलती है। राज्य सरकार द्वारा आप सभी कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना बहाल की गई है। मैं आपको एवं आपके परिजनों को अपनी ओर से शुभकामनाएं देता हूं। मौके पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री मिथिलेश ठाकुर, सांसद विजय हांसदा, नेशनल मूवमेंट ऑफ पेंशन स्कीम, झारखंड के प्रांतीय अध्यक्ष विक्रांत कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष नितिन कुमार, महिला प्रकोष्ठ की सुधा शर्मा, प्रांतीय मीडिया प्रभारी राजेंद्र प्रसाद सहित सभी सरकारी कर्मचारी संघ के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

यूनिवर्सल पेंशन लागू करनेवाला...
आप ही के बदौलत राज्य सरकार ने संक्रमण काल में भी दृढ़ निश्चय के साथ लोगों को राहत पहुंचायी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर मार्गदर्शक सही हो तो राज्य का हर एक व्यक्ति सकुशल अपने मंजिल तक पहुंच सकता है।

सतत कार्य करने से विकास के सभी...
पुरस्कार दिया जा रहा है। इस वर्ष पूर्व से लागू राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों की प्रक्रिया को पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा पूर्ण रूप से संशोधित किया गया है। अब मंत्रालय द्वारा सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण हेतु चिह्नित नौ विषयों पर आधारित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार पूरे देश में लागू कर दी गयी है। कार्यशाला में प्रतिभागियों को राज्यस्तरीय रिसोर्स पर्सन द्वारा राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार पर विस्तृत जानकारी दी गयी। मौके पर प्राचार्य, केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, हेहल, रांची, राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए नामित नोडल पदाधिकारी सहित प्रशिक्षण संस्थान के सभी व्याख्याता, पंचायती राज विभाग के पदाधिकारी/कर्मी एवं सभी जिलों से नौ विषयों से संबंधित विभागों के जिलास्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

कानून को हाथ में लने का किसी को...
को पुराने जगह मुरुमातु में स्थापित कराया जाए, और उन्हें अम्बेडकर आवास दिया जाये। और उनकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाये। उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन की ओर से इस पीड़ित मुसहर को अम्बेडकर आवास आवंटित नहीं किया गया तो हम सभी समाज के लोग मिलकर मुरुमातु में आवास बनायंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में अपराध चरम सीमा पर है, और झारखंड की सरकार वोट बैंक की राजनीति कर रही है। पूरे झारखंड में अत्याचार बढ़ा है और झारखंड की सरकार रायपुर और जैट विमान से घूम रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के दबाव में यहां का जिला प्रशासन पीड़ित मुसहर परिवार को पुराने थाने में रखकर चैन की नींद सो रही है । लेकिन इससे इस मुसहर परिवार को न्याय नहीं मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के लोग मुसहर परिवार को आधार कार्ड बनवा रहे हैं । जिसमें मुरुमातु का स्थायी पता नहीं डालकर पुराने थाने भवन पांडू का डाला जा रहा है जो बिल्कुल गलत है।

दबाव में आकर काम कर रहा है जिला प्रशासन : अरुण हलधर : पांडू थाना क्षेत्र के मुरुमातु में दलित बस्ती उजाड़ने के मामले को लेकर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हलधर शनिवार को पलामू पहुंचे और मुरूमातु आकर पीड़ित महादलित परिवारों से मुलाकात की। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत के क्रम उन्होंने कहा कि यहां जिस तरीके से महादलितों पर अत्याचार किया गया है यह निंदनीय है। आयोग ने पूरे मामले का संज्ञान ले लिया है बहुत जल्द उन लोग को पुनः उसी जगह बसाया जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि पीड़ित लोग से मिलने के बाद जिला प्रशासन का रिपोर्ट में अंतर पाया। उन्होंने जिला प्रशासन पर आरोप लगाते हुए यह भी बताया कि किसी के दबाव में आकर पलामू प्रशासन काम कर रही है।

बॉडीगार्ड की हत्या और हथियार लूट...
तीनों बॉडीगार्ड को घेर लिया और उनके हथियार लूटने लगे थे। तीनों बॉडीगार्ड ने नक्सलियों के साथ जांबाजी से लड़ाई की थी, लेकिन नक्सलियों की गोली से दो जवानों की मौत हो गयी थी। एक जवान किसी तरह बच निकला।

अल्जाइमर से बचाव के लिए...
उम्र में भी कसरत करते हैं, सुबह या शाम तीस मिनट के लगभग टहलते हैं, योग-प्राणायाम आदि करते हैं, उनको बहुत ही लाभ होता है। इनमें अल्जाइमर उस गति से नहीं बढ़ता जिस गति से जो यह सब नहीं करते हैं उनमें बढ़ता है। कसरत, योग, टहलना अपनी रूटीन बना लिये लोगों में अल्जाइमर ठीक होता हुआ भी दिखा है।

देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री व सांसद...
जिलाधिकारी ने भी सांसद से तल्ख सवाल पूछे। बहरहाल, देवघर डीसी और सांसद निशिकांत के बीच जारी इस लड़ाई ने सियासी गर्माहट जरूर बढ़ा दी है। यही वजह है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी खुलकर निशिकांत दूबे के पक्ष में बयान देते नजर आ रहे हैं। बहरहाल, एयरपोर्ट से उड़ान भरने के लिए क्लियरेंस को लेकर शुरू हुई खींचतान अब लंबी होती नजर आ रही है ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह लड़ाई और कितनी दूर तक जाती है।

दो दिवसीय पांचवां राज्य स्तरीय पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप का हुआ उद्घाटन

खेलों में सरकार से सहयोग लिया जायेगा : सुदेश महतो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पेरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के तत्वधान में दो दिवसीय पांचवा राज्य स्तरीय पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022 का शुभारंभ आज 4:00 बजे ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इनडोर स्टेडियम खेल गांव में हुआ। उद्घाटन समारोह में झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री विधायक सुदेश महतो, पेरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के चयन कमेटी के चेयरमैन डॉक्टर शिवाजी कुमार, पेरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के अध्यक्ष सह पेरालिंपिक कमिटी ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष शशि रंजन प्रसाद एवं खेल निदेशक सह कोषाध्यक्ष सुगंध नारायण ने संयुक्त रुप से किया। डॉक्टर शिवाजी कुमार ने पूर्व उपमुख्यमंत्री विधायक सुदेश महतो को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन एवं सम्मानित किया। विधायक सुदेश महतो ने सभी

खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन एवं पेरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा की दिव्यांग ईश्वर की बहुत बड़ी ताकत है। तथा ऐसे ईश्वरी देन हम सलाम करते हैं। बिहार के प्रभात भगत ने टोक्यो पारा ओलंपिक में बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतकर पूरे विश्व में भारत का परचम लहराया है। उन्होंने कहा कि झारखंड पारा खेलों में पूर्ण सहयोग करूंगा तथा सरकार से भी सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से परिचय लेते हुए बैडमिंटन भी खेला। कार्यक्रम को डॉक्टर शिवाजी कुमार, सुगंध नारायण, शशि रंजन प्रसाद, सुनील कुमार विश्वास, कमल कुमार अग्रवाल, अजीत कुमार, बी के दत्ता, मंजीत सिंह, संदीप रंजन, प्रकाश रंजन, मिथिलेश कुमार, विवेक राज, मुकेश कंचन, आदि ने भी संबोधित करते हुए पारा बैडमिंटन खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाते हुए कहा की झारखंड को पारा खेलों मे जागरूकता लाकर आगे मुकाम तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।एसोसिएशन सभी खिलाड़ियों को सुविधाएं समय-समय पर देता रहेगा। उद्घाटन समारोह का संचालन स्टेट कोऑर्डिनेटर कमल कुमार अग्रवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर संजय सर्राफ ने की। पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप के डब्ल्यू एच वन श्रेणी में लोहरदगा के पवन लकड़ा, लातेहार के दुर्गादत्त साहू एवं बोकारो के रमेश कुमार यादव के बीच मैच खेला गया। जिसमें दुर्गादत्त साहू विजयी रहे। कार्यक्रम में अतुल चंदन, कुमार गौरव, सीमा सिंह, रितु रंजन, रीमा साहू, अमित वर्मा, जय श्रीवास्तव, नेहा कुमारी, मिथिलेश कुमार, अश्रिता टोपनो, संयुक्ता एक्का, संजना कुमारी, यमुना पासवान, अनिकेत सराफ, अखिलेश कुमार, आयुष कुमार, सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी गण उपस्थित थे।

> विधायक सुदेश महतो ने सभी खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन एवं पेरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा की दिव्यांग ईश्वर की बहुत बड़ी ताकत है। तथा ऐसे ईश्वरी देन हम सलाम करते हैं।

शिक्षकों के सामने युवा पीढ़ी के निर्माण की चुनौती

नए जमाने के शिक्षक भी विद्यार्थियों में अपनी लोकप्रियता के लिए कुछ ऐसे काम कर बैठते हैं जो उन्हें लांछित ही करते हैं। सीखने की प्रक्रिया का मर्यादित होना भी जरूरी है। परिसरों में संवाद, बहसें और विषयों पर विमर्श की धारा लगभग सूख रही है। परीक्षा को पास करना और एक नौकरी पाना इस दौर की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गयी है। ऐसे में शिक्षकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस पीढ़ी की आकांक्षाओं की पूर्ति करने की है।

आज शहरों में पढ़ रही नई पीढ़ी की समझ और सूचना का संचार बहुत व्यापक है। उसके पास ज्ञान और सूचना के अनेक साधन हैं। जिसने परंपरागत शिक्षकों और उनके शिक्षण के सामने चुनौती खड़ी कर दी है। नई पीढ़ी बहुत जल्दी और ज्यादा पाने की होड़ में है। उसके सामने एक अध्यापक की भूमिका बहुत सीमित हो गयी है। नए जमाने ने श्रद्धाभाव भी कम किया है। उसके अनेक नकारात्मक प्रसंग हमें दिखाई और सुनाई देते हैं। गुरु-शिष्य रिश्तों में मर्यादाएं टूट रही हैं, अनुशासन भंग होता दिखता है। नए जमाने के शिक्षक भी विद्यार्थियों में अपनी लोकप्रियता के लिए कुछ ऐसे काम कर बैठते हैं जो उन्हें लांछित ही करते हैं। सीखने की प्रक्रिया का मर्यादित होना भी जरूरी है। परिसरों में संवाद, बहसें और विषयों पर विमर्श की धारा लगभग सूख रही है। परीक्षा को पास करना और एक नौकरी पाना इस दौर की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गयी है। ऐसे में शिक्षकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस पीढ़ी की आकांक्षाओं की पूर्ति करने की है। साथ ही उनमें विषयों की गंभीर समझ पैदा करना भी जरूरी है। शिक्षा के साथ कौशल और मूल्यबोध का समावेश न हो तो वह व्यर्थ हो जाती है। इसलिए स्किल के साथ मूल्यों की शिक्षा बहुत जरूरी है। कॉरपोरेट के लिए पुरजे और रोबोट तैयार करने की बजाए अगर हम उन्हें मनुष्यता, ईमानदारी और प्रामाणिकता की शिक्षा दे पाएं और स्वयं भी खुद को एक रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर पाएं तो यह बड़ी बात होगी। शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए एक दोस्त, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में सामने आते हैं। वह उसका रोल मॉडल भी हो सकते हैं। जब हर रिश्ते को बाजार की नजर लग गयी है। तब गुरु-शिष्य के रिश्तों पर इसका असर न हो ऐसा कैसे हो सकता है। नए जमाने के, नए मूल्यों ने हर रिश्ते पर बनावट, नकलीपन और स्वार्थों की एक ऐसी चादर डाल दी है। जिसमें असली सूरत नजर ही नहीं आती। अब शिक्षा बाजार का हिस्सा है। जबकि भारतीय परंपरा में वह गुरु के अधीन थी। समाज के अधीन थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षकों से कुछ विशिष्ठ अपेक्षाएं की हैं और उनके निरंतर प्रशिक्षण और उन्मुखीकरण पर भी जोर दिया है। ऐसे समय में जब भारत अनेक क्षेत्रों में प्रगति की ओर अग्रसर है। हमारे अध्यापकों की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है । क्योंकि उनके जिम्मे ही श्रेष्ठ, संवेदनशील और देश भक्त युवा पीढ़ी के निर्माण का दायित्व है। शिक्षक मनुष्य का निमार्ता है। सर जान एडम्स कहते है कि एक शिक्षक की भूमिका बच्चों को साक्षर करने से ही खत्म नहीं हो जाती । बल्कि वह अपने छात्रों में आत्मबल, आदर्श, नैतिक बल, सच्चाई, ईमानदारी, लगन और मेहनत की वह मशाल भी जलाता है जो उसे पूर्ण मनुष्य बनाते हैं।

❖ अमर नाथ सोनी

पूंजीवादी समाज मे शिक्षा का गिरता स्तर

आज के दौर में पूंजी के शातिर खिलाड़ियों ने जबसे शिक्षा के बाजार में अपनी बोलियां लगानी शुरू की हैं । तबसे हालात बदलने शुरू हो गए थे। शिक्षा के हर स्तर के बाजार भारत में सजने लगे थे। इसमें कम से कम चार तरह का भारत तैयार हो रहा था। आम छात्र के लिए बेहद साधारण सरकारी स्कूल थे । जिनमें पढ़कर वह चौथे दर्जे के काम की योग्यताएं गढ़ सकता था। फिर उससे ऊपर के कुछ निजी स्कूल थे । जिनमें वह बाबू बनने की क्षमताएं पा सकता था। फिर अंग्रेजी माध्यमों के मिशनों, शिशु मंदिरों और मझोले व्यापारियों की शिक्षा थी जो आपको उच्च मध्य वर्ग के करीब ले जा सकती थी। और सबसे ऊपर एक ऐसी शिक्षा थी । जिनमें पढ़ने वालों को शासक वर्ग में होने का गुमान, पढ़ते समय ही हो जाता है। इस कुलीन तंत्र की तूती ही आज समाज के सभी क्षेत्रों में बोल रही है। इस पूरे चक्र में कुछ गुदड़ी के लाल भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इसमें दो राय नहीं किंतु हमारी व्यवस्था ने वर्ण व्यवस्था के हिसाब से ही शिक्षा को भी चार खानों में बांट दिया है और चार तरह के भारत बनाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। जाहिर तौर पर यह हमारी एकता-अखंडता और सामाजिक समरसता के लिए बहुत घातक है। ऐसे कठिन समय में शिक्षक समुदाय की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। क्योंकि वह ही अपने विद्यार्थियों में मूल्य व संस्कृति प्रवाहित करता है। आज नई पीढ़ी में जो भ्रमित जानकारी या कच्चापन दिखता है, उसका कारण शिक्षक ही हैं। क्योंकि अपने सीमित ज्ञान, कमजोर समझ और पक्षपातपूर्ण विचारों के कारण वे बच्चों में सही समझ विकसित नहीं कर पाते। इसके कारण गुरु के प्रति सम्मान भी घट रहा है। आम आदमी जिस तरह शिक्षा के प्रति जागरूक हो रहा है और अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने के आगे आ रहा है, वे आकांक्षाएं विराट हैं। उनको नजरंदाज करके हम देश का भविष्य नहीं गढ़ सकते। सबसे बड़ा संकट आज यह है कि गुरु-शिष्य के संबंध आज बाजार के मानकों पर तौले जा रहे हैं। युवाओं का भविष्य जिन हाथों में है, उनका बाजार तंत्र किस तरह शोषण कर रहा है। इसे समझना जरूरी है। इसके चलते योग्य लोग शिक्षा क्षेत्र से पलायन कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि जीवन को ठीक से जीने के लिए यह व्यवसाय उचित नहीं है।

संजोना होगा गुरु-शिष्य की परंपरा को

गुरु-शिष्य परंपरा को समारोहों में याद की जाने वाली वस्तु की बजाए अगर हम उसकी सही तस्वीरें गढ़ सकें तो यह बड़ी बात होगी। किंतु देखा यह जा रहा है गुरु तो गुरुघंटाल बन रहे हैं और छात्र तोलमोल करने वाले माहिर चालबाज। काम निकालने के लिए रिश्तों का इस्तेमाल करने से लेकर रिश्तों को कलंकित करने की कथाएं भी हमारे सामने हैं, जो शर्मसार भी करती हैं और चेतावनी भी देती है। नए समय में गुरु का मान- स्थान बचाए और बनाए रखा जा सकता है, बशर्ते हम विद्यार्थियों के प्रति एक ईमानदार सोच रखें। मानवीय व संवेदनशील व्यवहार रखें, उन्हें पढ़ने की बजाए समझने की दिशा में प्रेरित करें। उनके मानवीय गुणों को ज्यादा प्रोत्साहित करें। भारत निश्चय ही एक नई करवट ले रहा है, जहां हमारे नौजवान बहुत आशावादी होकर अपने शिक्षकों की तरफ निहार रहे हैं। उन्हें सही दिशा मिले तो आसमान में रंग भर सकते हैं। हमारे युवा भारत में इस समय दरअसल शिक्षकों का विवेक, रचनाशीलता और कल्पनाशीलता भी कसौटी पर है। क्योंकि देश को बनाने की इस परीक्षा में हमारे छात्र अगर फेल हो रहे हैं तो शिक्षक पास कैसे हो सकते है।

शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं

शिक्षक.... यह शब्द सुनते ही एक अनुशासन प्रिय और सदा दूसरे का हित चाहने वाला व्यक्तित्व का चित्रण मस्तिष्क में उभरने लगता है। अनेक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद शिक्षक अपने छात्रों को स्वावलंबी बनने की प्रेरणा देते हैं। शिक्षक सामाजिकता के अनुसार समाज का सबसे प्रतिष्ठित पद है। शिक्षक संघ की प्रतिष्ठा को हम इस रूप में समझ सकते हैं कि भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन को जब यह पूछा गया तो उनका जन्म दिवस हम किस रूप में मनाए तो उन्होंने बिना झिझक, बिना देर किए प्रारंभिक समय में किए गए शिक्षक दायित्व के महत्व और समाज के निर्माण में योगदान को समझते हुए अपने जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने को कहा। प्रतिकार्थ यह है कि उन्होंने अपने जन्मदिवस के विशेष दिन को शिक्षकों के सम्मान हेतू समर्पित कर दिया। ऐसा करने के पीछे का तथ्य यह है कि उन्हे अध्यापन में खासी रुचि थी । प्रथम उराष्ट्रपति, बाद में राष्ट्रपति बने । परंतु इसके पहले वे एक बेहतर शिक्षक थे । उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय ,मैसूर विश्वविद्यालय और ऑक्सफोर्ड जैसे अनेकों संस्थानों में कई वर्षों तक अध्यापन का कार्य किया था। उनकी अध्यापन को विद्यार्थी भी बेहद पसंद करते थे । शिक्षक दिवस पूरे भारतवर्ष में शिक्षकों के सम्मान में 5 सितंबर को मनाया जाता है । देश के विभिन्न हिस्सों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं । विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रम में सभी लोग बड़े उत्साह और उमंग के साथ भाग लेते हैं। जीवन के प्रत्येक चरण में हमें सदैव शिक्षकों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार एक सादे कोरे कागज को हम उस पर कुछ बेहतर तथ्य लिखकर उसकी महत्ता को बढ़ाते हैं ।उसी प्रकार मनुष्य के प्रारंभिक जीवन से लेकर अंतिम समय तक जीवन की सभी प्रकार की शिक्षाओं से परिपूर्ण करके शिक्षक मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारते हैं । जिससे समाज में उस व्यक्ति की प्रतिष्ठा में समृद्धि होती है। अपने कर्म पथ पर सदैव चलते हुए भले ही उनकी स्थिति यथावत बनी रहे ,अर्थात शिक्षकों की स्थिति में भले ही सुधार हो या ना हो वे सदा अपने अंतर्गत अध्ययन करने वाले बच्चों को एक नया आयाम प्रदान करते हैं। सदैव प्रेरित करते हैं, प्रतिवर्ष देश को अनेकों इंजीनियर, डॉक्टर साइंटिस्ट देने वाला शिक्षक अपने वास्तविक विकास से आज भी अवरुद्ध है। बदलते समय और परिवेश के अनुसार आज विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच के संबंध भी बिखरने लगे हैं। विद्यार्थी केवल एन प्रक्रेण तरीके से शिक्षा ग्रहण तक ही अपने शिक्षकों से संलग्न होना चाहते है।

❖ डॉली कुमारी

शिक्षा से हर बच्चों का चरित्र विकसित होता है

शिक्षक हमारे भविष्य की हर परिस्थिति से लड़ने के लिए सक्षम बनाते हैं। शिक्षक की तराजू में हर बच्चो का भार एवं महत्व एक समान होता है। हम सब अपने शिक्षको के प्रति आभारी हैं।क्योंकि जिस आत्मविश्वास तथा लगन से हम खुद को हर स्थिति के अनुकूल ढाल रहे हैं वह उनकी देन है। मानव जीवन में हर व्यक्ति को जागरूक तथा शिक्षित होने की आवश्यकता है ,क्योंकि शिक्षा से हर व्यक्ति का चरित्र विकसित होता है। शिक्षित हो या अशिक्षित हर मनुष्य में अपरंपार खूबियां हैं। उन खूबियों को जागृत करना तथा उनका भरपूर इस्तेमाल करना हमें हमारे गुरु बताते हैं। इसका उदाहरण हमारे धर्म ग्रंथ से भी पता चलता है । शिक्षक अपने छात्र को न केवल साक्षर ज्ञान प्रदान करते हैं ,बल्कि उनके हर गुण को शीर्ष स्थान पर लाने की कोशिश करते हैं ।उन्हें देश का भविष्य का आकार देने का भी प्रशिक्षण उनके शिक्षक देते हैं। शिक्षक छात्रों से अनेक रिश्ते निभाते हैं । छोटे बच्चे के लिए माता-पिता तथा बड़े बच्चों के लिए मित्र भी बनते हैं । तभी तो उनका स्थान सबसे ऊपर होता है । इसीलिए कबीर कहते हैं गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए । अर्थात उनका स्थान माता पिता या ईश्वर सबसे ऊपर होता है । इसलिए सम्मान के प्रथम हकदार भी हमारे गुरु ही हैं । शिक्षक किसी छात्र में भेदभाव नहीं करते हैं। वह सबको उनके पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद भी एक समान शिक्षा देते हैं। शिक्षक सब्र के साथ अपने छात्रों की दुविधा दूर करते हैं तथा हर प्रश्न एवं गुथियो को समझाते हैं। इस 21वीं सदी में शिक्षकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है । जहां हमारे देश को डेवलपिंग का दर्जा दिया जाता है ,वही हमारे शिक्षक 'विकसित देश' रूपी पेड़ों की जड़ों को सींच रहे हैं । इतनी निष्ठा तथा लगन के बावजूद भी हमारे शिक्षक हमसे यही आशा रखते हैं कि हम उनके दिए हुए ज्ञान का सदुपयोग करें तथा ज्ञान रूपी धन को दूसरे में बाटें । वे हमें उस ज्ञान से परिपूर्ण करते हैं, जिससे हर व्यक्ति अपने समाज की सभी बुराइयों को खत्म करने में सक्षम हो तथा एक ऐसे समाज का निर्माण करें जो प्रेम, भाईचारा, एक दूसरे के प्रति इज्जत की भावना रखता हो। हमारा देश हर वर्ष 5 सितंबर को वार्षिक शिक्षक दिवस मनाता है। इस दिवस छात्र अपने शिक्षको को आभार व्यक्त करते हैं तथा उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रण लेते हैं । यह दिवस सारे विद्यार्थी तथा शिक्षकों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। परंतु हम सभी में यह समझ होनी चाहिए कि हम अपने शिक्षकों के प्रति आदर की भावना रखें, परंतु जीवन भर उनको सम्मान दें और उनके ज्ञान को उपयोगी बनाएं। सभी व्यक्ति को विद्यार्थी तथा शिक्षक दोनों की भूमिका निभानी होती है।

❖ अर्चना दुबे

अध्यात्म से विज्ञान तक शिक्षक

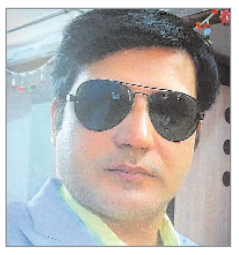

गुरु के द्वारा दिया गया ज्ञान का ना तो कोई तुलना है और ना ही कोई तोड़ है। अत्यंत आश्चर्य की बात है कि हमारे गुरुओं का दिया ज्ञान हजारों वर्षों से गुजरने के बावजूद चरितार्थ है। व हर विपरीत परिस्थिति में हमें मार्ग दिखा रहा है। हम अपने गुरुओं के शिक्षा को भूलने लगे हैं। विश्वामित्र ने ना सिर्फ राम को शिक्षा प्रदान किया बल्कि उन्हें एक से बढ़कर एक अस्त्र-शस्त्र भी प्रदान किए। यदि आज के युग की बात करें तो नीतिशास्त्र के महाज्ञाता चाणक्य जैसे गुरु, गुरु शब्द को महिमामंडित करते हैं। चाणक्य के ना होने से भारतीय इतिहास की तस्वीर ही बदल जाएगी। उनकी असीमित बुद्धि के कारण ही चंद्रगुप्त मौर्य, चंद्रगुप्त मौर्य बन पाये। आज का युग वैज्ञानिक दृष्टिकोण का युग बन चुका है । जहां वैज्ञानिक चेतना नित नए अविष्कारों के सृजन में लगा हुआ है। दुनिया का स्वरूप ही बदल चुका है। परंतु इस वैज्ञानिक विकास के पीछे जिन व्यक्तियों का सबसे बड़ा योगदान है उनमें से एक हैं आर्यभट्ट। एक गुरु के रूप में उन्होंने विश्व को वह ज्ञान दिया है । जिसके बगैर विश्व के सारे वैज्ञानिक आविष्कार धरे के धरे रह जायेंगे। शायद दुनिया उस जगह पहुंच जायेगा जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। आर्यभट्ट ने इस दुनिया को जीरो और दशमलव दिए जिसके बिना वैज्ञानिकता संभव ही नहीं है। इसीलिए हमें गर्व है अपने गुरुओं पर जिन्होंने हमें आध्यात्मिक होने से लेकर वैज्ञानिक होने तक का ज्ञान प्रदान किया है।

❖ चंदन प्रकाश

बच्चे जो देश के भविष्य होते हैं उसे सिर्फ शिक्षक ही सवारते हैं

हर व्यक्ति को शिक्षा की जरूरत है, क्योंकि बिना शिक्षा के जीवन पशु के समान है। शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण योगदान शिक्षक का होता है। शिक्षक ही एक अच्छा नागरिक बनने में सहायता करते है और देश को नई बुलंदियों पर ले जा सकता है। बच्चे जो कि हर एक देश के भविष्य होते हैं। सिर्फ शिक्षक ही उनके भविष्य को सुरक्षित कर सकता है। आदर्श शिक्षक वह होता है जो हर संभव अपने शिष्यों की सहायता करता है और अपने शिक्षण कार्य में कुशल होता है।

आदर्श शिक्षक हमेशा समय का पक्का होता है। शिक्षक को विनम्र और अनुशासन प्रिय होना चाहिए। शिक्षक बच्चों से मधुर व्यवहार रखते हैं और उनकी बातें हमेशा स्पष्ट होती हैं। वह शिष्यों को अपने बच्चों के समान समझते है। उनमें संयम होता है और वह उतेजित नहीं होते है। हर बच्चे के जीवन में उसकी नजर में एक आदर्श शिक्षक जरूर होता है। जिसके जीवन से वो प्रेरणा लेता हैं। शिक्षक का पद समाज में एक प्रतिष्ठित पद माना जाता है। क्योंकि शिक्षक समाज को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाता है। वह अपने शिष्यों को सदैव नैतिक मूल्यों के विषय में बताता है। जिससे वे अपने जीवन में एक सदाचारी मनुष्य बन सके। भारत में प्राचीन काल से ही शिक्षकों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। यही कारण है कि आज भी लोग चाणक्य आदि जैसे शिक्षकों की बातों का अनुसरण करते हैं। आचार्य चाणक्य का सपना अखंड भारत बनाना था। जिसे पूर्ण करने के लिए एक शिक्षक का कर्तव्य निर्वाह करते हुए उन्होंने चंद्रगुप्त मौर्य जैसे एक साधारण बालक को भारत का राजा बनने के योग्य बनाया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। एक शिक्षक कभी भी अपने शिष्यों को गलत मार्ग पर चलने का सलाह नहीं देता है । सदैव उन्हें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रशस्त करता है । क्योंकि वह भली भांति जानता है कि सत्य का मार्ग सबसे उत्तम मार्ग होता है। एक अच्छे शिक्षक का गुण यह है कि वह सदैव अपने शिष्यों को त्याग, करुणा, सहनशीलता, ईमानदारी, सदाचार आदि का महत्व समझाएं। इन सभी चीजों के बिना एक व्यक्ति शिक्षित तो हो सकता है। परंतु नैतिकता का अभाव उसमें स्पष्ट रूप से दिखेगा। इसलिए व्यक्ति के पास शिक्षा के साथ-साथ इन सभी गुणों का होना भी आवश्यक है। शिक्षक अपने शिष्यों के साथ कभी नम्र तो कभी क्रोधित इसलिए होता है। क्योंकि उसे अपने शिष्यों के साथ अनुशासन में रहना आवश्यक है और यह उसकी मर्यादा भी है। शिक्षक और शिष्य के बीच अनुशासन का होना अति अनिवार्य है। शिक्षक का एक गुण यह भी होता है कि उसे अपने शिष्यों की योग्यता ज्ञात होती है। उसे यह ज्ञात होता है कि उसका कौन सा शिष्य कितना योग्य है। इसलिए वह अपने प्रत्येक शिष्य को अलग प्रकार से समझाता है। शिक्षक समाज का उद्धारक होता है और उस पर राष्ट्र के भविष्य को बनाने का कार्यभार होता है। वह अपना पूरा जीवन राष्ट्र के भविष्य को बनाने के लिए समर्पित कर देता है । इसलिए न केवल शिष्य बल्कि प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य बनता है कि वह एक शिक्षक का सदैव सम्मान करें।

❖ वेद प्रकाश दुबे

शिक्षा में आवश्यक सुधार एक बड़ी चुनौती

जब भारत आजाद हुआ तब भारत से जाते समय किसी अंग्रेज ने कहा था कि यदि भारत को बर्बाद करना है तो यहां की शिक्षण पद्धति को बर्बाद करना होगा। क्योंकि वे जानते थे कि भारत की शिक्षण पद्धति काफी समृद्ध एवं विकसित है। इसे कमजोर किए बिना यहां की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर नहीं किया जा सकता है। हुआ भी वही दिन-ब-दिन शिक्षा की गुणवत्ता में आई भारी कमी के कारण तमाम कोशिशों के बावजूद भारत को शिक्षा के क्षेत्र में जो मुकाम हासिल करना चाहिए था। वह आजादी के 72 वर्ष बाद भी हासिल नहीं कर सका। लगभग सभी राजनीतिक पार्टियों के चुनावी घोषणा पत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली व पानी आदि जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की चर्चा तो आम है। लेकिन तमाम वादों के बाद भी जो राजनीतिक पार्टियां सत्ता हासिल करती हैं। सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी एवं शिक्षण सामग्री की कमी के कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना शायद बेमानी होगी। ग्रामीण सुदूर इलाकों की स्थिति तो आज भी काफी दयनीय है। ऐसे जगहों पर तो आज भी शिक्षक प्रत्येक दिन और वह भी समय पर नहीं पहुंचते तो भला कैसे हो पायेगा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का विकास। आज सरकारी विद्यालयों में छात्रों को उचित शिक्षा नहीं मिल पाने का एक मुख्य कारण सरकारी शिक्षकों को अशैक्षणिक कार्य में संलिप्तता भी है। सरकार द्वारा संचालित बहुत सारे कार्य सरकारी शिक्षकों को ही करना पड़ता है। जिससे काफी समय उनका अशैक्षणिक कार्य में ही लग जाता है और वे शैक्षणिक कार्य में अपना समय नहीं दे पाते हैं। जिस दिन सरकारी विद्यालयों में उचित शिक्षा मिलने लगेगी तब फिर लोगों का रुझान उनके और जरूर आकर्षित होगा एवं फिर ऐसे निजी विद्यालय को अपना अस्तित्व का खतरा मंडराने लगेगा। सरकार द्वारा निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम लाना एक सही कदम था। परंतु इस अधिनियम को आने के आज लगभग 10 वर्षों के बाद भी लागू नहीं हो पाना कहीं न कहीं सरकार की विफलता को दशार्ता है। इस अधिकार अधिनियम में जो व्यवस्थाएं हैं उस पर शायद ही निजी विद्यालय और सरकारी विद्यालय खरा उतरने में कामयाब हो पाएंगे। यदि यह अधिनियम निजी विद्यालयों पर लागू होती है तो सरकारी विद्यालयों पर भी लागू होनी चाहिए । जिससे छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए निजी विद्यालय एवं सरकारी विद्यालय दोनों मिलकर सुरक्षित समाज के निर्माण कर सकें।

❖ ई. नंद किशोर भारती

शिक्षक की भूमिका एक मोमबत्ती के रोशनी की तरह

गुरु को सिर राखिए ,चलिए आज्ञा माहिं। कहै कबीर तो दास को, तीन लोकों को भय नाहिं।।

संत कबीर दास जी के इन पंक्तियों का अर्थ है कि हमे अपने गुरू को अभिमान से सबसे ऊपर रखना चाहिए और उनकी आज्ञा के अनुसार काम करना चाहिए। यदि हम ऐसा करते हैं ,तो हम भय मुक्त हो जायेंगे । पौराणिक कथाओं में अर्जुन, एकलव्य जैसे महान धनुर्धर अपने गुरु के प्रशिक्षण से ही इतने महान योद्धा बने। यह सबसे सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं । आज के इस युग में भी शिक्षक अपने विद्यार्थी को मार्गदर्शन देते हैं जो उनके विकास में सहायक होता है । एक आदर्श शिक्षक वह होते है जो हर संभव प्रयास करके अपने छात्र को एक आदर्श विद्यार्थी बनाना चाहते हैं । एक आदर्श शिक्षक वह है जो न सिर्फ अपने पाठ याद करवाता है, बल्कि उस पाठ का अपने जीवन में उपयोग करना सिखाता है । आज हमारे पलामू की शिक्षा पद्धति ही साहित्यिक ,वैज्ञानिक तथा तकनीकी हो गई है। हमारी शिक्षा शैली में संस्कार ,शिष्टाचार, मौलिकता, संस्कृति एवं सभ्यता जैसे स्तंभ अनुपस्थित हो चुके हैं। इसलिए शिक्षक भी बाधित होते हैं । वह अपने पाठ्यपुस्तक तथा पाठ्यक्रम को बच्चों को अच्छी तरह समझाएं ,लिखवाए और याद करवाएं । कहीं ना कहीं वह संस्कार और सभ्यता की शिक्षा देने में चूक जा रहे हैं । एक आदर्श शिक्षक जो भी संस्कार तथा आदतें प्रदर्शित करते है । वही गुण बच्चे भी अपने अंदर उतारते हैं। शिक्षक को सरलता, और सादगी से भरपूर होना चाहिए । जिससे कि वह बच्चों को अपनी ओर तथा अपने कथन के प्रति आकर्षित कर सके। इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि शिक्षक ऊपरी श्रृंगार तथा रूप से रूपवान और आकर्षित हो, बल्कि यह अर्थ है कि वह अपने आंतरिक गुणों और कलाओं से परिपूर्ण हो ,ताकि वह अपने हर प्रवृत्ति वाले बच्चों को अपने ज्ञान से लाभान्वित कर सके। एक शिक्षक अपने बच्चों को केवल सवालों के जवाब नहीं देते है। बल्कि वह आप को इस योग्य बनाते है कि आप सही और गलत में अंतर स्पष्ट कर सकें कि आप अपने लिए कठिनाइयों में भी रास्ता बना सके । शिक्षक की भूमिका एक मोमबत्ती के रोशनी की तरह होती है। आपके जीवन में भले ही मोमबत्ती जलाने पर प्रारंभ में आप अपनी मंजिल को पूरी तरह से नहीं देख पाते हैं। पर जैसे आप उस मोमबत्ती को जलाकर आगे बढ़ते रहते हैं, वैसे वैसे आप अंधेरे में भी अपना रास्ता ढूंढ लेते हैं और मंजिल तक पहुंच जाते हैं। ठीक उसी प्रकार एक शिक्षक एक छोटी सी आशा की किरण बनकर ही निराशावादी छात्रों को एक एक कदम आगे बढ़ने में मदद करते है । उनका आत्मविश्वास एवं हौसला बढ़ाते हैं और उसके सपनों से उन्हें वाकिफ कराते है।

एक शिक्षक मानसिक ,शारीरिक, सामाजिक तथा आर्थिक विकास के लिए भी जिम्मेदार होते हैं। ईमानदारी ,समय पाबंदी ,कर्तव्यवान, निष्ठावान, त्याग ,अनुशासन ,समर्पण जैसे गुण भी बच्चे शिक्षक से ही समझते हैं । इसलिए एक शिक्षक को आदर्शात्मक होने चाहिए । क्योंकि बच्चे सदैव अपने शिक्षक के गुणों एवं प्रतिक्रियाओं का ही अनुसरण करने का प्रयास करते हैं । एक शिक्षक को भले ही संपूर्ण ज्ञान ना हो लेकिन उसके बोलने की शैली प्रभावशाली हो कि वह अपने श्रोता अर्थात बच्चों के ध्यान को अपने बातों की ओर केंद्रित कर सकें। उसकी बातों में इतनी सरलता होनी चाहिए कि बच्चे उनके हर बातों को समझ पाए और अपनी तकलीफ, परेशानी और समस्याओं को निसंकोच होकर बताएं। शिक्षक एक ऐसा पद है जिसके नाम मात्र से ही हमारे मन में सम्मान की भावना प्रज्वलित होती है। शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध अन्योन्याश्रित होता है। जहां शिक्षक अपने अनुभव और ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करता है। वहीं विद्यार्थी भी शिक्षक के लिए एक दर्पण की तरह कार्य करते हैं,जो शिक्षक को अपनी प्रवृत्ति और कलाओं की छवि को अपने अंदर दशार्ते हैं। जब बच्चे अपने शिक्षक के साथ होते हैं ,तब शिक्षक ही माता-पिता, भाई बंधु, एवं मित्र की भूमिका निभाते हैं।

❖ शिखा दुबे

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति